बालाघाट
शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026
अश्विन शुक्ल 11 विक्रम संवत 2083
वर्ष 17, अंक 32
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	–	73,249.39
निफ्टी	–	22,687.65
सोना	–	1,52,679
चांदी	–	2,25,000
डॉलर	–	94.72

खास खबर

25 करोड़ की ड्रग्स जब्त; तीन गिरफ्तार

अहमदाबाद। अहमदाबाद में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा के पास करीब 25 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की गई है। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सीटीएम टोल प्लाजा के पास 4.53 किलो हेरोइन और 2.49 किलो मेफेड्रोन बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी टिफेल नोखेज (44), कफील अहमद (59) और उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी मोहम्मद इमरान अल्वी (38) के रूप में हुई है। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) अजित राजियन ने बताया कि कार्रवाई अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर की गई। यह मामला रामोल पुलिस थाना क्षेत्र का है।

आतंकियों के दो मददगार हुए गिरफ्तार

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों ने दो संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से तुर्किये में बनी एक कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और दो ड्रोन्ड बरामद हुए हैं। पिछले 60 दिनों में ऐसी 18 आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों ओवरग्राउंड वर्कर के तौर पर काम कर रहे थे। उन पर आतंकियों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने में मदद करने का शक है। दोनों सोपोर के चिंकीपोरा के रहने वाले हैं। खुफिया सूचना के आधार पर सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स और बारामूला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर दोनों को डेलिना घाट के पास डारपुरा नर्सरी इलाके से गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई को कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों पर रोक लगाने और आतंकियों के मददगार नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में अहम कामयाबी माना जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को मंजूरी नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के 30 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम में होने वाले कॉन्सर्ट को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं और त्योहारों के सीजन का हवाला दिया है। कॉन्सर्ट की अनुमति नहीं मिलने पर आम आदमी पार्टी (आप) की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा दिलजीत को पसंद करते हैं और पंजाब में भी वह काफी लोकप्रिय हैं। भारद्वाज ने दिलजीत की तुलना पंजाबी गायक दलेर मेहंदी से करते हुए उन्हें पंजाब की एक और बड़ी हस्ती बताया। दिल्ली में होने वाला यह कार्यक्रम दिलजीत के ऑरा वर्ल्ड टूर के भारत चरण की शुरुआत करने वाला था।

कुछ ना कहना



स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

अदालतों के हाथ बंधे नहीं हैं, कर सकती हैं हस्तक्षेप



नई दिल्ली। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को संवैधानिक व्यवस्था का अहम हिस्सा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यदि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर असंवैधानिक या गैर-कानूनी गतिविधियों के कारण सवाल उठते हैं, तो संवैधानिक अदालतें हस्तक्षेप कर सकती हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनावी प्रक्रिया में न्यायिक संयम का मतलब यह नहीं है कि अदालतें सबूत सामने आने के बावजूद मूकदर्शक बनी रहें।

यह टिप्पणी जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने आंध्र प्रदेश की विपक्षी पार्टी युवाजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वायएसआरसीपी) की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। पार्टी ने आरोप लगाया था कि हिंसा और अन्य बाधाओं के चलते उसके लगभग दो-तिहाई उम्मीदवार शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में नामांकन दाखिल नहीं कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संवैधानिक ढांचे के लिए बेहद जरूरी हैं। चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने का अवसर मिलना भी निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पीठ के मुताबिक, यदि किसी उम्मीदवार को हिंसा, दबाव या अन्य गैर-कानूनी बाधाओं के कारण नामांकन दाखिल करने से रोका जाता है, तो इससे चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। ऐसे आरोपों पर विचार करते समय अदालतें उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर सकती हैं।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया में न्यायिक हस्तक्षेप सीमित रखने के पीछे महत्वपूर्ण कारण हैं। चुनाव प्राधिकरणों की स्वतंत्रता बनाए रखना और निर्धारित समय-सीमा के भीतर चुनाव संपन्न कराना जरूरी है। स्थानीय निकायों के चुनाव कराने और उनकी निगरानी की जिम्मेदारी राज्य चुनाव आयोग की होती है। हालांकि, न्यायिक संयम का अर्थ यह नहीं है कि चुनाव प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आने पर संवैधानिक अदालतें न्यायिक समीक्षा से पीछे हट जाएं।

सबूत मिलने पर अदालतें नहीं रह सकतीं मूकदर्शक

पीठ ने कहा कि संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना संवैधानिक अदालतों की जिम्मेदारी है। यदि कोई विपक्षी दल चुनाव प्रक्रिया में बाधा पहुंचने के आरोपों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करता है, तो अदालतें केवल इस आधार पर हस्तक्षेप से इनकार नहीं कर सकतीं कि चुनावी मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप सीमित होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी चुनावी निष्पक्षता, उम्मीदवारों के नामांकन के अधिकार और चुनाव प्राधिकरणों की जिम्मेदारी के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। हालांकि, अदालत की टिप्पणी को हर चुनावी विवाद में स्वत: हस्तक्षेप का आदेश नहीं माना जा सकता।

मध्य प्रदेश में राज्यसभा उपचुनाव का ऐलान, 12 नवंबर को होगा मतदान

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा की एक रिक्त सीट पर उपचुनाव कराने का कार्यक्रम घोषित किया है। इस सीट पर 12 नवंबर को मतदान होगा, जबकि उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना की जाएगी। यह सीट डॉ.एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। उनका कार्यकाल 2 अप्रैल 2030 तक था। इसके बाद नए सदस्य का चुनाव होने के बाद वह निर्धारित कार्यकाल की शेष अवधि तक राज्यसभा में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। निर्वाचन सदन के अनुसार, उपचुनाव के लिए 26 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी। उम्मीदवार 2 नवंबर तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकते है। नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी, जबकि उम्मीदवार 5 नवंबर तक अपना नाम वापस ले सकते है। इसके बाद 12 नवंबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। मतगणना शाम 5 बजे शुरू होगा। आयोग ने चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए 16 नवंबर की अंतिम तारीख निर्धारित की है।

चुनाव आयोग ने मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। आयोग के मुताबिक, मतपत्र पर उम्मीदवारों के पक्ष में वरीयता अंकित करने के लिए केवल बैंगनी रंग के स्केच पेन का इस्तेमाल किया जाएगा। यह पेन निर्वाचन अधिकारी की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा। मतदाता अपनी पसंद दर्ज करने के लिए किसी अन्य पेन का उपयोग नहीं कर सकते है।

आयोग ने चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त करने का भी निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य मतदान से लेकर मतगणना तक सभी प्रक्रियाओं को निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराना है।

मध्य प्रदेश से राज्यसभा की यह सीट राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। डॉ. मुरुगन ने 14 अक्टूबर को अपना इस्तीफा दिया था, जिसके बाद सीट रिक्त हो गई। मुरुगन को जुलाई 2021 में पहली बार केंद्रीय राज्यमंत्री बनाया गया था।

भारत सरकार लद्दाख के साथ नहीं कर रही अच्छा व्यवहार- वांगचुक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्र पर लद्दाख के लोगों से किए गए वादों से बार-बार पीछे हटने का गंभीर आरोप लगा दिया है। अपने वीडियो संदेश में वांगचुक ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 22 अक्टूबर को वार्ता का आश्वासन देने के बाद वे दिल्ली पहुँचे थे, लेकिन अब बातचीत से इंकार किया जा रहा है। केंद्र सरकार अपने वादों से मुकर रही है, जिसमें लद्दाख को छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा देने का मुख्य वादा भी शामिल है। वांगचुक ने कहा कि इस संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र के लोग बहुत आहत और दुखी हैं। एक ओर चीन का दबाव है जो लद्दाख पर अपना दावा ठोकता है, वहीं दूसरी ओर जिस भारत से यहाँ के लोगों को गहरा लगाव है, वह भी उनके साथ सही व्यवहार नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लद्दाख के नागरिकों को देश के अन्य लोगों के समान लोकतांत्रिक अधिकार नहीं दे रही है। लद्दाख की जनता को अपने प्रतिनिधियों और वोट के माध्यम से अपनी आकांक्षाएं जाहिर करने के लोकतांत्रिक अधिकार से लगातार वंचित रखा जा रहा है।

राज ठाकरे का बड़ा दावा : 4-5 महीने में होगा सियासी उलटफेर

दावा- कुछ समय के लिए देश में पीएम भी नहीं होगा

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने अगले चार से पांच महीनों के भीतर देश में बड़े राजनीतिक बदलाव की आशंका जताई है। उन्होंने चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि उन्हें इस बात पर भी हैरानी नहीं होगी अगर कुछ समय के लिए देश में प्रधानमंत्री का पद खाली हो जाए। ठाकरे ने मुंबई प्रेस क्लब में द डांस ऑफ डेमोक्रेसी नामक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर के इस्तेमाल की अपनी मांग दोहराई। राज ठाकरे ने कहा कि वे साल 2018 से ही चुनाव बैलेट पेपर के जरिए कराने की मांग कर रहे हैं और इस मुद्दे पर वे सोनिया गांधी, शरद पवार और ममता बनर्जी जैसे कई प्रमुख राजनीतिक नेताओं से मिल चुके हैं। उन्होंने जोर दिया कि चुनाव में जीत या हार मायने नहीं रखती, बल्कि मतदाताओं को यह भरोसा और संतुष्टि होनी चाहिए कि उनका वोट उसी उम्मीदवार को मिला है जिसे उन्होंने चुना है। ठाकरे ने भारत में चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को प्राथमिकता देने की बात कहते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने वाले देशों का उदाहरण दिया और कहा कि नतीजे घोषित करने में अगर चार दिन भी लगते हैं, तो इसमें जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है। मनसे प्रमुख ने देश में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और हाल ही में सामने आए परीक्षा पेपर लीक जैसे मुद्दों पर जनता की गहरी नाराजगी का जिक्र किया। उन्होंने नीट परीक्षा के कथित पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन को केवल परीक्षा से जुड़ा विरोध न मानते हुए, व्यापक जनआक्रोश का प्रतीक बताया। ठाकरे ने महाराष्ट्र में सूखे की गंभीर स्थिति और आने वाले दिनों में अनाज की कमी होने की आशंका भी जताई। उनके अनुसार, ऐसी परिस्थितियों में सरकार के सामने हालात संभालना एक बड़ी चुनौती खड़ी कर सकती है। लोकतांत्रिक मूल्यों पर सवाल उठाते हुए राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि वर्तमान शासन में संस्थानों और मीडिया की स्वतंत्रता प्रभावित हुई है।

एफसीआरए पर सरकार का सख्त रुख कायम, विपक्ष की उम्मीदों को झटका

नई दिल्ली । केंद्र सरकार विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) को लेकर अपने रुख में कोई बदलाव करने के पक्ष में नहीं दिख रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में इस कानून से जुड़े प्रस्तावों पर आगे बढ़ने की तैयारी में है। विदेशी चंदे के नियमन, उसके इस्तेमाल में पारदर्शिता और संबंधित संस्थाओं की जवाबदेही के मुद्दे को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट के आधार पर और सख्त बनाया जाएगा। यह कदम उन विपक्षी की उम्मीदों को धूमिल कर सकता है जो इस कानून में ढील की अपेक्षा कर रहे थे।

एफसीआरए भारत में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और अन्य पात्र संगठनों पर लागू होता है, जो विदेश से धन प्राप्त करते हैं। इस कानून का मुख्य उद्देश्य विदेशी योगदान को नियंत्रित करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्राप्त धन का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही हो, जिससे किसी भी प्रकार के दुरुपयोग को रोका जा सके। इससे पहले, एफसीआरए संशोधन विधेयक, 2026 को लोकसभा में 25 मार्च को पेश किया गया था। बाद में, 12 अगस्त को इसे विस्तृत समीक्षा के लिए 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया। समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। प्रस्तावित संशोधनों में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह भी है कि विदेशी धन से बनाई गई संपत्तियों के प्रबंधन और निपटान के लिए एक नामित प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। इस विधेयक पर विचार-विमर्श करने वाली संयुक्त संसदीय समिति के प्रमुख, भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने हाल ही में कहा था कि प्रस्तावित अधिनियम के मुख्य प्रावधान वे ही हैं जो संप्रग सरकार द्वारा 2010 में लागू किए गए कानून में शामिल थे।

महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच सीटों पर मतदान आज

मुंबई । महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच सीटों (स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों) पर होने वाला चुनाव सत्तारूढ़ महायुति (भाजपा, शिंदे सेना, अजित पवार एनसीपी) और विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) दोनों के लिए साख का सवाल बने है। इस चुनाव में कुल 182 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनके राजनीतिक भाग्य का फैसला 27 अक्टूबर को होने वाली मतगणना से होगा। यह चुनाव भले ही सीमित पंजीकृत मतदाताओं (शिक्षकों व स्नातकों) का हो, लेकिन इसका परिणाम राज्य के आगामी लोकल निकाय चुनावों की दिशा तय करेगा। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में सीटों के बंटवारे के बाद भी भारी अंतर्कलह और बगावत देखने को मिल रही है। भाजपा ने तीन सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं, जबकि शिंदे सेना और अजित पवार गुट ने एक-एक सीट पर दावा किया है। हालांकि, पुणे शिक्षक सीट पर शिंदे गुट ने भाजपा उम्मीदवार के बजाय निर्दलीय प्रत्याशी को अपना समर्थन दे दिया है। इसतरह अमरावती में शिंदे सेना के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ भाजपा के बागी नेता ने ताल ठोक दी है, जबकि संभाजीनगर सीट पर भी गठबंधन के भीतर असंतोष बरकरार है। इसके बाद भाजपा के सामने अपने सहयोगियों के वोटों को एकमुश्त स्थानांतरित कराने की बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, विपक्षी महाविकास आघाड़ी (कांग्रेस, उद्धव सेना, शरद पवार एनसीपी) में भी सभी सीटों पर पूरी तरह से सहमति नहीं बनी है और कई सीटों पर मतभेद खुलकर सामने आए हैं।

"वोट चोरी" मुद्दे को और ज्यादा धार देने इंडिया गठबंधन की डिजिटली बैठक

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेता "वोट चोरी" के मुद्दे पर अपने अभियान को आगे बढ़ाने की रणनीति तय करने के लिए गुरुवार शाम डिजिटल के जरिए बैठक करेंगे। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस देश की राजनीति में एक बार फिर सरगर्मी तेज हो गई है। 'इंडिया' गठबंधन के शीर्ष नेता "वोट चोरी" के गंभीर मुद्दे पर अपने राष्ट्रव्यापी अभियान को और ज्यादा धार देने की कोशिश कर रहे हैं। इस वर्चुअल बैठक में गठबंधन के तमाम प्रमुख चेहरे शामिल होंगे, जो आगामी राजनीतिक आंदोलनों और रणनीतियों पर मंथन करेंगे। सूत्रों के मुताबिक बैठक में "वोट चोरी" के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों की भावी रूपरेखा और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक में एक नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित 'इंडिया' गठबंधन की रैली की तैयारियों की भी समीक्षा की जाएगी। विपक्षी दल "वोट चोरी" के मुद्दे को लगातार उठा रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर विपक्षी नेताओं ने पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था। इस तीखे तेवर की पृष्ठभूमि कुछ दिन पहले तैयार हुई थी। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 13 अक्टूबर को अपने आधिकारिक आवास पर 'इंडिया' गठबंधन के प्रमुख नेताओं को चाय पर आमंत्रित किया था। उस अनौपचारिक और अहम बैठक के बाद विपक्षी गठबंधन ने एक साझा संकल्प लिया था कि वे 'वोट चोरी' के खिलाफ अपने विरोध को किसी भी सूरत में धीमा नहीं पड़ने देंगे। गठबंधन ने यह भी ऐलान किया था कि वे इस लड़ाई को उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाएंगे ताकि चुनावी पारदर्शिता और निष्पक्षता को सुनिश्चित किया जा सके।

सौरव दास, आशुतोष रंका और अजिंक्य शिंदे ने दिल्ली पुलिस से मांगा अतिरिक्त समय

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने के मामले में कॉंग्रेच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख नेताओं सौरव दास, आशुतोष रंका और अजिंक्य शिंदे ने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के समक्ष पेश होने के लिए कुछ और समय देने की मांग की है। क्राइम ब्रांच ने तीनों नेताओं को गुरुवार दोपहर 12 बजे अपने कार्यालय में पूछताछ के लिए तलब किया था। हालांकि, पेश न हो पाने के कारण अब पुलिस उन्हें दोबारा नया समन जारी करेगी।

यह मामला 13 अक्टूबर की उस घटना से जुड़ा है, जब सीजेपी के इन नेताओं सहित 11 लोग मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के विरोध में जंतर-मंतर पर अनधिकृत रूप से एकत्र हुए थे। इस प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी हुई थी। जंतर-मंतर वर्तमान में निर्धारित विरोध प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिसूचित नहीं होने के कारण पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था। मामले में शिंदे को पहले ही जमानत मिल गई थी, जबकि सौरव दास और आशुतोष रंका को एक हफ्ते तक तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में रहना पड़ा। बुधवार को दोनों नेताओं को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) ऋतुराज की अदालत के समक्ष 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके और शांति बनाए रखने के लिखित आश्वासन के बाद जेल से रिहा किया गया था। दोनों ने न्यायालय को वचन दिया है कि जब तक जंतर-मंतर को आधिकारिक प्रदर्शन स्थल घोषित नहीं किया जाता, वे वहां कोई आंदोलन नहीं करने वाले है। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखकर इसकी जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी है।

आने वाले 30 सालों तक देश के प्रधानमंत्री नहीं बनने वाले राहुल गांधी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर तीखा जुबानी हमला कर कहा है कि विपक्ष अपनी लगातार हो रही हार को छिपाने के लिए वोट चोरी और ईवीएम में गड़बड़ी का बेबुनियाद बहाना बना रहा है। नई दिल्ली के द्वारका में यमुना पुनरुद्धार से जुड़ी 8,941 करोड़ की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने स्पष्ट कहा कि देश की जनता अब कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी है और आने वाले अगले 30 सालों तक उसकी केंद्र में सरकार बनने की कोई संभावना नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने आंकड़ों का हवाला देकर कांग्रेस के चुनावी इतिहास पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह भ्रम फैला रहा है कि उसकी हार केवल मोदी सरकार के आने के



बाद हो रही है, जबकि हकीकत इसके बिल्कुल उलट है कि कांग्रेस गुजरात में बीते 41 वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ज समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल गांधी और उनकी पार्टी का नंबर नहीं लगने वाला।

विपक्ष के दोहरे रवैये पर निशाना साधकर केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि जब कांग्रेस हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना या केरल में जीत दर्ज करती है, तब चुनाव आयोग और ईवीएम पूरी तरह सही हो जाते हैं, लेकिन जहां भी कांग्रेस को हार मिलती है, वह संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाना शुरू कर देती है। यही दोहरा मापदंड कांग्रेस द्वारा अदालती फैसलों पर भी अपनाया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी का राग अलाप कर कांग्रेस असल में घुसपैठियों के फर्जी वोटों को बचाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि ये सभी परियोजनाएं यमुना को पूरी तरह स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने की दिशा में रीढ़ की हड्डी साबित होंगी। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली में नई व्यवस्था के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाई गई उच्चस्तरीय बैठक में तैयार की गई व्यापक कार्ययोजना का 40 प्रतिशत कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है।

रॉबर्ट वाड्रा ने बीकानेर हाउस के फैसले पर उठाए सवाल, बेटे का काम कोई नहीं रोक सकता

नई दिल्ली । बिजनेसमेन और सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने अपने बेटे रेहान वाड्रा की फोटोग्राफी प्रदर्शनी पर बीकानेर हाउस प्रशासन द्वारा जाहिर की गई आपत्तियों पर गहरा दुख और सवाल व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि उनके बेटे का काम और प्रतिभा किसी के रोकने से नहीं रुकेगी और परिवार उनकी तस्वीरों को प्रदर्शित करने के लिए दिल्ली में जल्द ही कोई नई जगह तलाश कर लेगा। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि यह फैसला राजस्थान सरकार के किसी दबाव में लिया गया है या इसके पीछे कोई राजनीतिक कारण हैं।

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। रेहान एक मजबूत इरादों वाला नौजवान है जिसने अपने परिवार और पिता को कई कठिन परिस्थितियों से गुजरते देखा है। प्रियंका गांधी वाड्रा के पति वाड्रा ने स्पष्ट किया कि बीकानेर हाउस में प्रदर्शित की जाने वाली तस्वीरें किसी भी तरह से विवादास्पद नहीं थीं। ये तस्वीरें उस समय ली गई थीं जब रेहान स्वयं विरोध-प्रदर्शन वाली जगह पर मौजूद था और यह केवल उसकी कलात्मक सोच और



रचनात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

रॉबर्ट वाड्रा ने बीकानेर हाउस प्रबंधन के रवैये को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर कहा कि नियमों और प्रोटोकॉल के तहत सभी तस्वीरों की एक पीडीएफ (पीडीएफ) फाइल एक हफ्ते पहले ही प्रशासन को सौंप दी गई थी। जब सभी कलाकृतियों को पहले ही मंजूरी दे दी गई थी और आमंत्रण पत्र तक बांट दिए गए थे, तब अंतिम समय पर आपत्तियां उठाना पूरी तरह से अनुचित है। उन्होंने बताया कि रेहान पिछले छह-सात सालों से फोटोग्राफी कर रहा है और बीकानेर हाउस में पहले भी अपनी कला का प्रदर्शन कर चुका है। वह कला जगत की संवेदनशीलता को अच्छी तरह समझता है।

गर्रा में मंत्री प्रहलाद पटेल का बड़ा ऐलान

तीन साल बाद प्रदेश का कोई मजरा-टोला सड़क से नहीं रहेगा वंचित

गर्रा में अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन, दिग्विजय सिंह की सनातन यात्रा पर भी साधा निशाना





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गुरुवार, 22 अक्टूबर को बालाघाट जिले के प्रवास के दौरान लालबर्रा विकासखंड की आदर्श ग्राम पंचायत गर्रा में नवनिर्मित ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में तैयार इस ई-लाइब्रेरी को ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया। इस अवसर पर मंत्री ने जिले में 124 करोड़ 6 लाख रुपये की लागत के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया तथा जिला सरपंच संघ के सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यक्रम में सांसद भारती पारधी, लांजी एवं वारासिवनी क्षेत्र के विधायक, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी और जिलेभर से पहुंचे सरपंच मौजूद रहे। सम्मेलन में ग्रामीण विकास, पंचायतों की आर्थिक स्थिति, पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठे। मंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों के विकास के लिए सरकार की ओर से राशि उपलब्ध कराई जा रही है, लेकिन पंचायतों को अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और स्थानीय स्तर पर आय बढ़ाने की दिशा में भी गंभीरता से काम करना होगा। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों के पास विकास कार्यों के लिए राशि की कमी नहीं है। केंद्र सरकार के 16वें वित्त आयोग के माध्यम से राशि सीधे ग्राम पंचायतों तक पहुंच रही है, वहीं प्रदेश सरकार द्वारा भी छठे वित्त आयोग की व्यवस्था शुरू की जा रही है। उन्होंने पंचायतों को अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए नियमानुसार कर वसूली कर आय बढ़ाने की सलाह दी। मंत्री ने कहा कि जब ग्राम पंचायत ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराती है, तो उसे जलकर लेने से पीछे नहीं हटना चाहिए। पंचायतों को नल-जल योजनाओं के संचालन और रखरखाव के लिए भी उपलब्ध राशि का समुचित उपयोग करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी



द्वारा शुरू की गई यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हुई है। आने वाले तीन वर्षों में प्रदेश का कोई भी मजरा-टोला पक्की सड़क से वंचित नहीं रहेगा। सरकार ने आबादी और रहवासी क्षेत्र के नए मापदंड निर्धारित किए हैं, जिनके अनुसार 20 मकान, 100 की आबादी अथवा छह हजार वर्ग मीटर क्षेत्र वाले स्थानों को मजरा-टोला मानकर सड़क सुविधा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने बताया कि 500 की आबादी वाले टोले-मजरों तक सड़क पहुंचाने के लिए भी टेंडर किए जा चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम जनमन योजना में मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्लस सूची में शामिल 27 लाख 50 हजार हितग्राहियों के आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं और छूटे हुए पात्र लोगों को लाभ दिलाने के लिए तीसरे सर्वे की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मंत्री ने ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 2,472 ग्राम पंचायत भवन स्वीकृत किए गए हैं, जिन्हें दिसंबर 2026 तक पूरा कर लोकार्पित करने का लक्ष्य है। इसी तरह 3,700 से अधिक सामुदायिक भवन स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी लागत 25 लाख रुपये से कम नहीं है। पांच हजार से अधिक आबादी वाली पंचायतों को दो सामुदायिक भवन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। जिन पंचायतों में भवन नहीं थे, उन्हें प्राथमिकता से पंचायत भवन स्वीकृत किए गए हैं। प्रदेश में 106 जनपद पंचायत भवनों के साथ चार नए जिलों और दतिया जिले के लिए जिला पंचायत भवन भी स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वीबी-जीरामजी योजना के अंतर्गत कार्यों पर कोई रोक नहीं है और ग्राम पंचायतें मनरेगा की तरह इस योजना के तहत भी कार्य करा सकती हैं। साथ ही उन्होंने ग्रामसभा और पंचायत बैठकों में जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि पंचों और सदस्यों को बैठकों में अनिवार्य रूप से शामिल होना चाहिए। ग्रामीणों की भागीदारी के बिना गांवों के विकास से जुड़े निर्णय प्रभावी नहीं हो सकते। सरकार पंचायत समितियों को अधिक अधिकार देने की दिशा में भी काम कर रही है, ताकि वे स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास संबंधी फैसले ले सकें।

ई-लाइब्रेरी से ग्रामीण बच्चों को मिलेगी पढ़ाई की सुविधा

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत गर्रा के सरपंच वैभव बिसेन ने स्वागत संबोधन देते हुए मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मंत्री अपनी बात स्पष्ट रूप से रखते हैं और जिस काम को संभव मानते हैं, उसी के लिए आश्वासन देते हैं। उन्होंने बताया कि गांव के बच्चों को बेहतर शिक्षा और अध्ययन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत में ई-लाइब्रेरी का निर्माण कराया गया है। उनका प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्र का कोई भी बच्चा केवल संसाधनों की कमी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। बच्चों को गांव में ही अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण और आधुनिक सुविधाएं मिलें, ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में आगे बढ़ सकें। सरपंच ने पंचायत और नगर पालिका में कर व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि आम नागरिक दोनों संस्थाओं से सुविधाओं की अपेक्षा करता है, लेकिन करों में काफी अंतर दिखाई देता है। उन्होंने इस विसंगति की ओर मंत्री का ध्यान आकर्षित किया। इसके साथ ही पंचायतों को हस्तांतरित की जा रही नल-जल योजनाओं की स्थिति पर चिंता जताते हुए बताया कि कुछ स्थानों पर पाइपलाइन उखड़ने और पानी की टंकियों में खामियां होने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। उन्होंने इन व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता बताई, ताकि ग्रामीणों को नियमित और बेहतर पेयजल उपलब्ध हो सके। सम्मेलन में अन्य सरपंचों ने भी अपने क्षेत्रों की समस्याएं और विकास संबंधी अपेक्षाएं रखीं।

दिग्विजय सिंह की सनातन यात्रा पर मंत्री का निशाना

कार्यक्रम के दौरान मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की प्रस्तावित सत्य सनातन यात्रा को लेकर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका सत्य और सनातन से कोई वास्ता नहीं है। मंत्री की इस टिप्पणी से कार्यक्रम का राजनीतिक पक्ष भी चर्चा में आ गया। हालांकि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पंचायतों के विकास, ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना रहा। गर्रा में ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन और करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, सड़क और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण आयोजन के रूप में सामने आया। अब इन घोषणाओं और योजनाओं का वास्तविक लाभ गांवों तक कितनी तेजी से पहुंचता है, यह उनके समयबद्ध क्रियान्वयन और पंचायत स्तर पर प्रभावी निगरानी पर निर्भर करेगा।

बैहर सिविल अस्पताल में अव्यवस्थाओं का आरोप- मरीजों और परिजनों को हो रही परेशानी

दूरस्थ बैगा बहुल गांवों से इलाज के लिए पहुंच रहे मरीज

नए चिकित्सकों की जानकारी के लिए सूचना पटल तक नहीं

पद्मेश न्यूज। बैहर। तहसील का प्रमुख शासकीय सिविल अस्पताल इन दिनों अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में है। दक्षिण बैहर के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में स्थित भंडेरी, गोंदारी, मछूरदा, सोनगुड्डा और सोनटोला जैसेअन्य गांवों से बड़ी संख्या में बैगा समुदाय के लोग अपने बीमार परिजनों और बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंच रहे हैं। इन क्षेत्रों में कुपोषण, मलेरिया, निमोनिया और डायरिया जैसी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को उपचार की आवश्यकता रहती है। ऐसे में अस्पताल की व्यवस्थाओं का सुचारु होना बेहद जरूरी है ग्रामीण क्षेत्रों से शासकीय एम्बुलेंस के माध्यम से मरीजों का अस्पताल पहुंचना जारी है। उपचार से मरीजों को लाभ भी मिल रहा है, लेकिन अस्पताल में व्यवस्थाओं की कमी और जिम्मेदारों की निगरानी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। छोटे बच्चों को सीने से लगाए मातएं अस्पताल में एक स्थान से दूसरे स्थान तक भटकती नजर आती हैं। वहीं, दूरदराज के गांवों से आने वाले कई परिजनों को अस्पताल की व्यवस्था और संबंधित कर्मचारियों से समुचित मार्गदर्शन नहीं मिल पाने की शिकायत है।

कर्मचारियों की कमी से बढ़ रही परेशानी

बताया जाता है कि अस्पताल में कर्मचारियों की कमी के चलते मरीजों की देखरेख और व्यवस्थाओं के संचालन में कठिनाइयां सामने आ रही हैं। दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों से आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें तथा मरीजों एवं उनके परिजनों को उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं।

नए चिकित्सकों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग

अस्पताल में नए चिकित्सकों के सेवा देने की जानकारी भी आम नागरिकों तक स्पष्ट रूप से नहीं पहुंच पा रही है। अस्पताल परिसर में सूचना पटल पर चिकित्सकों के नाम, उनकी विशेषज्ञता, उपलब्धता और मरीजों को दिखाने के स्थान की जानकारी प्रदर्शित होना आवश्यक है। इससे मरीजों को संबंधित चिकित्सक तक पहुंचने में आसानी होगी और अनावश्यक भटकाव से राहत मिलेगी।स्थानीय स्तर पर इस विषय को लेकर चर्चा हो रही है कि शासकीय अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक की जानी चाहिए। स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण सेवा में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता मरीजों और उनके परिजनों के बीच असमंजस पैदा करती है।

स्वास्थ्य विभाग से व्यवस्था सुधारने की अपेक्षा

अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से ध्यान देने की अपेक्षा जताई है। जरूरत है कि अस्पताल में कर्मचारियों की उपलब्धता, मरीजों की देखरेख, चिकित्सकों की सेवाओं और सूचना व्यवस्था की समीक्षा की जाए। साथ ही, दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को बिना परेशानी उचित उपचार और मार्गदर्शन मिल सके, इसके लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।जिला स्वास्थ्य अधिकारी से अपेक्षा है कि वे सिविल अस्पताल बैहर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें ताकि शासन की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जरूरतमंद ग्रामीणों, विशेषकर बैगा समुदाय के परिवारों और बच्चों को समय पर मिल सके। जनहित से जुड़े इस विषय पर अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता जरूरी है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रामकिशोरी अग्रवाल पिता स्व. श्री नंदकिशोर अग्रवाल यह घोषणा करती हूं कि पूर्व में मेरा नाम उमाबाई अग्रवाल था जिसे बदलकर रामकिशोरी अग्रवाल कर लिया गया है।

यह कि मेरे पिताजी स्व. श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने उमाबाई अग्रवाल के नाम UTI MUTUAL FUND में Folio क्रमांक 526176718636 में राशि जमा की थी। वर्तमान में मेरे सभी दस्तावेज आधार कार्ड,पेन कार्ड,बैंक पासबुक आदि सभी में रामकिशोरी अग्रवाल पिता स्व. श्री नंदकिशोर अग्रवाल अंकित है।

अतः भविष्य में मुझे मेरे परिवर्तित नाम रामकिशोरी अग्रवाल पिता स्व. श्री नंदकिशोर अग्रवाल के नाम से जाना व पहचाना जाये।

शपथकर्ता
रामकिशोरी अग्रवाल
पिता स्व. श्री नंदकिशोर अग्रवाल
शंकर तालाब के पास वारासिवनी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार जैराज कमानी पिता श्री तरूण भुपतराय कमानी निवासी 24 राय स्ट्रीट एल.आर. सरानी कोलकाता वेस्ट बंगाल 700020 द्वारा भूमिस्वामी परवेज खान पिता जमील अहमद निवासी वार्ड नंबर 14 उकवा (सोनपुरी) तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट म.प्र. के स्वामित्व एवं कब्जे की भूमिस्वामी हक की भूमि मौजा मोहबट्टा प.ह.नं.-18/26, रा.नि.मं. बैहर तहसील बैहर जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा नं. 24/2 रकबा 1.821 हेक्टेयर लगान 0.65पै. भूमि को कय करने का पक्का सौदा किया है और शीघ्र ही उक्त दर्शित भूमि के विक्रयपत्र का पंजीयन केता/मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में निष्पादित करवा लिया जावेगा। उक्त भूमि के कय विक्रय/पंजीयन के संबंध में हित रखने वाले जिस किसी व्यक्ति को अथवा वित्तीय संस्था या बैंक को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मेरे अधोलिखित पते पर मय मूल दस्तावेज सहित उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है निर्धारित समयावधि के पश्चात की गयी कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नही की जावेगी एवं पक्षकारगण पर बंधनकारी नही रहेगा। सबब सूचना जारी हो।

स्थान-बैहर
दिनांक-22.10.2026
एम जी एल गौतम अधिवक्ता
वार्ड नं0 04 नरसिंगटोला बैहर तह. बैहर
जिला बालाघाट

मौरिया में विशाल रामचरितमानस मंडल जस सम्मेलन आयोजित

पद्मेश न्यूज। लामता। लामता क्षेत्र के ग्राम मौरिया में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में विशाल रामचरितमानस मंडल जस सम्मेलन का आयोजन किया गया। नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर धार्मिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया।कार्यक्रम में भाजपा लामता मंडल प्रभारी एवं जनरल फिजिशियन डॉ वेदप्रकाश लिल्हारे भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं शहडोल जिला प्रभारी अजय सुखदेवे शामिल हुए। उन्होंने आयोजन समिति एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर कार्यक्रम की सराहना की तथा धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।आयोजकों के अनुसार मौरिया में रामचरितमानस मंडल जस सम्मेलन का आयोजन लगातार 26वें वर्ष किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत रात 8



बजे हुई। इसमें पुरुष एवं महिला मंडलों ने रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित जस गायन एवं धार्मिक प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।कार्यक्रम में मोहित राणा, प्रशांत ठाकरे सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे। सम्मेलन में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले पुरुष एवं महिला मंडलों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।आयोजक सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ क्षेत्र की लोक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति पदाधिकारियों और ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

6 माह पहले गूंजी थी शहनाई, अब घर में पसरा मातम

शराब में धुत युवक की संदिग्ध मौत, मां और पत्नी का इकलौता सहारा था अनिल, मानसिक तनाव में 3 दिनों से कर रहा था शराब का सेवन, नवेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कटंगी का मामला, पीएम के बाद सौंपा गया शव,जांच में जुटी पुलिस





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। करीब 6 माह पहले जिस घर में शादी की खुशियां गूंजी थीं, अब उसी घर मे मातम पसरा है। मामला ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगी का है।जहाँ बुधवार शाम 30 वर्षीय अनिल पिता चेतन सोनवाने की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।जिसका गुरुवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। बताया गया कि परिजनों और ग्रामीणों के लिए यह घटना गहरा सदमा है, क्योंकि अनिल परिवार में दो बहनों का इकलौता भाई होने के साथ मां और पत्नी का भी एकमात्र सहारा था।

लगातार शराब का सेवन करने की कही जा रही बात

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल राजमिस्त्री का काम करता था।जिसकी 2 बहनो का विवाह पूर्व में हो चुका है।पिता के स्वर्गवास के बाद परिवार की जिम्मेदारी अनिल के कांधो पर ही थी।अनिल का विवाह करीब 6 माह पहले ही हुआ था। माँ और पत्नी का वहां एकमात्र सहारा था।बताया गया कि अनिल पिछले कुछ दिनों से तनाव में था और करीब 3 दिनों से अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन कर रहा था, जबकि खाना भी नही खा रहा था। अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन करने से ही उसकी मौत हुई होगी ऐसी आशंका जताई जा रही है।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

युवक की मौत को संदेहास्पद मानते हुए ग्रामीण पुलिस ने सूचना मिलने के बाद शव बरामद किया। परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।जहां रात अधिक होने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका।गुरुवार की सुबह अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही अनिल की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मौत की वजह स्पष्ट नहीं- अंकेश

मृतक के पड़ोसी अंकेश मेश्राम ने बताया कि बीते कुछ दिनों से वह लगातार शराब का सेवन कर रहा था। पड़ोसी ने आशंका जताई कि अत्यधिक शराब का सेवन उसकी मौत की वजह हो सकता है। हालांकि, फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं हुई है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

महिला चिकित्सक की लापरवाही से अब कभी माँ नही बन पाएगी ज्योति ?

आपरेशन के बाद नही की बच्चेदानी की सिलाई और कर दिया डिस्चार्ज, संक्रमण फैलने से महिला की जान पर संकट, निकालनी पड़ी बच्चेदानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक ओर शासन प्रशासन द्वारा जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिए जाने का दावा किया जा रहा है।तो वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में, स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं को लेकर आए दिन हंगामे हो रहे हैं। जहां मरीजों के परिजन और चिकित्सक स्टाफ के बीच आए दिन विवाद देखने को मिल रहा है। ट्रामा सेंटर कि आए दिनों मिल रही शिकायतों के बावजूद भी यहां की अव्यवस्थाएं सुधारने का नाम ही नहीं ले रही है।हमेशा से किसी ना किसी बात को लेकर सुर्खियों में रहने वाला जिला अस्पताल का ट्रामा सेंटर, इन दिनों एक गर्भवती महिला के ऑपरेशन में बड़ी लापरवाही किए जाने के आरोपो को लेकर सुर्खियां बटोर रहा है।हरअसल ट्रामा सेंटर में प्रसव के दौरान कथित चिकित्सकीय लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है।जहाँ खैरलांजी तहसील के ग्राम साकड़ी निवासी 26 वर्षीय महिला ज्योति पति योगेंद्र गाडेकर के परिजनों ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपकर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी शेंडे और संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए है।शिकायतकर्ताओ का दावा है कि प्रसव के दौरान ऑपरेशन के बाद उनकी गर्भवती महिला ज्योति गाडेकर की बच्चेदानी की सिलाई नहीं की गई, जिसके चलते घाव खुला रहने और संक्रमण फैलने से महिला की जान पर संकट खड़ा हो गया। महिला की गंभीर हालत को देखते हुए परिजन उसे उपचार के लिए हनुमान चौक स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां दोबारा ऑपरेशन कराना पड़ा।जहां महिला की जान बचाने के लिए चिकित्सको को महिला की बच्चेदानी निकालनी पड़ी।जिससे ज्योति अब कभी माँ नही बन पाएगी। मामले में परिजनों ने जिम्मेदार महिला चिकित्सक और संबंधित कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, ज्योति गाडेकर को 10 अक्टूबर 2026 को प्रसव के लिए जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। प्रसव के दौरान डॉक्टरों ने ऑपरेशन किया, जिसमें बच्ची का जन्म हुआ। 14 अक्टूबर को महिला को डिस्चार्ज कर दिया गया।लेकिन परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद महिला की



बच्चेदानी की सिलाई नहीं की गई और उसे उसी हालत में छोड़ दिया गया। इसके कारण घाव खुला रहने से महिला की स्थिति बिगड़ती चली गई। शिकायतकर्ता का कहना है कि महिला के पेट में मवाद भर गया और पूरे शरीर में संक्रमण फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे बेहतर उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर गए, जहां जान बचाने के लिए बच्चेदानी निकालनी पड़ी।

दूसरे अस्पताल में कराना पड़ा ऑपरेशन

परिजनों के मुताबिक, निजी अस्पताल में महिला की जांच के दौरान संक्रमण की गंभीर स्थिति सामने आई। यहां डॉक्टरों ने बच्चेदानी का ऑपरेशन कर उपचार किया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जिला अस्पताल में बरती गई कथित लापरवाही के कारण महिला की जान जोखिम में पड़ गई।

आपरेशन के नाम पर आशा कार्यकर्ता को 6 हजार रु देने का आरोप

इस मामले में शिकायतकर्ता ने आशा कार्यकर्ता मंजू पति अशोक दांदरे पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। बताया गया कि प्रसव के दौरान ऑपरेशन के लिए 6,000 रुपये की मांग की गई थी। उन्हें यह कहकर राशि मांगी गई कि केस बिगड़ गया है। इसलिए किसी को जानकारी न दें। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस तरह की कथित गतिविधियों के कारण मरीजों की जान जोखिम में डाली जा रही है।

बर्खास्त कर की जाए वैधानिक कार्यवाही

परिजनों ने गुरुवार 21 अक्टूबर को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नाम आवेदन देकर पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने डॉ. रजनी शेंडे का लाइसेंस निरस्त करने, दोषी पाए जाने वाले डॉक्टर एवं संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों को बर्खास्त कर,उनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने और आशा कार्यकर्ता पर लगे आरोपों की जांच कर उसे भी नौकरी से बर्खास्त करने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि सरकारी अस्पताल में प्रसव जैसी संवेदनशील प्रक्रिया के दौरान यदि लापरवाही हुई है, तो इसकी जवाबदेही तय होना जरूरी है।

जांच से खुलेगा लापरवाही का सच

जिला अस्पताल में सामने आए इस मामले ने प्रसूति सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि स्वास्थ्य विभाग शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है, संबंधित डॉक्टर एवं कर्मचारियों का पक्ष क्या है और मेडिकल रिकॉर्ड की जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं। फिलहाल शिकायत में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। लेकिन परिजनों ने जो आरोप लगाए हैं वे काफी गम्भीर है जिनकी निष्पक्ष जांच कर पीड़ितों द्वारा इंसाफ की मांग की जा रही है।

कटंगी पुलिस अनुभाग में तीन हत्याकांड अनसुलझे

अपराधियों तक नहीं पहुंच पाए जांच के हाथ, बिसेन दंपती की दोहरी हत्या से लेकर पोनिया और हीरापुर की वारदात तक नहीं मिला सुराग, पुलिस की जांच पर उठ रहे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी पुलिस अनुभाग के अंतर्गत आने वाले कटंगी और तिरोड़ी थाना क्षेत्रों में हत्या की तीन गंभीर वारदातें अब भी अनसुलझी हैं। कहीं घर में सो रहे दंपती की बेरहमी से हत्या कर दी गई तो कहीं पैरा के ढेर में जली हुई लाश मिली और कहीं मवेशी चराने गई महिला की हत्या कर उसके जेवरात लूट लिए गए। इन तीनों मामलों में अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाने से पुलिस की जांच और अपराधियों तक पहुंचने की क्षमता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वारदातों के खुलासे का इंतजार कर रहे परिजनों और क्षेत्रवासियों के बीच भी ये मामले लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं। सबसे चर्चित मामला कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव-नांदी में हार्डवेयर कारोबारी हेमेंद्र बिसेन और उनकी पत्नी योगिता बिसेन की दोहरी हत्या का है। इस मामले को करीब एक वर्ष बीतने के बाद भी पुलिस हत्यारों तक नहीं पहुंच पाई है। दूसरी ओर तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम पोनिया में अशोक पंन्दे की जली हुई लाश मिलने का मामला भी अनसुलझा है। वहीं ग्राम हीरापुर में किरण तुरकर की हत्या के मामले में भी वारदात के 15 दिन बाद तक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं। लगातार सामने आ रहे इन मामलों ने कटंगी पुलिस अनुभाग की अपराध जांच व्यवस्था को लेकर बहस छेड़ दी है।

घर में सो रहे दंपती की हत्या, एक साल बाद भी खाली हाथ पुलिस

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव-नांदी में 14 और 15 सितंबर 2025 की दरमियानी रात हार्डवेयर कारोबारी हेमेंद्र बिसेन और उनकी पत्नी योगिता बिसेन की घर के भीतर हत्या कर दी गई थी। सोते समय दंपती पर धारदार हथियार से हमला किया गया और सिर पर किसी भारी वस्तु से वार भी किया गया था। इस निर्मम दोहरे हत्याकांड ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था।घटना के बाद उम्मीद थी कि पुलिस जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर वारदात का खुलासा करेगी लेकिन करीब एक वर्ष बीतने के बावजूद मामले की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। आखिर घर के भीतर घुसकर दंपती की हत्या किसने की हत्या के पीछे क्या कारण था और आरोपी अब तक कानून की गिरफ्त से बाहर कैसे हैं?ऐसे सवाल आज भी अनुत्तरित हैं। यह मामला पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

पैरा के ढेर में छिपाया शवःफिर लगा दी आग

तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम पोनिया में 11 फरवरी 2026 को खेत में बने पैरा के ढेर में एक जली हुई लाश मिलने से सनसनी फैल गई थी। मृतक की पहचान ग्राम बोलडोंगरी निवासी 55 वर्षीय अशोक पंन्दे के रूप में हुई थी। मामले में सामने आए तथ्यों के अनुसार हत्या के बाद शव को पैरा के ढेर में छिपाकर आग लगा दी गई थी। वारदात की परिस्थितियां बेहद गंभीर थीं। शव को जलाकर पहचान और साक्ष्य मिटाने की कोशिश किए जाने की आशंका ने मामले को और संवेदनशील बना दिया था। इसके बावजूद घटना के कई महीने बीत जाने पर भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाना पुलिस की जांच के सामने खड़े सवालों को और बढ़ाता है। आखिर अशोक पंन्दे की हत्या किसने और क्यों की इसका जवाब अब तक सामने नहीं आ सका है।

मवेशी चराने गई महिला की हत्या-जेवरात लूटकर आरोपी फरार

तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम हीरापुर में 8 अक्टूबर 2026 को 55 वर्षीय किरण तुरकर की हत्या का मामला सामने आया था। जानकारी के अनुसार किरण दोपहर में मवेशी चराने के लिए खेत गई थीं। शाम तक घर नहीं लौटने पर उनकी तलाश की गई जिसके बाद शाम करीब पांच बजे तालाब के किनारे झाड़ियों में उनका शव मिला। वारदात के दौरान उनके जेवरात भी लूट लिए गए थे।मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 311 के तहत अपराध दर्ज किया है। घटना के 15 दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से ग्रामीणों के बीच चिंता और चर्चा का माहौल है। महिला की हत्या और जेवरात लूटने की इस वारदात का खुलासा करना पुलिस के सामने तत्काल चुनौती बना हुआ है।

तीन वारदातें एक ही सवालःआखिर कब पकड़े जाएंगे हत्यारे

कटंगी पुलिस अनुभाग के अंतर्गत आने वाले इन तीनों मामलों की प्रकृति अलग-अलग है लेकिन एक बात समान है हत्या के आरोपियों तक पुलिस अब तक नहीं पहुंच पाई है। बिसेन दंपती हत्याकांड में करीब एक वर्ष से न्याय का इंतजार है पोनिया में अशोक पंन्दे की हत्या का मामला कई महीनों से अनसुलझा है और हीरापुर में किरण तुरकर की हत्या के आरोपी भी गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं।फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि गंभीर हत्याकांडों के आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी क्यों हो रही है और इन मामलों का खुलासा कब तक हो पाएगा। तीनों घटनाओं में पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और क्षेत्रवासियों का भरोसा बनाए रखने के लिए पुलिस से ठोस कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है। अब निगाहें पुलिस की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

आप आने वाले थे, इसलिए कर दिए चकाचक,नही तो पसरी रहती है गन्दगी ?

रात में बिना बताए आइए, तब पता चलेगी अस्पताल की हकीकत, कलेक्टर के निरीक्षण में महिला ने खोली जिला अस्पताल की अव्यवस्थाओं की पोल





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के सबसे बड़े जिला अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। गुरुवार को अस्पताल के निरीक्षण पर पहुंचे कलेक्टर आदित्य सिंह के सामने शिशु वार्ड में भर्ती बच्चों के परिजनों ने बेबाकी से अव्यवस्थाओं की शिकायतें रखीं। सफाई, शौचालय, भोजन, मच्छरों का प्रकोप, बिस्तरों की चादर और स्टाफ नर्सों के व्यवहार तक पर सवाल उठे। एक महिला ने तो कलेक्टर को सीढ़ियों के पास रोककर समस्याएं गिनानी शुरू कर दी।महिला ने दो टूक कह दिया कि रात में बिना बताए, आइए, तब आपको अस्पताल की असली हकीकत पता चलेगी। महिला की शिकायत थी कि अधिकारियों के आने की जानकारी मिलते ही साफ-सफाई कर दी जाती है, लेकिन उनके जाते ही व्यवस्थाओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। इस पर कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि वे अब अस्पताल आते रहेंगे।

महिला ने बेबाकी से बताई हकीकत, बोली- चिड़चिड़ करती है नर्स

निरीक्षण के दौरान शिशु वार्ड में मरीज के परिजनों से चर्चा करते समय कलेक्टर को ऐसी शिकायतें सुनने मिलीं, जो अस्पताल की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। महिला ने बताया कि वार्डों की खिड़कियों में जाली और कांच नहीं होने से मच्छर अंदर आते हैं। उल्टी करने के लिए बाल्टी तक उपलब्ध नहीं है और वार्डों में गंदगी बनी रहती है। परिजनों के अनुसार, मरीजों को समय पर नाश्ता नहीं मिलता, जिसके कारण उन्हें कैंटीन से भोजन खरीदकर खाना पड़ता है। अस्पताल में मिलने वाली दाल और सब्जी भी पानी जैसी होने की शिकायत की गई।महिला ने साफ शब्दों में कहा कि दिन में निरीक्षण के समय सफाई नजर आ सकती है, लेकिन वास्तविक स्थिति जाननी है तो रात में बिना बताए अस्पताल पहुंचना होगा। उनके मुताबिक, अधिकारियों के जाने के बाद सफाई और अन्य व्यवस्थाओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। महिला ने स्टाफ नर्सों के चिड़चिड़े व्यवहार की शिकायत भी की। वहीं, अन्य मरीजों के परिजनों ने बिस्तरों की चादर नियमित रूप से नहीं बदले जाने की बात कही।

शिकायतें सुन कलेक्टर ने दिए सुधार के निर्देश

मरीजों और उनके परिजनों की समस्याएं सुनने के बाद कलेक्टर ने अस्पताल के शिशु वार्ड सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में ट्रामा सेंटर के सामने बह रहे गंदे पानी की निकासी तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। मरीजों के लिए बेड की आवश्यकता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों से डिमांड भेजने को कहा। शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने और अस्पताल में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए।इसके अलावा अस्पताल में अनुपयोगी और कबाड़ में पड़े सामान के निस्तारण के लिए नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की बात कही गई। वही शिशु वार्ड और जिला पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन एवं पोषण आहार के मेन्यू की जानकारी ली, ताकि बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे आहार की व्यवस्था की समीक्षा की जा सके।

उपमा चखकर परखी नाश्ते की गुणवत्ता

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में मरीजों को नाश्ते में दिए जा रहे उपमा का स्वाद भी चखकर देखा। उन्होंने डे केयर सेंटर, स्टाफ नर्सों और मरीजों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। हालांकि, निरीक्षण में उन्हें कौन-कौन सी कमियां मिलीं और सुधार के लिए आगे क्या कार्रवाई होगी, इस संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया, लेकिन कलेक्टर बिना बातचीत किए रवाना हो गए।निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. शत्रुघ्न दाहिया, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, सीएमओ सूर्य प्रकाश उइके सहित स्वास्थ्य विभाग व नपा का अमला मौजूद रहा।

मरीजों को सुविधाओं का इंतजार, फिर उठे कई सवाल

आपको बताए कि जिला अस्पताल में अव्यवस्थाओं की शिकायतें नई नहीं हैं।समय-समय पर कलेक्टर और अन्य अधिकारी अस्पताल का निरीक्षण करते रहे हैं। नए भवनों और संसाधनों के विस्तार के बावजूद मरीजों के परिजनों को सफाई, भोजन, बिस्तर और कर्मचारियों के व्यवहार जैसी बुनियादी समस्याओं की शिकायत करनी पड़ रही है।सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस बार का निरीक्षण अस्पताल की व्यवस्था में स्थायी बदलाव ला पाएगा? क्या रात में भी सफाई, भोजन और मरीजों की देखभाल की नियमित निगरानी होगी? क्या जिम्मेदार अधिकारी शिकायतों पर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे? कलेक्टर ने अस्पताल आते रहने का भरोसा तो दिया है, लेकिन अब असली परीक्षा निर्देशों के पालन और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार की होगी।

वर्षों से लंबित पटेलों की समस्याओं को लेकर बैठक कल

ग्रामीण पटेल कल्याण संघ ने जिले के सभी ग्रामीण पटेलों से एकजुट होकर पहुंचने की अपील की

फोटो

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित ग्रामीण पटेलों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर ग्रामीण पटेल कल्याण संघ मध्यप्रदेश की ओर से 24 अक्टूबर, शनिवार को बालाघाट में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक सुबह 11 बजे बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में होगी। इसमें जिले के समस्त तहसीलों के ग्रामीण पटेलों सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होकर समस्याओं पर चर्चा करेंगे तथा उनके निराकरण के लिए आगामी रणनीति तैयार करेंगे।ग्रामीण पटेल कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत ने जिले के सभी ग्रामीण पटेलों से बैठक में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण स्थाई पटेल लंबे समय से विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए पटेलों का एकजुट होना और सामूहिक रूप से अपनी आवाज उठाना आवश्यक है।मीडिया को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में बालाघाट जिले के समस्त तहसीलों के ग्रामीण पटेलों एवं विभिन्न संगठनों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण पटेलों की प्रमुख समस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श कर उनके निराकरण के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकें।संघ ने कहा कि ग्रामीण पटेलों की लड़ाई को मजबूती देने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। इसी उद्देश्य से जिले के समस्त ग्रामीण पटेलों से निर्धारित समय पर बस स्टैंड स्थित धर्मशाला पहुंचकर बैठक को सफल एवं सार्थक बनाने की अपील की गई है।

अडोरी रोड की गोलाई में अनियंत्रित हुई मोटरसाइकिल-चालक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम पाथरी के झुरातोला के पास अडोरी रोड पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिरने से चालक घायल हो गया। घायल दौलत सिंह पिता रमेश सिंह तुमरासी 33 वर्ष ग्राम गंजेसर्रा, थाना मलाजखंड निवासी बताये गए है। जिसे बैठली से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दौलत सिंह अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करता है। उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। बताया गया है कि 22 अक्टूबर की सुबह दौलत सिंह किसी काम से मोटरसाइकिल से ग्राम पाथरी आया था। काम पूरा करने के बाद दोपहर करीब 1 बजे वह अपने घर गंजेसर्रा लौट रहा था।इसी दौरान ग्राम पाथरी के झुरातोला के पास अडोरी रोड की गोलाई में उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई।जिससे वह मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़ा और घायल हो गया। दुर्घटना के बाद घायल दौलत सिंह को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बैठली में भर्ती कराया गया। वहां से उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया।



जंगल किनारे मिला नर कंकाल- कपड़ों से हुई लापता व्यक्ति की पहचान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोंडी के पटारी भट्टी जंगल किनारे एक नर कंकाल बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। कंकाल की पहचान ग्राम अगहनतरा निवासी गरबुसिंह मरकाम पिता चमरा सिंह मरकाम 50 वर्ष के रूप में की गई है जो पिछले एक सप्ताह से लापता था। प्रारंभिक तौर पर किसी वन्य प्राणी के हमले में उसकी मौत होने की आशंका जताई जा रही है। गढ़ी पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गरबुसिंह मरकाम मानसिक रूप से अस्वस्थ था और अक्सर घर से निकल जाता था। वह तीन-चार दिन बाद वापस घर लौट आता था। 16 अक्टूबर की शाम उसे पोंडी की ओर देखा गया था। परिजनों को उम्मीद थी कि वह कुछ दिनों में घर लौट आएगा लेकिन वह वापस नहीं आया।इसी बीच 22 अक्टूबर को दोपहर में ग्राम पोंडी के पटारी भट्टी जंगल किनारे एक नर कंकाल दिखाई दिया। मौके पर खोपड़ी और हाथ-पैर की हड्डियां मिलीं। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। गरबुसिंह के भाई खेमसिंह मरकाम ने कपड़ों के आधार पर कंकाल की पहचान अपने भाई के रूप में की।सूचना मिलने पर गढ़ी पुलिस मौके पर पहुंची और खोपड़ी सहित घटनास्थल पर मिली कुछ हड्डियों को जप्त किया। प्रारंभिक आशंका है कि किसी वन्य प्राणी के हमले के कारण गरबुसिंह की मौत हुई होगी। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।गढ़ी पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आस-पास की खबरें

धूमधाम से मनाया गया असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयादशमी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में विश्व हिन्दु परिषद एवं माँ सरस्वती महोत्सव समिति लालबर्रा के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय से भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता सीता की जीवंत झांकी के साथ शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा बस स्टैण्ड का भ्रमण करते हुए शास. उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान पहुंची जहां पूजन अर्चन कर भगवान श्रीराम के द्वारा तीर मारकर अहंकारी रावण के 31 फीट पुतले का दहन किया गया और दशानन धू-धू कर जला। इस शोभायात्रा के दौरान श्रध्दालुओं ने जमकर नृत्य भी किया। साथ ही भगवानों की जीवंत झांकिया आकर्षण का केन्द्र रही। विश्व हिन्दु परिषद एवं माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि विजयादशमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के खेल मैदान में 31 फीट लंका नरेश रावण के पुतले का दहन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि यह त्यौहार असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है इसलिए सभी को अपने अंदर छुपी बुराईयों को दुर कर सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर विश्व हिन्दु परिषद, माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

खमरिया, कोसमी, पांडेवाड़ा में धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खमरिया, कोसमी एवं पांडेवाड़ा में बुराई पर अच्छाई व असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दशहरा चल समारोह पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए दशहरा मैदान पहुंची जहां भगवान श्रीराम बने युवक के द्वारा तीर मारकर अहंकारी रावण के पुतले का दहन किया गया। वहीं रावण दहन को देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं हिंदु धर्म ग्रंथ रामायण में यह उल्लेखित है कि दशहरे के दिन ही राम ने रावण का वध कर तभी से इस दिन बुराइयों के प्रतीक के रूप में रावण के पुतले का दहन कर बुराइयों का अंत कर व्यक्ति अपने मन की बुराइयों का भी नाश करता है। वहीं इस दशहरा चल समारोह में राम, लक्ष्मण व वानर सेना की झांकी आकर्षण का केन्द्र रहा। श्रध्दालुओं ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार दशहरा के दिन नीलकंठ पक्षी के दर्शन करना बहुत शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार दशहरे के दिन अगर किसी को नीलकंठ दिख जाये उस व्यक्ति का घर धन्य, धान्य से भरा रहता है। उस व्यक्ति के सारे कार्य सफल हो जाते है। दशहरे के दिन नीलकंठ पक्षी दिखने का मतलब एक शुभ शुरूआत माना जाता है, यह पक्षी सौभाग्य का प्रतीक हैं।

लालबर्रा में जल्द खुले सिविल न्यायालय, अधिवक्ता संघ ने कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल को सौंपा ज्ञापन





अधिवक्ताओं ने न्यायालय न होने से जनता को हो रही परेशानियों से मंत्री को करवाया अवगत

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

तहसील मुख्यालय लालबर्रा में सिविल न्यायालय (व्यवहार न्यायालय) की स्थापना की वर्षों पुरानी मांग को लेकर अधिवक्ता संघ लालबर्रा के पदाधिकारियों ने गुरूवार को गर्रा में ई-लाइब्रेरी के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे पंचायत मंत्री (केबिनेट मंत्री) प्रहलादसिंह पटेल को एक ज्ञापन सौंपा है। वहीं ज्ञापन के माध्यम से पंचायत से लालबर्रा में जल्द सिविल न्यायालय (व्यवहार न्यायालय) खोलने की मांग की है। वहीं पंचायत मंत्री श्री पटेल ने अधिवक्ताओं को आश्वास्त किया है कि उनकी मांगों को पूरा करवाने का प्रयास किया जायेगा। चर्चा में अधिवक्ता संघ लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के पंचायत मंत्री प्रहलादसिंह पटेल को लालबर्रा तहसील की जनता को हो रही परेशानियों से अवगत करवाया गया है कि लालबर्रा तहसील एक विशाल और महत्वपूर्ण तहसील है। लेकिन यहां सिविल न्यायालय की सुविधा न होने के कारण स्थानीय लोगों को छोटी-छोटी न्यायिक प्रक्रियाओं, प्रकरणों और पेशियों के लिए जिला मुख्यालय बालाघाट, वारासिवनी जाना पड़ता है। इससे पक्षकारों का न केवल कीमती समय खराब होता है, बल्कि उन पर भारी आर्थिक बोझ भी पड़ता है।

सभी शासकीय मापदंडों पर खरा उतरता है लालबर्रा

पदाधिकारियों ने बताया कि लालबर्रा तहसील के अंतर्गत कुल 77 ग्राम पंचायतें और 107 राजस्व ग्राम आते हैं। भौगोलिक क्षेत्रफल, जनसंख्या और प्रकरणों की संख्या के आधार पर लालबर्रा सिविल न्यायालय की स्थापना हेतु निर्धारित सभी शासकीय एवं न्यायिक मापदंडों को पूरी तरह पूर्ण करता है यानि की सभी शासकीय मापदंडों पर लालबर्रा खरा उतरता है। आगे बताया कि लालबर्रा में सिविल न्यायालय की आवश्यकता को देखते हुए पूर्व में जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा विस्तृत सर्वे कार्य भी करवाया जा चुका है। सर्वे रिपोर्ट में भी यहां न्यायालय खोले जाने को सर्वथा उपयुक्त और जनहित में आवश्यक माना गया है। इसलिए पंचायत मंत्री को ज्ञापन सौंपकर जल्द लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोलने की मांग की गई है। वहीं पंचायत मंत्री श्री पटले ने अधिवक्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना है एवं आश्वास्त किया है कि वे इस जनहित की मांग को लेकर विधि एवं न्याय विभाग तथा शासन स्तर पर आवश्यक कार्यवाही करवायेगें। वहीं सभी अधिवक्ताओं ने उम्मीद जताई है कि प्रदेश सरकार जल्द ही लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोलने की स्वीकृति प्रदान करेगी। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ लालबर्रा के सचिव जगदीश बोपचे, उपाध्यक्ष आनंद बिसेन, संदेश इंदुरकर, ग्रंथपाल केवल उके, निलेश मेश्राम और नीतेश श्रीवास उपस्थित रहे।

कुएं में गिरने से राजकुमार की हुई मौत



पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम धरपीवाड़ा में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। जहां कुएं में गिरने से 38 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मौके से शव को बरामद कर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धरपीवाड़ा निवासी 38 वर्षीय राजकुमार जमरे ग्राम स्थित एक इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम में ट्रक चालक के रूप में कार्य करता था। बुधवार की शाम वे अपने दैनिक कार्य से घर लौटे थे। इसके बाद वे घर के पीछे स्थित कुएं की ओर नहाने के लिये गये थे। काफी देर बीत जाने के बाद भी जब राजकुमार घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने जब कुएं की ओर जाकर देखा, तो उनका शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया। यह दृश्य देखकर परिजनों के होश उड़ गये और घर में कोहराम मच गया। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण भी मौके पर एकत्र हो गये और घटना की सूचना तुरंत लालबर्रा पुलिस को दी गई। कुएं में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो जाने की जानकारी लगने पर घटना स्थल में ग्रामीणों की भीड़ लग गई। वहीं घटना की सूचना मिलते ही लालबर्रा पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचें। जिसके बाद पुलिस ने रात में ही ग्रामीणों की मदद से कुएं से शव को बाहर निकाला और आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी की। रात अधिक होने के कारण शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शव गृह में सुरक्षित रखवाया गया। गुरूवार को डॉक्टर की टीम द्वारा पोस्टमार्टम करवाकर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

परिवार का इकलौता सहारा था मृतक

बताया जा रहा है कि मृतक राजकुमार जमरे अपने परिवार के मुखिया थे। उनके परिवार में पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। वे ड्राइविंग कर मिलने वाली आय से ही अपने पूरे परिवार का पालन-पोषण करता था। बुधवार की रात करीब 8 से 9 बजे के बीच नहाते समय पैर फिसलने या अनियंत्रित होने से वे कुएं में गिर गये होंगे और अधिक समय तक पानी में डूबे रहने के कारण उनकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और दुर्घटना के वास्तविक कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है।

योजना का लाभ दिलवाया जायेगा - संजय

दूरभाष पर चर्चा में धरपीवाड़ा सरपंच संजय कटरे ने बताया कि 38 वर्षीय राजकुमार की कुएं में गिरने से मौत होने की जानकारी बुधवार की रात में लगी, जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। यह दु:खद घटना है, जिससे पुरे ग्राम में शोक की लहर व्याप्त है। मृतक इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम में ट्रक चालक के रूप में कार्य करता था, जिसके परिवार में उसकी पत्नि, दो छोटे बच्चें है और वह परिवार का मुखिया था, जिसकी मृत्यु हो जाने से उसके परिवार पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा है। श्री कटरे ने बताया कि मृत व्यक्ति के परिजनों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा।

भक्तिभाव और उल्लास के साथ मनाया जा रहा माँ सरस्वती महोत्सव

लालबर्रा में गूंज रहे विद्या की देवी के जयकारे, आज होगा अंतर्राज्यीय म्यूजिकल ग्रुप डांस





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिले सहित पूरे महाकौशल क्षेत्र में अपनी ख्याति के लिए प्रसिध्द नगर मुख्यालय का ऐतिहासिक माँ सरस्वती महोत्सव इस वर्ष भी पूरी आस्था, हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। गत 15 अक्टूबर को विधि-विधान से वीणा वादिनी माँ सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना के साथ ही 13 दिवसीय इस भव्य महोत्सव का शुभारंभ हो चुका है। साथ ही भक्तिभाव के साथ विद्या की देवी माँ सरस्वती की आराधना की जा रही है। वहीं रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है जिससे पूरा नगर एवं क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर है। 21 अक्टूबर की रात में अखिल भारतीय हास्य व्यंग कवि सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान हास्य व्यंग कवियों के द्वारा एक से बढ़कर एक हास्य, व्यंगों की प्रस्तुतियां दी गई और उपस्थितजनों को गुदगुदाने के लिए मजबूर किया।

आकर्षक लाइटिंग और भव्य मंदिर का स्वरूप बना केंद्र बिंदु

आपकों बता दे कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पूरे प्रांगण को विशेष एवं आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है। इसके साथ ही माँ सरस्वती के प्रतिमा स्थल को एक भव्य मंदिर का रूप दिया गया है, जो दर्शनार्थियों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। देवी के दर्शन के लिए लालबर्रा सहित बालाघाट जिले और आसपास के अन्य जिलों व राज्यों से भी बड़ी संख्या में भक्तजन पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही श्रध्दालुओं की भीड़ भी बढ़ने लगी है। वहीं माँ सरस्वती महोत्सव के दौरान प्रतिदिन प्रात: एवं रात 9 बजे आरती की जाती हैं जिसमें श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। साथ ही रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। जिससे नगर मुख्यालय का वातावरण भक्तिमय हो गया है। चर्चा में माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिदिन प्रात:काल एवं रात 9 बजे माँ सरस्वती की भव्य आरती की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रध्दालु पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। साथ ही आरती और पूजन के साथ-साथ प्रतिदिन विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। आगे बताया कि 23 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय म्यूजिकल ग्रुप डांस प्रतियोगिता, 24 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण समारोह एवं एवग्रीन आर्केस्ट्रा नागपुर की प्रस्तुतियां, 25 अक्टूबर को दोपहर में हवन-पूजन संपन्न होगा। जिसके बाद रात 9 बजे से विशाल देवी जागरण, जिसमें प्रसिध्द गायिका सुचिता भगवाधारी अपने साथी कलाकारों के साथ एक से बढ़कर एक देवी गीतों की प्रस्तुतियां देगी। वहीं 26 अक्टूबर को कुपन ड्रा एवं ए.आर. म्यूजिक बैंड का कार्यक्रम, 27 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे माँ सरस्वती की प्रतिमा विसर्जन के साथ इस 13 दिवसीय भव्य महोत्सव का समापन होगा।

घोटी में दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में शांति शॉ बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता के तत्वधान में स्व. महारू जी तितरमारे की स्मृति में 22 अक्टूबर से दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जिसका समापन 23 अक्टूबर को फाइनल दौड़ के साथ समारोहपूर्वक किया जायेगा। चर्चा में आयोजक समिति उपाध्यक्ष चंद्रकुमार सहारे ने बताया कि ग्राम के स्कूल टोला पट मैदान में 22 अक्टूबर से स्व. महारू जी तितरमारे की स्मृति में दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का शुभारंभ जनपद सदस्य देवेश गौतम के मुख्य आतिथ्य एवं सरपंच तिरथसिंह बिसेन के विशेष आतिथ्य में किया गया। वहीं प्रथम दिन दर्जनों बैलजोड़ी की दौड़ाया गया एवं 23 अक्टूबर को दोपहर 1.30 बजे से फाइनल दौड़ शुरू हो जायेगी। श्री सहारे ने बताया कि आयोजित दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 20 हजार रूपये, द्वितीय पुरस्कार 16 हजार रूपये, तृतीय पुरस्कार 13 हजार रूपये, चौथा पुरस्कार 11 हजार रूपये, पांचवा पुरस्कार 10 हजार रूपये, छटवां पुरस्कार 8 हजार रूपये, सातवां पुरस्कार 7 हजार रूपये, आठवां पुरस्कार 6 हजार रूपये, नौवां-दसवां पुरस्कार 5 हजार रूपये, 11 से 15 नंबर तक 4500 रूपये, 16 से 20 नंबर तक 4000 रूपये, 21 से 25 नंबर तक 3500 रूपये, 26 नंबर से 30 नंबर तक 3000 रूपये एवं फाइनल दौड़ में प्रवेश शुल्क 2000 रूपये निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर जिलेभर के पट बैलजोड़ी मालिकों से बैलजोड़ी लाने एवं क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील समिति अध्यक्ष कपूरचंद माने, उपाध्यक्ष चंद्रकुमार सहारे, सचिव केशव देशमुख, हेमराज तितरमारे, कोषाध्यक्ष बस्ताराम बोरकर, लखन नेवारे, संरक्षक तानसेन देशमुख, मानिकराम चौधरी, चेतन गौतम, चंदनलाल बोपचे, नरेन्द्र सार्वे, लक्ष्मण बोमचेर, संतोष बघेल, सीताराम गजबे, कोमल तितरमारे, नारायण बोपचे, अरूण जोगेकर, उदेलाल लांजेवार, सुदामी बोरकर सहित अन्य सदस्य एवं ग्रामीणजनों की है।



औल्याकन्हार में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी का पर्व

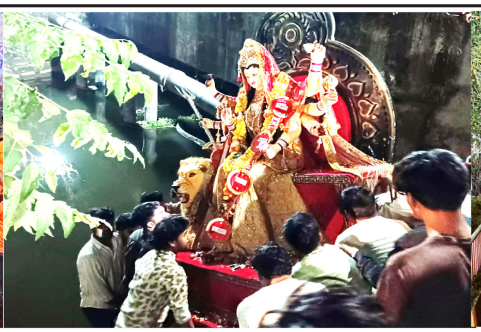
भगवानों की जीवंत झांकियां रही आकर्षण का केन्द्र, श्रीराम के जयकारों से गूंजा गांव

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयादशमी पर्व ग्राम औल्याकन्हार में मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दशहरा आयोजन समिति के पदाधिकारियों, सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन तथा एपीसी चेयरमैन एवं सरपंच प्रतिनिधि ओ.पी. बिसेन ने भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना कर भव्य दशहरा चल समारोह शोभायात्रा का शुभारंभ किया। यह शोभायात्रा ग्राम के शिव मंदिर से प्रारंभ होकर गांधी चौक, हनुमान मंदिर होते हुए पावरहाउस, अहिंसा द्वार का भ्रमण करते हुए दशहरा मैदान पहुंची जहां भगवान श्रीराम बने युवक के द्वारा तीर मारकर रावण के पुतले का दहन कर धूमधाम से विजयादशमी का पर्व मनाया गया। इस दशहरा पर्व पर निकाले गये चल समारोह में भगवान हनुमान एवं माता रानी की आकर्षक जीवंत झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। झांकियों में प्रमुख रूप से श्रीराम कि वेशभूषा में सत्यम बिसेन, भगवान लक्ष्मण में चेतन सिलारे, माता सीता के रूप में नेहा अजीत। वहीं माता दुर्गा में कु. मेहुल धानेश्वर, माता काली में माही यादव, हनुमान कि वेशभूषा में डालेश नागेश्वर तथा महिषासुर में विशेष गुनेश्वर शामिल रहे। वहीं नन्हें-मुन्ने कलाकारों ने गांव के विभिन्न चौक-चौराहों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया।



बुराइयों का त्याग करने की प्रेरणा देता है दशहरा पर्व - प्रेमलता

सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें केवल रावण का पुतला जलाने तक सीमित रहने का संदेश नहीं देता, बल्कि अपने भीतर छिपे अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्य बुराइयों को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। आगे कहा कि हर वर्ष ग्रामवासियों के सहयोग से दशहरा पर्व का आयोजन नई ऊंचाइयों को छू रहा है। सभी के सामूहिक प्रयास और सहभागिता से यह आयोजन निरंतर भव्य एवं आकर्षक बनता जा रहा है। आगामी वर्ष में दशहरा पर्व को और भव्य रूप में मनाया जायेगा।


दुर्गा प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

भक्तों में दिखा खासा उत्साह दूसरे दिन तक चला विसर्जन का दौर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित क्षेत्र में शारदेय नवरात्र पर्व का समापन विजयदशमी के साथ २० अक्टूबर को हो गया। इसके अगले दिन दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन कार्यक्रम सार्वजनिक समितियां के द्वारा प्रारंभ किया गया। जिसमें हर्ष उल्लास के साथ धूमधाम से विसर्जन किया गया। इस नवदिवसीय नवरात्र पर्व का समापन दशहरा पर्व के साथ हुआ है और सार्वजनिक पंडालों में विराजित मॉ जगदम्बे की प्रतिमाएं बुधवार को विसर्जन के लिये भक्तों ने अपनी माता के ऊपर आस्था रखी। सड़कों पर धूमधाम और डीजे की धूम देखने को मिली हर्षोल्लास के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विसर्जन का दौर शाम से प्रारंभ हुआ जो देर रात्रि तक जारी रहा और बड़ी नहर, तालाब व नदियों में प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विसर्जन के पूर्व शांतिपूर्व तरीके से समितियों के द्वारा मॉ जगदम्बे की शोभायात्रा निकाली गई जो नगर का भ्रमण करते हुए नदी नहर तालाब पहुंची । जहां माता.रानी की पूजा अर्चना कर सदा आर्शिवाद बनाये रखने की कामना के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

भक्तो ने क्षमा याचना के साथ माता को दी बिदाई

नगर के हैदराबाद मोहल्ला के महिला मंडल दुर्गाउत्सव समिति, गुरुनानक दुर्गात्सव समिति, गांधी चौक स्थित जय जनजागृति दुर्गात्सव समिति,नव युवक दुर्गोत्सव भाजी मंडी समिति, माँ वैष्णवी दुर्गाउत्सव समिति बस स्टैंड, अनाज गंज दुर्गाउत्सव समिति, जय माँ जगदम्बा दुर्गाउत्सव सहित अन्य समितियों से माता रानी की भव्य रूप में शोभायात्रा निकालकर उन्हे बिदाई दी गई। सभी ने बड़ी नहर पहुंचकर मॉ जगदंबे की आरती कर प्रतिमा विसर्जन किया। इस ९ दिवसीय पर्व में सार्वजनिक पण्डाल के समिति पदाधिकारी एवं भक्तजनों ने माता रानी की भक्तिभाव के साथ आराधना कर नगर, क्षेत्र एवं परिवार में सुख, शांति एवं समृध्दि बनाये रखने एवं पर्व के दौरान जाने अनजाने में कुछ गलतियां हुई हो उसके लिए क्षमा करने की कामना की गई।

नवदुर्गा उत्सव सिविल क्लब का ऐतिहासिक रहा २३ वां वर्ष

नगर में २३ वां वर्ष में नव दुर्गात्सव समिति सिविल क्लब ने डीजे की धुन पर सार्वजनिक पण्डाल में बैठी माता रानी की आकर्षक मनमोहक प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विदित हो कि नवरात्र पर्व के दौरान इस पंडाल में जहां गरबा नृत्य हुआ वही उस गरबा को अति भव्य करने का कार्य किया गया। साथ ही माता रानी का दरबार भी उड़ीसा के भगवान जगन्नाथ मंदिर की थीम पर महल के रूप में कलकत्ता के कलाकारों ने बनाया। जहाँ माँ की आराधना कर दशहरा पर्व के अवसर पर २० अक्टूबर को भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण भक्तजनों को किया गया। जिसके बाद २१ अक्टूबर को माता.रानी की भव्य शोभायात्रा निकालकर नगर भ्रमण करते हुए सीधे बड़ी नहर समिति सदस्य पहुँचे जहां पूरे विधि विधान से विसर्जन किया गया। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी समिति के द्वारा डीजे की धुन पर माता रानी की शोभायात्रा निकाल कर माँ के भक्तजनों के द्वारा जमकर नृत्य व गुलाल उड़ा कर माता रानी की बिदाई दी। इस दौरान भगवान खाटू श्याम ,हनुमान ,साईं बाबा एवं अन्य झाँकियां आकर्षण का केंद्र रही। उक्त संबंध में समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि २१ अक्टूबर को माता रानी की बिदाई की गई है। इस वर्ष नवरात्र पर्व को भव्य बनाने के लिए कार्य किया गया आने वाले वर्ष में और भव्य कार्यक्रम किए जाएंगे। इस वर्ष गरबा कार्यक्रम एवं पंडाल में भव्यता देने का कार्य किया गया । जिसमें कलकत्ता के कारीगरों ने पंडाल का निर्माण किया तो वहीं गरबे में का ढोल के साथ बाहरी कलाकारों ने प्रस्तुति दी। आगामी २५ अक्टूबर को भव्य बॉलीवुड नाइट के साथ लकी ड्रॉ खोला जाएगा। जिसमें हिंदी सिनेमा के फिल्मी गायक विनोद राठौर सहित अन्य कलाकार अपना जलवा बिखेरेंगें। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने की है।

शांतिपूर्ण ढंग से सम्राट नगर के भक्तों ने माँ का किया विसर्जन

नगर के वार्ड नंबर १,२,३ स्थित सम्राट नगर दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा २१ अक्टूबर को मां भगवती की भव्य प्रतिमा का शांतिपूर्ण ढंग से नहर में विसर्जन किया गया। यह नवरात्र पर्व सार्वजनिक पंडाल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां पर मां भगवती के नौ स्वरूप की स्थापना कर नव दिवस तक आराधना करने के उपरांत १९ अक्टूबर को हवन पूजन कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इसके बाद २१ अक्टूबर को मां भगवती की शांति पूर्वक शोभायात्रा निकालकर नगर भ्रमण करते हुए बड़ी नहर में विसर्जन किया गया।इसमें समिति सदस्यों के द्वारा नवरात्र के दौरान हुई हर एक गलती के लिए मां भगवती के सामने कान पड़कर उठक बैठक लगाकर क्षमा याचना की गई।

पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

प्रशासन के द्वारा नगर सहित क्षेत्र के विभिन्न विसर्जन स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती कर नजर बनाकर रखी गई। इस विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नही घाटी और व्यवस्था चाक चौबंद रही। इसके लिये पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाई है और विसर्जन स्थल पर पुलिस बल मुस्तैद रहा। जहाँ नगर पालिका के द्वारा साफ सफाई के साथ प्रकाश व्यवस्था बनाकर रखी गई। इस पूरे समय थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके, एसडीओपी के द्वारा पूरे क्षेत्र में नजर बनाकर रखने के साथ भ्रमण किया जाता रहा।

शिक्षक कर्मचारियों की विभिन्न लंबित समस्याओं और मांगों को लेकर बैठक आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी में बुधवार को परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खैरलांजी विकासखंड के शिक्षक कर्मचारियों की विभिन्न लंबित समस्याओं और मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के



जिला अध्यक्ष सजल मस्की ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुकेश तिवारी के समक्ष शिक्षक.कर्मचारियों की समस्याएं रखते हुए उनके निराकरण की मांग की। बैठक में विकासखंड के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लंबित एरियर का भुगतान, क्रमोन्नति आदेश जारी होने के बाद एरियर राशि का भुगतान तथा सेवानिवृत्त एवं दिवंगत कर्मचारियों के पेंशन, ग्रेच्युटी, जीपीएफ और अर्जित अवकाश से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा के लिए निर्धारित प्रारूप तैयार कर जानकारी संकलित करने की मांग रखी गई। साथ ही अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा कर शीघ्र निराकरण करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा नवीन पेंशन योजना के अंतर्गत आने वाले शिक्षक कर्मचारियों की पासबुक का संधारण कराने तथा विकासखंड में कार्यरत ऑपरेटरों के वेतन का निर्धारित समयावधि में भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। प्रतिनिधियों ने शिक्षक कर्मचारियों से जुड़े लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने की मांग की ताकि संबंधित कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना ना करना पड़े। बैठक में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ बालाघाट के जिला अध्यक्ष पंकज चिले, अनिल माहुले ,प्रांतीय शिक्षक संघ खैरलांजी के ब्लॉक अध्यक्ष सहित आजाद अध्यापक शिक्षक संघ, एनएमओपीएस संघ, संयुक्त मोर्चा, मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ खैरलांजी तथा अन्य मान्यता प्राप्त एवं गैर मान्यता प्राप्त कर्मचारी.शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जय स्तंभ चौक पर ट्रक की टक्कर से ७३ वर्षीय बुजुर्ग की मौत

सुबह टहलने निकले गोपाल बुरड़े को ट्रक ने मारी टक्कर, नागपुर ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के जय स्तंभ चौक पर गुरुवार की सुबह ट्रक की चपेट में आने से ७३ वर्षीय बुजुर्ग गोपाल बुरड़े की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल गोपाल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए नागपुर रिफर किया गया था लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर थाने में खड़ा करवा लिया गया है।

जय स्तंभ चौक पर हुआ दर्दनाक हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक ११ के हैदराबाद मोहल्ला निवासी गोपाल बुरड़े उम्र ७३ वर्ष प्रतिदिन की तरह गुरुवार सुबह करीब ६ बजे घर से टहलने के लिए निकले थे। इसी दौरान वे जय स्तंभ चौक पहुंचे जहां लालबर्रा की ओर जा रहे ट्रक क्रमांक सीजी ०८ एएक्स ५५२९ ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका पैर ट्रक के पहिये की चपेट में आ गया। घटना के बाद घायल गोपाल को तत्काल संजीवनी १०८ एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया लेकिन उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए नागपुर रिफर कर दिया गया। परिजन संजीवनी



१०८ एंबुलेंस से उन्हें नागपुर लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में उनकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव को वापस सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर पहुंचे। सूचना मिलने पर वारासिवनी पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही की। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर थाने में खड़ा करवा लिया है। मामले में मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

नागपुर ले जाते समय रास्ते में पिताजी की मौत हो गई -मनीष बुरड़े

मनीष बुरडे ने पुलिस को बताया को मैं वार्ड नं.९ में रहता हूँ वारासिवनी में कपडे की दुकान चलाता हैं। मेरे पिताजी गोपाल बुरडे पिता गणेश बरडे जाति कोष्टी उम्र ७३ वर्ष वार्ड नं.११ में बडे भाई विनोद बुरडे के साथ रहते है। २२ अक्टूबर की सुबह ७.१५ बजे के बीच मेरे पिताजी गोपाल बुरडे बस स्टेण्ड से जय स्तंभ की ओर पैदल जा रहे थे । तभी जय स्तंभ चौंक की गोलाई में बालाघाट की तरफ से आ रहे ट्रक क्रमांक सीजी ०८ ए एक्स ५५२९ के चालक ने तेज गति लापरवाही पूर्वक खतरनाक तरीके से चलाकर लाया और मेरे पिताजी को सामने से ठोस मार दिया जिससे मेरे पिताजी ट्रक के ड्रायवर साईड के दूसरे चक्के के नीचे में आ गये । जिससे उनके पैर दब गया था जिन्हे १०८ एम्बुलेंस से अस्पताल वारासिवनी से जाकर भर्ती किये थे वहाँ से उन्हें डॉक्टर साहब द्वारा रिफर करने पर नागपुर लेकर जा रहे थे । जो रास्ते में मेरे पिताजी की मौत हो गई जिन्हें वापस सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर आये है।

इनका कहना हैं

थाने में सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर उपस्थित होकर ट्रक को थाने में खड़ा कराया गया।वहीं घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया था जिसमें दुर्घटना भी कायम कर दी गई थी। बाद में सूचना मिली घायल की मौत होने की तो आवश्यक शव पंचनामा कार्यवाही करने के उपरांत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

विनोद कुमरे
प्रधान आरक्षक थाना वारासिवनी

किन्ही में कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अंडर.१६ प्रतियोगिता में १५ टीमों के खिलाड़ियों ने दिखाया कौशल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने उन्हें उचित मंच प्रदान करने तथा युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम किन्ही में अंडर.१६ कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत किन्ही के तत्वावधान में २२ अक्टूबर को आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल १५ टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।यह प्रतियोगिता भारत चौरागड़े, जीतेन्द्र दमाहे ,हेमंत पसीने,पंकज लिल्हारे, जीतेन्द्र बनोटे, दिनेश बनोटे, मुकेश घोड़ेश्वर , हामीद अली सैयद की गरिमामयी उपस्थिति में अनिल कातरे की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया। प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ ही पूरा खेल मैदान दर्शकों के उत्साह और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कम उम्र के युवा खिलाड़ियों ने पूरे जोश, अनुशासन और खेल भावना के साथ मैदान में उतरकर अपनी शारीरिक क्षमता, फुर्ती, संतुलन और बेहतरीन खेल कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता को लेकर ना केवल खिलाड़ियों मे बल्कि संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र और खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए सरपंच श्री उपवंशी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है आवश्यकता केवल उन्हें सही अवसर और मार्गदर्शन देने की है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को हार जीत से परे हटकर खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। इनके अतिरिक्त बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों और खेल



प्रेमियों ने मैदान में पहुँचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता में १५ टीमों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन में रोमांच घोल दिया। मैदान में उतरी बाल टीमों ने कबड्डी के पारंपरिक नियमों के अनुसार रेडिंग, टैकल, बोनस अंक और रणनीति बनाकर अंक बटोरे। खिलाड़ियों के बीच गजब का सामंजस्य और सामूहिक तालमेल देखने को मिला। कबड्डी जैसे पारंपरिक भारतीय खेल में व्यक्तिगत क्षमता के साथ साथ पूरी टीम का तालमेल और रणनीतिक सोच बेहद महत्वपूर्ण होती है। मैदान पर खिलाड़ियों ने विपक्षी टीम की रणनीति को ध्वस्त करते हुए जिस फुर्ती और एकाग्रता का परिचय दिया उसने दर्शकों का दिल जीत लिया। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए केवल एक स्पर्धा नहीं, बल्कि अपने खेल अनुभव को समृद्ध करने का एक बड़ा माध्यम साबित हुई। ग्रामीण अंचलों में संसाधनों और उचित अवसरों के अभाव के कारण कई बार प्रतिभावान खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पाते। ऐसे में ग्राम स्तर पर अंडर.१६ वर्ग में इस तरह का आयोजन करना एक अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय पहल है। आज के दौर में पढ़ाई के साथ साथ शारीरिक विकास और मानसिक दृढ़ता के लिए खेल अति आवश्यक हैं। खेलकूद से ना केवल शारीरिक सक्रियता बनी रहती है, बल्कि त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, धैर्य, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क जैसे मानवीय गुणों का विकास होता है। ग्राम किन्ही का यह आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा में मोड़ने और उनमें छिपी प्रतिभा को राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी ग्रामीणजन व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

धार्मिक एवं सामाजिक त्यौहार हमें एक दूसरे से जोड़ते है-प्रदीप जायसवाल

मेंढ़की में विशाल भंडारा व देवी जागरण संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के पावन अवसर पर क्षेत्र की ग्राम पंचायत मेंढकी के बाजार चौक में सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में विशाल महाप्रसादी भंडारे एवं भव्य देवी जागरण कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। इस भक्तिमय कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुँचे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सर्वप्रथम माँ दुर्गा के दर्शन पूजन कर क्षेत्रवासियों की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। देवी जागरण में महाकौशल क्षेत्र के प्रसिध्द जस सम्राट एवं भजन गायक रुद्रकांत सिंह ठाकुर ने अपनी विशेष प्रस्तुतियाँ दीं। उनके भक्तिमय भजनों और जस गीतों की मधुर धुनों पर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और जमकर थिरके। भक्ति से सराबोर इस आयोजन ने पूरे वातावरण को धर्ममय बना दिया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक त्यौहार हमें एक दूसरे से जोड़ते हैं और समाज में आपसी मेल.मिलाप तथा सौहार्द बढ़ाते हैं। इस समय क्षेत्र का किसान खेती.किसानी के कार्यों से लगभग मुक्त हो चुका है। जल्द ही समितियों के माध्यम से धान खरीदी शुरू होने वाली है अत: किसान अपनी धान सोसायटियों में बेचकर अपने रुके हुए कार्य पूर्ण करें। सरकार किसानों के साथ सदैव खड़ी है। अंत में उन्होंने माता रानी से सभी के जीवन में धन धान्य और सुख.शांति बनाए रखने की प्रार्थना की। इस भव्य आयोजन में जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत, सरपंच सावित्री लक्ष्मी नारायण कुंजाम, नरेन्द्र बिसेन,मेघा



बिसेन, जागवेन्द्र नाथ बिसेन, सचिन बिसेन, मोहेंद्र नगपुरे, उपेन्द्र बिसेन, रूपेन्द्र बिसेन, संदीप चौधरी, दुलीचंद सहारे, दीपेश तुरकर, विवेक बिसेन, शंकर बाकट, नवीन लांजेवार, महेंद्र बिसेन, रामकिशोर बिसेन, मोनू बिसेन, ऋभभ पालेवार, दिव्यांश बिसेन, योगेंद्र पटले, लक्की डहाटे सहित सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के सभी सदस्य व ग्रामीणजन एवं आसपास के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में देवीभक्तों महिलाओं एवं बच्चों की मौजूदगी रही।

दो टूक- आखिर कब थमेगा धार्मिक आयोजनों में मौत का सिलसिला?

धर्म, आस्था और विश्वास के केंद्रों पर इंसान सुकून, शांति और सुख-समृद्धि की कामना लेकर पहुंचता है लेकिन जब वही स्थान चीख-पुकार, दमघोंटू भीड़ और मौत के मंजर में तब्दील हो जाएं तो यह हमारी व्यवस्था की संवेदनहीनता और सुरक्षा संबंधी तैयारियों की विफलता का भयावह प्रमाण है। कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में 17 अक्तूबर की शाम भगदड़ जैसी स्थिति में 19 लोगों की मौत और दो दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया। सप्तमी की शाम मां दुर्गा के दर्शन की लालसा लेकर निकले श्रद्धालुओं को क्या पता था कि घर लौटने के बजाय कई परिवारों को अपने प्रियजनों के शव मिलेंगे? जिस उत्सव में जीवन, शक्ति और विजय का संदेश गूंजना चाहिए था, वहां मातम पसरा था। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर हमारी आस्था के स्थलों पर इंसानी जिंदगी इतनी सस्ती क्यों हो जाती है? चोरबागान की घटना को केवल अचानक उमड़ी भीड़ या दुर्भाग्यपूर्ण हादसा बताकर जिम्मेदारी से बचना आसान है लेकिन ऐसा करना त्रासदी के वास्तविक कारणों से आंखें मूंदना होगा। बारिश के बीच पंडाल में प्रवेश और निकास के रास्तों पर भीड़ का दबाव बढ़ा और अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हुई। घटनास्थल की संकरी गलियों, लोगों की आवाजाही तथा सुरक्षा प्रबंधों को लेकर भी सवाल उठे हैं। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारी का निर्धारण निष्पक्ष जांच से ही होना चाहिए। फिर भी, यदि भारी भीड़ और खराब मौसम के बावजूद आवाजाही को सुरक्षित रखने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी तो यह गंभीर प्रशासनिक और आयोजन संबंधी विफलता का मामला है। जब किसी आयोजन में हजारों लोगों के जुटने की संभावना पहले से मालूम हो, तब संभावित खतरे का अनुमान लगाने के लिए दुर्घटना होने की प्रतीक्षा क्यों की जाती है? भारत में धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक आयोजनों में भगदड़ कोई नई समस्या नहीं है। मंदिरों, तीर्थस्थलों, धार्मिक मेलों, जुलूसों और पर्व-समारोहों में भीड़ का बेकाबू होना बार-बार जानलेवा साबित होता रहा है। वर्ष 2005 में महाराष्ट्र के मांढरदेवी मंदिर में भगदड़ से 300 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। 2011 में केरल के सबरीमाला में भगद? ने 100 से अधिक लोगों की जान ले ली थी। 2013 में मध्य प्रदेश के रतनग? मंदिर में 100 से अधिक लोगों की मौत हुई। 2022 में जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ से 12 श्रद्धालुओं की जान गई। 2024 में हाथरस में धार्मिक सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। 2025 में प्रयागराज महाकुंभ और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी भीड़ से जुड़ी जानलेवा घटनाओं ने सार्वजनिक सुरक्षा की तैयारियों पर गंभीर प्रश्न खड़े किए थे। हालांकि अलग-अलग घटनाओं के कारण और परिस्थितियां भिन्न थी लेकिन इनके बीच एक चिंताजनक समानता रही, भीड़ के दबाव में इंसानी जीवन की असुरक्षा। हर त्रासदी के बाद शोक संदेश जारी होते हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, जांच समितियां गठित की जाती हैं और इसके बाद व्यवस्था फिर पुराने ढर्रे पर लौट जाती है। यही हमारी सबसे बड़ी विफलता है। यदि पिछली दुर्घटनाओं से सबक लेकर प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित किया गया होता तो बार-बार ऐसी मौतों का सामना नहीं करना पडता। जांच का उद्देश्य केवल दोषियों की पहचान करना नहीं, उन खामियों को दूर करना भी होना चाहिए, जिनके कारण एक ही प्रकार की त्रासदियां बार-बार सामने आती हैं। सवाल यह नहीं कि अगला हादसा कहां होगा बल्कि यह है कि उसे रोकने के लिए हमने अब तक क्या किया है? यह समझना जरूरी है कि भगदड़ केवल लोगों के अचानक दौड़ने से नहीं होती।

ट्रेन में रील बनाने वालों सावधान !

वैश्विक स्तरपर डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने की होड़ ने मनोरंजन की दुनियाँ को जितना व्यापक बनाया है,उतना ही गंभीर सवाल सार्वजनिक सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी को लेकर भी खड़ा किया है।कुछ सेकंड की रील,हजारों व्यूज और सोशल मीडिया पर वायरल होने की चाह में अनेक युवा ऐसे वीडियो बनाने की कोशिश करते हैं, जिनमें चलती ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होना, रेलगाड़ी से बाहर झूलना,रेलवे ट्रैक के आसपास खतरनाक गतिविधियां करना अथवा स्टेशन परिसर में जोखिम भरे दृश्य फिल्माना शामिल होता है।दूसरी ओर, रेलगाड़ियों के भीतर मोबाइल फोन के स्पीकर पर तेज आवाज में रील, गाने और वीडियो चलाना भी यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनता है।इन दोनों समस्याओं की प्रकृति अलग है,लेकिन इनके केंद्र में सार्वजनिक सुरक्षा, अनुशासन और दूसरे यात्रियों के अधिकारों का सम्मान करने का सवाल है। भारतीय रेलवे ने अब मोबाइल पर तेज आवाज से होने वाले उपद्रव के विरुद्ध भी सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि 19 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार 19 अक्टूबर 2026- रेलवे का नया अलर्ट क्यों है महत्वपूर्ण?,रेलवे के विभिन्न जोनों ने यात्रियों को मोबाइल फोन पर तेज आवाज में संगीत और वीडियो चलाने से रोकने के लिए जागरूकता तथा प्रवर्तन संबंधी कदम उठाने की तैयारी की है। दक्षिण रेलवे ने 6 अक्टूबर 2026 के एक सर्कुलर के माध्यम से अपने मंडलों को निर्देश दिया कि ट्रेनों और रेलवे परिसर में स्पीकर मोड पर संगीत अथवा वीडियो चलाने तथा जोर-जोर से बातचीत करने से होने वाली परेशानी के प्रति यात्रियों को जागरूक किया जाए। रिपोर्ट में उत्तर रेलवे और पश्चिम रेलवे की ओर से भी ऐसी गतिविधियों पर कार्रवाई करने के प्रयासों का उल्लेख है। स्टेशनों पर सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, सूचना संदेश और संबंधित रेल कर्मचारियों के माध्यम से यात्रियों को नियमों का पालन करने के लिए सचेत करना इस पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि, उपलब्ध रिपोर्ट को पूरे देश में एक ही दिन जारी हुए किसी एक नए रेलवे बोर्ड आदेश का प्रमाण मानने के बजाय संबंधित जोनों की कार्रवाई के संदर्भ में पढ़ना सटीकता से अधिक उचित होगा। साथियों बात अगर हम आधिकारिक गैजेट और सर्कुलर जारी होने की तारीखों को समझने की करें तो इस नई नियमावली का मुख्य आधार जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम, 2026 है। इस अधिनियम को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा 7 अप्रैल, 2026 को मंजूरी दी गई थी और 8 अप्रैल, 2026 को इसे भारत के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित किया गया था। इसके बाद, रेलवे बोर्ड ने 23 जून,2026 को आधिकारिक सर्कुलर (सर्कुलर संख्या/अधिसूचना सं- एसओ.3255 (ई)दिनांक 19.06.2026) जारी किया।इस सर्कुलर के माध्यम से सभी क्षेत्रीय रेलवे कार्यालयों (जैसे उत्तर रेलवे, दक्षिण रेलवे आदि) को नियमों में किए गए संशोधनों को लागू करने के कड़े निर्देश भेजे गए थे।जोनल रेलवे के ताजा सख्त निर्देश- इस मुख्य आदेश के अनुपालन में, विभिन्न रेलवे जोनों (जैसे चेन्नई और दक्षिण रेलवे प्रभागों) ने अक्टूबर 2026 में फिर से विशेष जन- जागरूकता और कड़े दिशा- निर्देश जारी किए हैं ताकि ट्रेन के भीतर मोबाइल स्पीकर पर रील्स चलाकर उपद्रव करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।यह संशोधित नियम पूरे देश में तत्काल प्रभाव से पूरी तरह लागू हैं।रेलवे बोर्ड के जून 2026 के सर्कुलर के बाद से ही चेकिंग स्टाफ (टीटी ई), रेलवे सुरक्षा बल (आरपीए?) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को रेलवे अधिनियम की संशोधित धारा 145 (उपद्रव मचाना) और धारा 147 (अतिक्रमण/स्टंट रील बनाना) के तहत मौके पर ही जुर्माना वसूलने और कानूनी कार्रवाई करने का पूर्ण अधिकार मिल चुका। यह जानकारी मीडिया से उठाई गई है। साथियों बात अगर हम मोबाइल पर तेज आवाज में रील चलाना भी बन सकता है कानूनी परेशानी के कारण को समझने की करें तो, रेल यात्रा के दौरान प्रत्येक यात्री को आराम से सफर करने, पढ़ने, सोने और शांत वातावरण में समय बिताने का अधिकार है। यदि कोई व्यक्ति मोबाइल फोन के स्पीकर पर लगातार तेज आवाज में रील, गाने या वीडियो चलाता है अथवा जोर-जोर से बातचीत करके सहयात्रियों को परेशान करता है, तो परिस्थितियों के अनुसार यह रेलवे अधिनियम के तहत उपद्रव की श्रेणी में आ सकता है। रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 145 उपद्रव, अभद्र व्यवहार तथा यात्रियों की सुविधाजनक यात्रा को प्रभावित करने वाले कुछ कृत्यों से संबंधित है। इसके अंतर्गत कार्रवाई की जा सकती है और संबंधित व्यक्ति को रेलवे परिसर से हटाने की भी व्यवस्था है। भारतीय रेलवे से संबंधित 19 अक्टूबर की मीडिया रिपोर्टों में पहली कार्रवाई के लिए 1,000 रूपए तक के जुर्माने और गंभीर या बार-बार उल्लंघन की स्थिति में अधिक कठोर दंड का सटीकता से उल्लेख किया गया है। साथियों बात अगर हम 1,000 से 5,000 रूपए तक जुर्माना और जेल- किन बातों को समझना जरूरी है? इसको समझने की करें तो,इस खबर का सबसे महत्वपूर्ण पहलू दंड के बारे में सही जानकारी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, रेलवे के हालिया निर्देशों में उपद्रव करने वाले यात्रियों के लिए 1,000 रूपए तक का जुर्माना और कुछ परिस्थितियों में छह महीने तक की कैद का उल्लेख किया गया है।चेतावनी के बाद भी उपद्रव जारी रखने पर 5,000 रूपए तक के जुर्माने की संभावना भी रिपोर्ट की गई है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि मोबाइल पर हर वीडियो देखने वाले यात्री पर स्वत: 5,000 रूपए का जुर्माना लगेगा या उसे निश्चित रूप से जेल भेज दिया जाएगा। कार्रवाई संबंधित कानून, अपराध के तथ्यों, लागू दंड प्रावधानों और सक्षम प्राधिकारी की प्रक्रिया के अनुसार होगी। सामान्य रूप से ईयरफोन लगाकर वीडियो देखना या संगीत सुनना प्रतिबंधित नहीं है, बशर्ते इससे दूसरे यात्रियों को परेशानी न हो और रेलवे के अन्य नियमों का उल्लंघन न किया जाए। इसलिए यात्रियों को भय के बजाय नियमों की सही समझ के साथ जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए। साथियों बात अगर हम जन विश्वास अधिनियम, 2026 और रेलवे अधिनियम की कानूनी पृष्ठभूमि को समझने की करें तो,जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम 2026 को राष्ट्रपति की मंजूरी 7 अप्रैल 2026 को मिली और इसे 8 अप्रैल 2026 को राजपत्र में प्रकाशित किया गया। केंद्र सरकार की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कानून के माध्यम से 79 केंद्रीय अधिनियमों के 784 प्रावधानों में संशोधन किए गए और 717 प्रावधानों को अपराध मुक्त करने की दिशा में कदम उठाया गया। इसका व्यापक उद्देश्य छोटे उल्लंघनों के लिए दंड व्यवस्था को तर्कसंगत बनाना और नियामकीय प्रक्रियाओं को सटिका से अधिक व्यावहारिक बनाना है। साथियों मोबाइल पर तेज आवाज में वीडियो चलाने की समस्या से अलग,चलती ट्रेन से झूलना,दरवाजे पर असुरक्षित ढंग से खड़े होकर वीडियो बनाना या रेलवे ट्रैक पर जोखिम भरी गतिविधियां करना कहीं अधिक गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा करता है। ऐसी हरकत से संबंधित व्यक्ति के साथ-साथ रेल परिचालन और दूसरे लोगों की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। रेलवे अधिनियम की धारा 147 बिना वैध अधिकार रेलवे परिसर में प्रवेश करने, रेलवे संपत्ति का दुरुपयोग करने अथवा वैध निर्देश के बावजूद वहां से हटने से संबंधित है। इस धारा का उपयोग तथ्यों के आधार पर हो सकता है, लेकिन हर प्रकार की रील बनाने को अपने आप धारा 147 के तहत अपराध घोषित करना सही नहीं होगा। इसी तरह, प्रत्येक वीडियो के लिए लिखित अनुमति अनिवार्य होने का व्यापक दावा भी संबंधित स्थान, गतिविधि और लागू रेलवे निर्देशों की पुष्टि के बिना नहीं किया जाना चाहिए।युवाओं को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया पर कुछ क्षणों की लोकप्रियता जीवनभर की सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। किसी भी वायरल वीडियो की नकल करने से पहले यह देखना आवश्यक है कि उसमें दिखाई गई गतिविधि सुरक्षित और वैध है या नहीं। रेलवे ट्रैक,चलती ट्रेन के दरवाजे और रेलगाड़ी की छत मनोरंजन या स्टंट के स्थान नहीं हैं। ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देने के बजाय सुरक्षित और रचनात्मक सामग्री बनाने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना समय की मांग है। साथियों बात अगर हम रेलवे कर्मचारी क्या कर सकते हैं और यात्री शिकायत कैसे करें? इसको समझने की करें तो, रेलवे कर्मचारियों तथा संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि वे लागू नियमों के अनुसार यात्रियों को सचेत करें और उल्लंघन होने पर उचित कार्रवाई करें। टिकट जांच कर्मचारी,रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस अपनी-अपनी वैधानिक शक्तियों तथा अधिकार -क्षेत्र के भीतर काम करते हैं। किसी कर्मचारी को निर्देश देने या कार्रवाई करने का अधिकार होना और प्रत्येक मामले में मौके पर ही मनमाना जुर्माना लगाने का अधिकार होना दो अलग बातें हैं।इसलिए यात्रियों को कार्रवाई की स्थिति में संबंधित नियम और आधिकारिक प्रक्रिया की जानकारी मांगनी चाहिए। साथियों, यदि यात्रा के दौरान कोई व्यक्ति तेज आवाज में मोबाइल चलाकर परेशानी पैदा करता है, अभद्र व्यवहार करता है या रेलवे सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करता है, तो यात्री रेलवेके आधिकारिक शिकायत माध्यमों का उपयोग कर सकते हैं। रेल मदद पोर्टल या ऐप तथा रेलवे हेल्पलाइन 139 के माध्यम से शिकायत की जा सकती है। शिकायत में ट्रेन संख्या, कोच, यात्रा का समय और समस्या का संक्षिप्त विवरण देना उपयोगी रहता है। यदि तत्काल सुरक्षा का खतरा हो, तो रेलवे कर्मचारियों या सुरक्षा कर्मियों को तुरंत सूचित करना चाहिए। यात्रियों को स्वयं किसी उपद्रवी व्यक्ति से भिड़ने अथवा जोखिम उठाकर वीडियो बनाने की आवश्यकता नहीं है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे f? रेलवे केवल परिवहन का साधन नहीं, साझा सार्वजनिक जिम्मेदारी भी हैभारतीय रेलवे में अनुशासन कायम करना केवल सरकार, रेलवे बोर्ड या सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं है। हर यात्री का व्यवहार दूसरे यात्रियों के अनुभव और सुरक्षा को प्रभावित करता है। मोबाइल पर तेज आवाज में रील चलाने से बचना ईयरफोन का इस्तेमाल करना, सार्वजनिक स्थानों पर मर्यादित आवाज में बातचीत करना और खतरनाक स्टंट से पूरी तरह दूर रहना सामान्य नागरिक शिष्टाचार के साथ- साथ सुरक्षित रेल यात्रा की बुनियादी शर्तें हैं। 19 अक्टूबर 2026 की रिपोर्टों से स्पष्ट संदेश मिलता है कि रेलवे सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल से होने वाले उपद्रव को गंभीरता से ले रहा है।साथ ही,खतरनाक रीलबाजी रोकने के लिए जागरूकता, निगरानी और लागू कानूनों के अनुसार कार्रवाई आवश्यक है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

थोड़ी सी सावधानी जीवन को संकटों से बचा लेती है

-कांतिलाल मांडोत

मानव स्वभाव से सौम्य, संवेदनशील और सहयोगी प्राणी है। उसके भीतर प्रेम, करुणा, सहानुभूति और परोपकार की भावनाएं विद्यमान रहती हैं, लेकिन जब वह आवेग, क्रोध और अनियंत्रित इच्छाओं के वशीभूत हो जाता है, तब उसका विवेक कमजोर पड़ने लगता है। क्षणिक आवेश में लिया गया निर्णय कभी-कभी उसके पूरे जीवन को संकट में डाल देता है। इसलिए जीवन में थोड़ी-सी सावधानी, विचारों पर नियंत्रण और आत्मजागृति का बहुत बड़ा महत्व है। मनुष्य यदि समय रहते अपने मन की चंचलता को पहचान ले और गलत दिशा में बढ़ते कदमों को रोक दे, तो अनेक अनर्थों से बच सकता है। जीवन की वास्तविक सफलता केवल उपलब्धियां प्राप्त करने में नहीं, बल्कि अपने व्यवहार और विचारों को संतुलित रखने में भी निहित है। मनुष्य का स्वभाव स्थायी रूप से बुरा नहीं होता। परिस्थितियां, मानसिक तनाव, क्रोध, लोभ और आवेग कभी-कभी उसे ऐसे कार्य करने के लिए प्रेरित कर देते हैं, जिनका पश्चाताप उसे बाद में होता है। आवेग एक ऐसा प्रवाह है, जो व्यक्ति की विचारशक्ति को अपने साथ बहा ले जाता है। उस समय सही और गलत के बीच अंतर करना कठिन हो जाता है। व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए विवेक खो बैठता है और ऐसा कदम उठा लेता है, जिसकी कीमत उसे लंबे समय तक चुकानी पड़ती है। इसलिए जब मन में क्रोध या प्रतिशोध की भावना प्रबल हो, तब तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय कुछ समय रुकना चाहिए। शांत मन से परिस्थितियों पर विचार करने से निर्णय की दिशा बदल सकती है। आत्मसंयम की शुरुआत इसी छोटे से प्रयास से होती है। भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण संदेश है कि पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। इस विचार का अर्थ है कि किसी व्यक्ति की एक गलती को ही उसकी संपूर्ण पहचान नहीं बना देना चाहिए। गलत कार्य का विरोध आवश्यक है, लेकिन गलती करने वाले व्यक्ति के सुधार की संभावना को समाप्त कर देना उचित नहीं है। प्रेम, सद्भाव और सद्व्यवहार के माध्यम से अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। समाज का दायित्व केवल अपराध करने वाले व्यक्ति की निंदा करना नहीं, बल्कि उसे सही मार्ग पर लौटने की प्रेरणा देना भी है। हालांकि अपराध के लिए कानून के अनुसार उत्तरदायित्व और दंड आवश्यक हैं, फिर भी सुधार और पुनर्वास के अवसर समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय बनाते हैं। किसी भटके हुए व्यक्ति को सद्मार्ग पर लौटने में सहायता देना भी सामाजिक कल्याण का महत्वपूर्ण कार्य है। जीवन में संकटों का एक बड़ा कारण अतिलालसा है। मनुष्य की आवश्यकताएं सीमित हो सकती हैं, लेकिन इच्छाओं का विस्तार असीमित होता है। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। यदि व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना नहीं सीखता, तो वह जीवनभर असंतोष की स्थिति में बना रहता है। अधिक पाने की लालसा कभी-कभी उसकी बुद्धि को विकृत कर देती है और वह अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनुचित साधनों का सहारा लेने लगता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को न तो वास्तविक सफलता मिलती है और न ही मानसिक शांति। उलटे, उसका सामान्य जीवन भी तनाव, संघर्ष और निराशा से घिर जाता है। इसलिए आवश्यक है कि व्यक्ति अपनी जरूरतों और इच्छाओं के बीच अंतर को समझे तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार जीवन की दिशा निर्धारित करे। आवश्यकता का संबंध जीवन की उपयोगिता से है, जबकि लालसा का संबंध अधिकाधिक प्राप्त करने की प्रवृत्ति से है। भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन प्रत्येक व्यक्ति की बुनियादी जरूरतें हैं। इनकी पूर्ति के लिए प्रयास करना उचित है, लेकिन दूसरों से आगे निकलने, अपनी संपन्नता का प्रदर्शन करने और समाज में झूठी प्रतिष्ठा स्थापित करने के लिए अनावश्यक खर्च करना समझदारी नहीं है। आधुनिक उपभोक्तावादी प्रवृत्ति ने इस समस्या को और बढ़ाया है। महंगी वस्तुओं, दिखावे और बाहरी आडंबर को सफलता का प्रतीक मानने की प्रवृत्ति व्यक्ति को वास्तविक आवश्यकताओं से दूर कर सकती है। धन का महत्व तभी है, जब उसका उपयोग जीवन को बेहतर बनाने, परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने और समाज के हित में किया जाए। केवल प्रदर्शन के लिए धन खर्च करना न तो स्थायी सम्मान दिलाता है और न ही आत्मसंतोष।

समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जो अपनी उपलब्धियों का उपयोग जनकल्याण के लिए करें। संपन्नता तभी सार्थक बनती है, जब उसके साथ संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी जुड़े हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक सुधार जैसे कार्यों में योगदान देकर व्यक्ति अपने धन और सामर्थ्य को उपयोगी बना सकता है। इसके विपरीत, अहंकार और प्रदर्शन की भावना व्यक्ति को समाज की वास्तविक समस्याओं से दूर कर देती है। सामान्य नागरिकों को भी दूसरों की जीवनशैली देखकर अपनी आवश्यकताओं का अनावश्यक विस्तार नहीं करना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, परिस्थितियां और जिम्मेदारियां अलग-अलग होती हैं। इसलिए विवेकपूर्ण खर्च, संतोष और उपयोगिता को प्राथमिकता देना ही समझदारी है। सफल जीवन के लिए धैर्य भी उतना ही आवश्यक है जितना विवेक। आज अनेक लोग चाहते हैं कि उनके प्रयासों का परिणाम तुरंत सामने आ जाए। वे शीघ्र सफलता, तत्काल प्रतिष्ठा और कम समय में अधिक उपलब्धियां प्राप्त करना चाहते हैं। लेकिन प्रत्येक कार्य की अपनी प्रक्रिया होती है। बीज बोने के बाद फल प्राप्त करने के लिए समय देना पड़ता है। इसी प्रकार शिक्षा, व्यवसाय, सामाजिक कार्य और व्यक्तिगत विकास में भी निरंतर प्रयास, अनुशासन और धैर्य की आवश्यकता होती है। यदि व्यक्ति अधीर होकर बीच में ही प्रयास छोड़ देता है, तो उसकी मेहनत का अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता। सफलता केवल इच्छा करने से नहीं, बल्कि सही दिशा में लगातार काम करने से प्राप्त होती है। असफलता मिलने पर निराश होकर बैठ जाना जीवन की एक बड़ी कमजोरी है। असफलता को अंत मानने के बजाय उसे अपनी कमियों को पहचानने का अवसर समझना चाहिए। यदि किसी प्रयास में सफलता नहीं मिली, तो यह देखना आवश्यक है कि कमी योजना में थी, साधनों में थी, कार्यपद्धति में थी या अपने प्रयासों में। कमियों की पहचान करके उन्हें दूर किया जाए और नए उत्साह के साथ आगे बढ़ा जाए, तो परिस्थितियां बदल सकती हैं। धैर्यवान व्यक्ति कठिनाइयों से घबराता नहीं, बल्कि उनसे सीखकर अपनी क्षमता विकसित करता है। इसके विपरीत निराशा और अधीरता व्यक्ति के आत्मविश्वास को कमजोर कर देती हैं। इसलिए कठिन समय में भी आशा बनाए रखना और विवेक के साथ प्रयास जारी रखना आवश्यक है। मनुष्य को अपनी इच्छाओं और स्वार्थ की भी एक सीमा निर्धारित करनी चाहिए। असीमित अपेक्षाएं मानसिक अशांति को जन्म देती हैं। जब व्यक्ति हर परिस्थिति को अपनी इच्छा के अनुसार बदलना चाहता है, तब छोटी-छोटी बाधाएं भी उसे परेशान करने लगती हैं। इसके विपरीत संतोष का अर्थ प्रयास छोड़ देना नहीं, बल्कि अपनी उपलब्धियों का सम्मान करते हुए बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयत्न करना है। जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए आत्मचिंतन, संयम और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक हैं।

मतभेद अनेक फिर भी भारत एक, यही है राष्ट्रीय एकता

भारत केवल एक भौगोलिक सीमा में बसा देश नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच विकसित हुई एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है, जिसने हजारों वर्षों से अनेक विचारों, आस्थाओं, भाषाओं, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों को अपने भीतर स्थान दिया है। हमारी असली शक्ति इस विविधता को मिटाने में नहीं, बल्कि उसका सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का विजयादशमी पर दिया जाने वाला वार्षिक उद्बोधन इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचारणीय एवं राष्ट्रीय एकता का महा-उद्घोष है। उनके संदेश में देश की एकता, सामाजिक सद्भाव, नागरिक अनुशासन और भारत के सामने उपस्थित चुनौतियों के प्रति सजग रहने का आह्वान है। यह संदेश किसी एक संगठन, विचारधारा अथवा राजनीतिक पक्ष तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे राष्ट्रीय जीवन के आत्ममंथन का अवसर बनाना चाहिए। आज भारत जिस वैश्विक परिवेश में आगे ब? रहा है, उसमें उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार अनेक संभावनाएं पैदा कर रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक उपलब्धियों, सैन्य सामर्थ्य अथवा वैश्विक प्रतिष्ठा से नहीं मापी जाती। उसकी सबसे बड़ी शक्ति होती है-उसके नागरिकों का परस्पर विश्वास, संस्थाओं के प्रति सम्मान और संकट के समय एकजुट होकर खड़े होने की क्षमता। यदि सामाजिक ताने-बाने में अविश्वास गहरा जाए, संवाद की जगह कटुता ले ले और राजनीतिक अथवा वैचारिक मतभेद शत्रुता में बदल जाएं, तो बाहरी चुनौतियों से अधिक गंभीर संकट भीतर पैदा होने लगता है।

भारत के पड़ोस में पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से चली आ रही सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाएं हमारी सतर्कता की मांग करती हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका सहित विभिन्न शक्तियों के साथ भारत के संबंधों में सहयोग और प्रतिस्पर्धा, दोनों के आयाम मौजूद हैं। इसलिए किसी भी देश की नीतियों का आकलन भावनाओं के बजाय तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और कूटनीतिक विवेक के आधार पर किया जाना चाहिए। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक विदेशी शक्ति भारत को कमजोर करने के उद्देश्य से ही काम कर रही है, लेकिन यह समझना भी आवश्यक है कि वैश्विक राजनीति में हर देश अपने हितों को प्राथमिकता देता है। ऐसे समय में भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के हाथों में नहीं, बल्कि देश के भीतर नागरिकों के बीच कायम विश्वास में भी निहित है। कोई भी बाहरी शक्ति तभी हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठा सकती है, जब हम स्वयं अपने मतभेदों को इतना गहरा कर लें कि एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, शत्रु समझने लगें। इसलिए राष्ट्रीय एकता केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। देश की सीमाओं की रक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है उन सीमाओं के भीतर रहने वाले लोगों के दिलों के बीच विश्वास की दीवारों को मजबूत करना।

बांग्लादेश और फ्रांस में अलग-अलग परिस्थितियों में हुए आंदोलनों तथा सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी देश में असंतोष को अनदेखा करना और असंतोष को हिंसा में बदलने देना-दोनों ही स्थितियां नुकसानदेह हो सकती हैं। जनता की वास्तविक समस्याओं को सुनना लोकतंत्र की जिम्मेदारी है, जबकि विरोध के नाम पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और समाज में घृणा फैलाना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारत जैसे विशाल और बहुलतावादी लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, सामाजिक न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर नागरिकों को प्रश्न उठाने और शांतिपूर्ण विरोध करने का पूरा अधिकार है। सरकारों का दायित्व है कि वे इन आवाजों को गंभीरता से सुनें और समाधान की दिशा में काम करें। वहीं नागरिकों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे जनभावनाओं का उपयोग समाज को बांटने के बजाय सकारात्मक परिवर्तन के लिए करें। लोकतंत्र में असहमति देशविरोध नहीं होती और सत्ता से प्रश्न करना राष्ट्र के प्रति अविश्वास का प्रमाण नहीं है। राष्ट्रहित की वास्तविक कसौटी यह है कि हम अपनी असहमति के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखें।

आज राष्ट्रीय एकता के सामने एक नई चुनौती डिजिटल माध्यमों के अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना उपयोग से उत्पन्न हो रही है। सोशल मीडिया ने सामान्य नागरिक को अपनी बात कहने का मंच दिया है, लेकिन इसी माध्यम से झूठी खबरें, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री और आधे-अधूरे तथ्यों को भी तेजी से फैलाया जा सकता है। ऐसी सामग्री लोगों के मन में भय, आक्रोश और अविश्वास पैदा करके सामाजिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा समुदाय के बारे में एकतरफा सामग्री फैलाकर पूरे समाज को संदेह की दृष्टि से देखने के लिए उकसाया जाता है। एक झूठा संदेश वर्षों से बने आपसी विश्वास को क्षणभर में चोट पहुंचा सकता है। इसलिए आज डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ नैतिक विवेक की भी आवश्यकता है। किसी संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता जांचना, उत्तेजक सामग्री से बचना और असत्य फैलाने वालों का विरोध करना भी राष्ट्रसेवा का आधुनिक स्वरूप है। तकनीक तभी वरदान बन सकती है, जब उसके साथ जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना जुड़ी हो।

भारत की एकता का अर्थ यह नहीं कि सभी नागरिक एक जैसा सोचें, एक जैसी पूजा-पद्धति अपनाएं अथवा सभी राजनीतिक प्रश्नों पर एकमत हों। एकता का वास्तविक अर्थ है कि अलग-अलग विचारों के बावजूद हम एक-दूसरे के सम्मान, अधिकारों और अस्तित्व को स्वीकार करें। संविधान ने हमें समान नागरिकता, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय की जो भावना दी है, वही हमारे राष्ट्रीय सहअस्तित्व की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी छोटी-छोटी पहचानों को राष्ट्रीय पहचान के विरोध में ख?ा न करें। धर्म हमें नैतिकता सिखाए, राजनीति जनकल्याण का माध्यम बने, शिक्षा विवेक पैदा करे और सामाजिक संगठन सेवा तथा समरसता को ब?ावा दें। कोई भी विचारधारा तभी राष्ट्र के लिए उपयोगी है, जब वह समाज को बेहतर बनाने, कमजोरों को सहारा देने और नागरिकों में जिम्मेदारी का भाव जगाने में योगदान करे।

राष्ट्रीय एकता की छतरी इतनी विशाल होनी चाहिए कि उसमें हर धर्म, हर भाषा, हर क्षेत्र, हर जाति और हर वैचारिक पृष्ठभूमि का भारतीय सम्मानपूर्वक ख?ा हो सके। यहां किसी की देशभक्ति का निर्णय केवल उसकी धार्मिक पहचान, राजनीतिक पसंद या वैचारिक असहमति से नहीं होना चाहिए। देश के प्रति प्रतिबद्धता का मूल्यांकन उसके आचरण, संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान और समाज के लिए किए गए योगदान से होना चाहिए। मोहन भागवत के उद्बोधन का एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जिम्मेदारी का विचार भी है। राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों, नेताओं, सेनाओं या सामाजिक संगठनों का काम नहीं है। प्रत्येक नागरिक अपनी भूमिका से देश की दिशा प्रभावित करता है। ईमानदारी से काम करना, कानून का पालन करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, महिलाओं का सम्मान करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और सामाजिक तनाव के समय संयम बरतना- ये सभी राष्ट्रसेवा के व्यावहारिक रूप हैं। साथ ही राष्ट्रीय एकता के नाम पर अन्याय, भेदभाव अथवा नागरिकों की वास्तविक समस्याओं की अनदेखी भी नहीं होनी चाहिए। एक मजबूत राष्ट्र वह है, जहां नागरिक निर्भय होकर अपनी बात कह सकें, संस्थाएं निष्पक्षता से काम करें और हर व्यक्ति को न्याय मिलने की उम्मीद हो।

आज भारत को ऐसी राष्ट्रीय चेतना की आवश्यकता है, जो हमें एक-दूसरे के विरुद्ध नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथ खड़ा होना सिखाए। मतभेद रहें, पर मनभेद न बढ़ें, विचार अलग हों, पर राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी साझा रहे। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा हो, पर सामाजिक संबंधों में शत्रुता न आए। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी बाहरी चुनौती अथवा आंतरिक तनाव के सामने भारत की एकता, संविधान की गरिमा और मानवता का सम्मान कमजोर नहीं पड़ने देंगे। भारत की सबसे बड़ी विजय तब होगी, जब अनेक विचारों के बीच एक साझा विश्वास जीवित रहेगा। हम अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हमारा भविष्य एक है, हमारी धरती एक है और हमारा राष्ट्र भारत है। मोहन भागवत का यही विजयादशमी का व्यापक संदेश है और यही समय की सबसे बड़ी पुकार है।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर उठाव के बीच गुरुवार को दलहनों में चना, तुअर व मूंग में बाजार नरमी के रहे। खाद्य तेलों व तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में शक्कर सुस्त पड़ी। गोले व सूखे मेवों में सुर्खी आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में ऊपरी स्तरों पर बिकवाली आने के बाद भावों में नरमी का दौर बना हुआ है। चना घटकर 7350-7400 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। तुअर व मूंग में नरमी आयी। खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। सोयाबीन में मामूली लटक बनी। किराना जिंसों में शक्कर में बाजार सुस्त बने रहे। खोपरा गोला मजबूत नज़र आया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5325-5450, खोपरा गोला 340-420, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिश्पेरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1820-1840, मुम्बई 1820, राजकोट तेलिया 2830, सोया साल्वेंट 1375-1380, सोया रिफाइंड 1440-1450, कपास्या 1505, धूलिया 1510, कड़ी 1510,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1775-1800, मुम्बई पाम 1440, मुम्बई सोया 1470,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9200, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 6800-7000, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7350-7400, विशाल 7200-7300, काबुली चना डॉलर 7200-8500, काबुली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9100-9200, एवरेज 8900-9000, हल्की 8500-8600, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रु. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरुवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य से कमजोर ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 205500, चाँदी (99) 204200, टंच 204800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 146400,

जीएसटी रिटर्न फॉर्म में प्रस्तावित बदलाव पर मंत्रालय मांगेगा कारोबारियों से राय

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्रालय मासिक जीएसटी रिटर्न फॉर्म में प्रस्तावित बदलावों पर 1 नवंबर से कारोबारियों से राय मांगेगा। इसका उद्देश्य कर प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, विसंगतियों को कम करना और अनुपालन बोझ को आसान बनाना है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एक अ?धिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में देनदारियों और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) में संशोधन के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था को मंजूरी मिली थी। इन बदलावों का लक्ष्य जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1ए और आईएफएफ में दी गई जानकारी का जीएसटीआर-3बी से बेहतर मिलान कर नोटिस जारी करने की जरूरत घटाना है। संशोधित फॉर्म एमआईजीओवी मंच पर 1 से 30 नवंबर तक सार्वजनिक परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगे। इन्हें 1 अप्रैल, 2027 से लागू करने की योजना है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया। बाजार में चौतरफा कमजोरी देखी गई, जिसका मुख्य कारण वैश्विक कमजोर संकेत, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और घरेलू बॉन्ड यील्ड में उछाल रहा।



इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 460.30 अंक टूटकर 73,249.39 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 123.70 अंक नीचे आकर 22,687.65 पर बंद हुआ। आज सबसे ज्यादा नुकसान छोटे शेयरों वाले सेक्टर पर पड़ा। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट रही। गत दिवस जहां बाजार पूंजीकर 4,62,37,678.67 करोड़ था। जो आज घटकर ?4,58,35,517.82 करोड़ रह गया। जिससे निवेशकों को एक ही दिन के अंदर ?4,02,160.85 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। आज एफएमसीजी से लेकर आईटी और ऑटो सेक्टर में भी गिरावट रही। केवल पीएसयू बैंक और फार्मा सेक्टर के शेयर ही टिक पाये। चौतरफा बिकवाली के इस दौरा में कुछ ही शेयरों में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स पर कुल 30 शेयर लिस्टेड हैं, जिनमें से आज 19 शेयर गिरे पर केवल 11 शेयरों में बढ़त रही। सबसे अधिक तेजी आज बजाज फाइनेंस में देखने को मिली।, जो 939.95 रुपये पर बंद हुआ. इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट भी बढ़त के साथ 10,975.00 रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 1,394.80 रुपये पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ शुरु हुआ। सुबह बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट के साथ खुले और दिन भर बिकवाली का दबाव जारी रहा, जिससे सेंसेक्स 73,100 और निफ्टी 22,600 के महत्वपूर्ण स्तरों से नीचे फिसल गए।

त्योहारी सीजन का कमाल, ऑनलाइन खुदरा बाजार इस साल 90 अरब डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय ऑनलाइन खुदरा बाजार इस साल 90 अरब डॉलर यानी करीब 8 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर सकता है, जो पांच सालों में सबसे तेज वृद्धि दर को दर्शा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक त्योहारी सीजन के आगमन के साथ ही ऑनलाइन शॉपिंग में जबरदस्त उछाल देखा गया, जो पारंपरिक बाजारों की तुलना में उपभोक्ताओं की बढ़ती डिजिटल प्राथमिकता को उजागर करता है। बाजार में सालाना 22-24 फीसदी की तेज ग्रोथ दिख रही है। रिपोर्ट बताती है कि 2026 की पहली छमाही में ई-कॉमर्स सकल वस्तु मूल्य में सालाना आधार पर करीब 25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो 38 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह पिछले चार सालों में सबसे मजबूत छमाही प्रदर्शन है। इस वृद्धि का मुख्य कारण मोबाइल फोन की बजाय किराना जैसे रोजमर्रा के जरूरी उत्पादों और फैशन की बढ़ती मांग है। अनुमान है कि फैशन के बाद किराना खंड भारतीय ई-कॉमर्स में मोबाइल फोन को पीछे छोड़कर दूसरा सबसे बड़ा वर्ग बन जाएगा। 2026 में किराना सौंदर्य व व्यक्तिगत देखभाल और होम डेकोर व फर्नीचर कुल ऑनलाइन खुदरा जीएमवी का करीब 40 फीसदी हिस्सा होंगे। त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स ने मजबूत शुरुआत की है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक फ्लिपकार्ट के बिग बिलियन डेज सेल के पहले दिन दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। इस सेल में छोटे शहरों के खरीदार और पहली बार ऑनलाइन खरीदारी करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। फ्लिपकार्ट पर नए ग्राहक 34 फीसदी बढ़े, जबकि गैर-महानगरों की हिस्सेदारी इसकी कुल मांग में करीब 60 फीसदी रही। फैशन खंड में मिंत्रा ने अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी है, जिसके मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता सितंबर में 8 फीसदी बढ़कर करीब 9.3 करोड़ हो गए। नायका फैशन के उपयोगकर्ता 24 फीसदी बढ़कर करीब 1.7 करोड़ हो गए, जबकि सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल खंड में नायका करीब 2 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ प्रमुख मंच बना हुआ है।

आरबीआई-रीपो रेट में कटौती नहीं, महंगाई बढ़ने पर बढ़ सकती हैं दरें

नई **दिल्ली। एजेंसी।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट कर दिया है कि निकट भविष्य में रीपो रेट में कटौती की कोई संभावना नहीं है। इसके बजाय, यदि महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो ब्याज दरें और भी बढ़ाई जा सकती हैं। हाल ही में जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अक्टूबर 2026 की बैठक के ब्योरे से यह जानकारी सामने आई है, जिसमें समिति के सदस्यों ने बढ़ती महंगाई को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। एमपीसी सदस्यों ने विशेष रूप से चिंता व्यक्त की है कि महंगाई अब केवल खाने-पीने की चीजों और ईंधन तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका प्रभाव अन्य वस्तुओं और सेवाओं तक भी फैल रहा है। आरबीआई का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) के बीच खुदरा महंगाई बढ़कर 6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो केंद्रीय बैंक की ऊपरी सहनशीलता सीमा है। देश में खुदरा महंगाई जुलाई के 4.5 फीसदी से बढ़कर अगस्त में 4.8 फीसदी हो गई थी, और कोर महंगाई भी 4.2 फीसदी तक पहुंच गई है। समिति ने इस बात पर भी गौर किया कि थोक स्तर पर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली चीजों की कीमतें लगभग 9 फीसदी बढ़ रही हैं, जिससे कंपनियां लागत का बोझ ग्राहकों पर डाल रही हैं। अक्टूबर की बैठक में, एमपीसी के सभी छह सदस्यों ने रीपो रेट को 0.25 फीस दी बढ़ाकर 5.50 फीसदी करने के पक्ष में मतदान किया था। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि मौद्रिक नीति का रुख बदलने का उद्देश्य यह साफ संदेश देना है कि निकट भविष्य में रीपो रेट में कटौती नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अब केवल दो ही विकल्प हैं- या तो ब्याज दरें बढ़ाई जाएं या उन्हें मौजूदा स्तर पर बनाए रखा जाए। ब्याज दरों में कितनी बढ़ोतरी होगी और सख्ती कब तक जारी रहेगी, यह पूरी तरह से महंगाई की स्थिति पर निर्भर करेगा।



मेष- आज किस्मत आपके लिए कामयाबी के नए दरवाजे खोलने को तैयार नजर आ रही है! आपकी मेहनत, सूझबूझ और काम करने का अंदाज लोगों के बीच आपकी अलग पहचान बना सकता है। आर्थिक मामलों में कोई बड़ा फैसला लेने का विचार मन में आएगा, जो भविष्य में लाभ की नींव रख सकता है।

वृषभ- आज जिम्मेदारियों को निभाते-निभाते आप सफलता की एक नई कहानी लिख सकते हैं! परिवार के साथ बिताया गया समय मन को सुकून देगा और लंबे समय से बनी किसी चिंता से राहत मिलने के संकेत हैं। आपका मूड खुशनुमा रहेगा और छोटी-छोटी खुशियां भी दिन को खास बना देंगी। किसी परेशानी का समाधान धीरे-धीरे सामने आ सकता है, जिससे मन का बोझ हल्का होगा।

मिथुन- आज बड़ों का आशीर्वाद आपके आत्मविश्वास को नई ताकत दे सकता है और सही फैसले लेने में आपकी मदद कर सकता है! परिवार के अनुभवी लोगों की सलाह किसी उलझन को सुलझाने का रास्ता दिखा सकती है। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी करने के बजाय हर पहलू पर विचार करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। संतान से जुड़ी जिम्मेदारियों को निभाते समय उनके विचारों और भावनाओं को भी समझें, क्योंकि जरूरत से ज्यादा दबाव रिश्तों में दूरी पैदा कर सकता है।

कर्क- आज आपके लिए सफलता का मंत्र है, कमाई और खर्च के बीच सही संतुलन बनाए रखना! आर्थिक मामलों में समझदारी से काम लेंगे, तो अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ भविष्य के लिए भी बेहतर योजना बना पाएंगे। लंबे समय से रुका हुआ कोई काम गति पकड़ सकता है और आपका कोई पुराना सपना पूरा होने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इससे मन में नई उमंग जागेगी। जीवनसाथी के साथ बिताए गए पल रिश्तों में प्यार और नजदीकियां बढ़ाएंगे।

सिंह- आज आपको यह साबित करने का मौका मिल सकता है कि मुश्किल परिस्थितियों में भी आपका आत्मविश्वास डगमगाता नहीं है! कुछ लोग आपके काम में रुकावटें पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप हर रास्ता निकाल लेंगे। दूसरों की चालों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय अपनी मंजिल पर नजर रखें। संपत्ति या निवेश से जुड़ी कोई सकारात्मक खबर मिलने की संभावना है, जिससे भविष्य को लेकर उत्साह बढ़ सकता है।

कन्या- आज मेहनत का पहिया तेजी से घूम सकता है और आपकी लगन आपको सफलता के करीब ले जा सकती है! कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ने से व्यस्तता रहेगी, लेकिन अपनी योजना के अनुसार काम करेंगे, तो अच्छे परिणाम हासिल कर सकते हैं। प्रेम जीवन के लिए भी दिन खुशनुमा हो सकता है।

तुला- आज आपके सामने कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं, बशर्ते आप बेवजह के विवादों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें! आपकी सूझबूझ आपको सही अवसर पहचानने और उनका लाभ उठाने में मदद कर सकती है। परिवार में लंबे समय से चली आ रही किसी गलतफहमी का अंत हो सकता है, जिससे रिश्तों में फिर से अपनापन लौटेगा।

वृश्चिक- आज आर्थिक मामलों में राहत और तरक्की के संकेत आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं! पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत महसूस हो सकती है। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा या आध्यात्मिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है। इससे अपनों के साथ समय बिताने का मौका और मन को शांति देने का अवसर मिलेगा। परिवार के बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अनुभवों से सीख लेने में संकोच न करें, क्योंकि उनकी सलाह किसी महत्वपूर्ण मामले में आपके काम आ सकती है।

धनु- आज कुछ परिस्थितियां आपकी परीक्षा ले सकती हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप उनके बीच भी अपना रास्ता खोज लेंगे! कामकाज से जुड़े किसी फैसले को लेकर मन में असमंजस रह सकता है। ऐसे में जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय जरूरी जानकारी जुटाएं और हर विकल्प पर विचार करें।

मकर- आज आपके लिए तरक्की के अवसर दस्तक दे सकते हैं और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की उम्मीद बढ़ सकती है! साझेदारी में किए गए काम बेहतर नतीजे दे सकते हैं, जबकि नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों और लगन वरिष्ठ लोगों की ईमानदारी का विश्वास जीत सकती है। आपके काम करने के तरीके की सराहना होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कुंभ- आज अपनी सेहत को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि सफलता का आनंद तभी है जब आप स्वस्थ और ऊर्जावान महसूस करें! कामकाज में जल्दबाजी करने से बचें। कोई छोटी-सी चूक भी आपके काम को प्रभावित कर सकती है, इसलिए हर जिम्मेदारी को ध्यान से पूरा करें।

मीन- आज पैसों के मामले में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी आपको बड़ी परेशानी से बचा सकती है! किसी बड़े निवेश या जोखिम भरे फैसले को फिलहाल टालना बेहतर हो सकता है, खासकर तब जब उसके सभी पहलुओं की जानकारी आपके पास न हो। शेयर बाजार या अन्य निवेश से जुड़े मामलों में अनुभवी विशेषज्ञ की सलाह लेकर ही आगे बढ़ें।

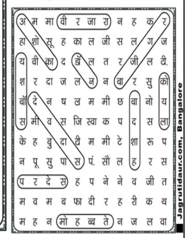
शब्दजाल - 8428

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	उ	न	र	क
गो	ड	म	द	र	वा	जी	म	इ	अ	ल
आ	प	दे	पू	ह	जी	व	रा	का	व	दि
ए	ची	तं	श	ट	ज	प	व	पा	ता	र
क	त	ई	ग	में	व	खें	जा	भा	र	इ
आ	मे	म	दे	दे	व	ता	न	ई	न	ति
द	जं	न्स	मे	प	क	ता	या	ज्वा	है	हा
मी	म	क	ए	सं	र	प	र	ला	म	स
ले	बो	र्न	य	त	चि	व	री	मु	न	क्स
त	ह	म	पां	च	बा	त्र	रि	खी	म	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	श	त	स

शब्दजाल में शबाना आजमी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

उमराव जान, गोडमदर, पतंग, इतिहास, एक आदमी, हम पांच, ज्वालामुखी, अवतार, देवता, परवरिश

शब्दजाल - 8427 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	07.55 ब.से
धनु	10.11 बजे से
मकर	12.16 बजे से
कुंभ	14.03 बजे से
मीन	15.35 बजे से
मेष	17.06 बजे से
वृष	18.46 बजे से
मिथुन	20.44 बजे से
कर्क	22.58 बजे से
सिंह	01.14 बजे से
कन्या	03.26 बजे से
तुला	05.36 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 296 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 14.36 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 21.03 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 22.09 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.36 बजे तदनन्तर कौलव 02.13 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 12.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 20'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872871
जूलियन दिन 2461336.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 11
विशेष प्रदोष व्रत।

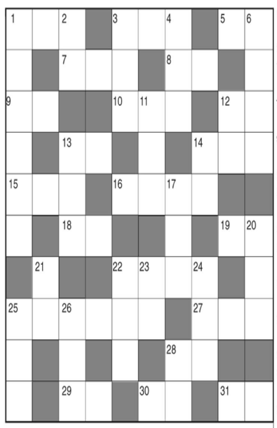
दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा और धर्म

एक बार गांधीजी सर्वधर्म सम्मेलन में भाग लेने काशी आए। वहां कई विद्वान और संत भी आए हुए थे। उन सबने गांधीजी की चर्चा सुन रखी थी और उनसे मिलने को बेहद उत्सुक थे। वे उनसे अनौपचारिक बातचीत में उनके निजी जीवन के कई पहलुओं को जानना चाहते थे। सम्मेलन खत्म होने के बाद एक संत ने गांधीजी से पूछा, 'आप कौन सा धर्म मानते हैं और भारत के भावी धर्म का क्या स्वरूप होगा?' गांधीजी ने कहा, 'सेवा करना ही मेरा धर्म है और मेरा मानना है कि आप लोगों को भी इस धर्म को अपनाना चाहिए।' संत ने फिर पूछा, 'मगर सेवा तो सभी करते हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि पूजा - पाठ, धर्म - कर्म सब मिथ्या है।' इसको छोड़ देना चाहिए।' गांधी जी ने कहा, 'मेरा मतलब यह नहीं कि पूजा पाठ छोड़ दिए जाएं। मन की शांति के लिए यह सब करना भी जरूरी है। पर यदि मेरे लिए लेटे - लेटे चरखा चलाना संभव हो और मुझे लगे कि इससे ईश्वर पर मेरा चित्त एकाग्र होने में मदद मिलेगी तो मैं जरूर माला छोड़ कर चरखा चलाने लगूंगा। चरखा चलाने की शक्ति मुझमें हो और मुझे यह चुनाव करना हो कि माला फेरूं या चरखा चलाऊं, तो जब तक देश में गरीबी और भुखमरी है, तब तक मेरा निर्णय निश्चित रूप से चरखे के पक्ष में होगा और उसी को मैं अपनी माला बना लूंगा। चरखा, माला और राम नाम सब मेरे लिए एक ही हैं। वे सब एक ही उद्देश्य पूरा करते हैं। वह है मानव की सुरक्षा करना, अपनी रक्षा करना। मैं सेवा का पालन किए बिना अहिंसा का पालन नहीं कर सकता और अहिंसा धर्म का पालन किए बिना मैं सत्य को प्राप्त नहीं कर सकता। और आप तो मानते होंगे कि सत्य के सिवा दूसरा कोई धर्म भी नहीं है। 'सभी संतों ने गांधी जी के विचारों से सहमति जताई और उसी रास्ते पर चलने का संकल्प किया।

फिल्म वर्ग पहेली - 7362



बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरुख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7361



Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल- 7671

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7670 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 8886



बाएँ से दाएँ

1.आकाश,व्योम-2
2.नाजुक,मुलायम-3
4.हार,पराजय-2
6.संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7.जोर,बल-2
9.सोना,धतूरा-3
12.नाप-जोख करना-3
14.सिक्कों की आवाज-3
16.रहस्यज्ञाता-4
17.तालाब,ताल,तलैया-4
18.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
20.गिरवी वस्तु-3
22.सैनिक कार्रवाई-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.बर्तन-2
27.सुर,क्रम-2
28.वाचन करने वाला-3
29.पितामह-2

ऊपर से नीचे

1.लवण-3
2.भीगा हुआ-2
3.खुमार,नशा-2
5.सर्दी में हाथ सेंकना-3
6.भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8.इंकार,मनाही-2
10.मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11.आम जनता-2
13.लालन-पालन-5
14.इमाम दस्ता -3
15.वचन,प्रतिज्ञा-3
19.रुखसार,कपोल-2
20.पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21.नाखून-2
22.सखा,दोस्त-2
23.निजात,छुटकारा-3
25.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26.पवित्र-2

शब्द पहेली -8885 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

मातला गांव में डेढ़ वर्षीय बच्चे की मौत, तीन बीमार बच्चे लांजी अस्पताल में भर्ती

संक्रमण की आशंका के बीच स्वास्थ्य विभाग सतर्क, मौत के कारणों की जांच जारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। आदिवासी अंचलों में बच्चों के बीमार होने और संक्रमण की आशंका के बीच एक और मासूम की मौत ने चिंता बढ़ा दी है। बैहर क्षेत्र के मछुरदा अंतर्गत मातला गांव के डेढ़ वर्षीय बिसरू परते की बुधवार को मौत हो गई। बच्चे की मौत किन कारणों से हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है और स्वास्थ्य विभाग इसकी वास्तविक वजह का पता लगाने में जुटा है। दूसरी ओर, मातला गांव के ही तीन बीमार बच्चों को उपचार के लिए लांजी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग प्रभावित बच्चों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में जुटा है और अब तक 300 से अधिक बच्चों को उपचार के बाद छुट्टी दी जा चुकी है, लेकिन आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, समय पर उपचार और सावधानी बरतने की आवश्यकता भी सामने आ रही है। ऐसे में जरूरी है कि स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों के साथ ग्रामीण परिवार भी बच्चों की बीमारी को गंभीरता से लें और लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी किए चिकित्सकीय सलाह लें। वहीं, शासन-प्रशासन को भी इन क्षेत्रों में जागरूकता अभियान तेज कर लोगों को संक्रमण से बचाव के उपायों की जानकारी देनी चाहिए।



उपचार के बाद बिगड़ी तबीयत, मौत के कारणों की जांच

जानकारी के अनुसार, मातला निवासी जोहर परते के एक वर्ष चार माह के बेटे बिसरू के शरीर पर दाने निकलने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। परिजन उसे उपचार के लिए पड़ोसी खैरागढ़ जिले के अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां से लौटने के बाद बच्चे की तबीयत फिर बिगड़ गई और बुधवार को उसकी मौत हो गई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मौत की वजह गांव में फैली किसी संक्रमणजनित बीमारी से जुड़ी है या सामान्य बुखार अथवा किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या के कारण ऐसा हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न दाहिया के अनुसार, बच्चे की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। खैरागढ़ के अस्पताल में उपचार के दौरान बच्चे के नमूने लिए गए होंगे, जिनकी जांच रिपोर्ट के आधार पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। रिपोर्ट और चिकित्सकीय तथ्यों के सामने आने के बाद ही मौत के कारणों के संबंध में निष्कर्ष निकाला जा सकेगा।

स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों के साथ ग्रामीणों की जागरूकता भी जरूरी

आदिवासी अंचलों में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर मौजूदा स्थिति कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत बताती है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीमार बच्चों को अस्पताल पहुंचाने, उपचार उपलब्ध कराने और गंभीर मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में बीमारी के शुरुआती लक्षणों को पहचानने, समय पर चिकित्सकीय सहायता लेने और उपचार के बाद बच्चों की स्थिति पर नजर रखने को लेकर जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। कई बार शरीर पर दाने निकलना, बुखार आना, कमजोरी, खाना-पीना कम कर देना या बच्चे का असामान्य रूप से सुस्त रहना गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। ऐसे लक्षणों को सामान्य मानकर घरेलू उपचार तक सीमित रहना या अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद दोबारा तबीयत बिगड़ने पर देर करना जोखिम बढ़ा सकता है। इसलिए अभिभावकों को बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। चिकित्सक द्वारा बताई गई दवाओं, जांच और फॉलोअप संबंधी निर्देशों का पालन करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। शासन-प्रशासन को चाहिए कि आदिवासी गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों के माध्यम से नियमित जनसंपर्क किया जाए। ग्रामीणों को स्थानीय भाषा में बीमारी के लक्षणों, संक्रमण से बचाव, स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल और समय पर उपचार के महत्व की जानकारी दी जाए। साथ ही, बीमार बच्चों के घर लौटने के बाद उनकी स्थिति की निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि दोबारा तबीयत बिगड़ने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके। स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से ही बीमारी के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

इनका कहना है

संक्रमण संबंधी बीमारियों से प्रभावित अब तक 300 से अधिक बच्चों को लांजी सिविल अस्पताल में भर्ती कर उपचार दिया गया है। गंभीर स्थिति वाले बच्चों को आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया, जबकि उपचार के बाद स्वस्थ हुए बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दी गई है। वर्तमान में लांजी अस्पताल में छः बच्चे उपचाररत हैं। बुधवार को मातला गांव से जीवन धुर्वे पिता बीरबल, उम्र एक वर्ष, किशन धुर्वे पिता सोमेलाल, उम्र तीन वर्ष, तथा लासु धुर्वे पिता सोमेलाल, उम्र छह वर्ष, को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। वहीं, बालाघाट जिला अस्पताल में भी नौ बच्चों का उपचार जारी है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बच्चों को उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, लेकिन बीमारी के कारणों की पहचान, संक्रमण की रोकथाम और ग्रामीण परिवारों तक समय पर सही जानकारी पहुंचाना भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए स्वास्थ्य अमले के साथ पंचायतों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को मिलकर काम करना होगा।

डॉ. अक्षय उपराड़े
बीएमओ
सिविल अस्पताल, लांजी

लांजी की बेटी अल्का चंद्रवंशी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में बनीं कनिष्ठ न्यायिक सहायक

पद्मेश न्यूज। लांजी। सफलता जब संघर्ष की जमीन पर मेहनत के पसीने से लिखी जाती है, तो वह केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं रहती, बल्कि पूरे परिवार के त्याग, माता-पिता के सपनों और गुरु के मार्गदर्शन की कहानी बन जाती है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में कनिष्ठ न्यायिक सहायक के पद पर चयनित हुई बालाघाट जिले की चार बेटियों की सफलता भी कुछ ऐसी ही प्रेरक कहानी है। इनमें लांजी के वार्ड क्रमांक 11 स्थित गढ़वाल मोहल्ला निवासी अल्का चंद्रवंशी ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर परिवार के साथ लांजी का नाम रोशन किया है। एक ओर टेलरिंग का काम कर परिवार की जिम्मेदारियां निभाने वाले पिता धरमचंद चंद्रवंशी ने अपनी बेटी के भविष्य को संवारने के लिए दिन-रात मेहनत की, तो दूसरी ओर अल्का ने पढ़ाई को अपना लक्ष्य बनाकर निरंतर परिश्रम किया। आखिरकार माता-पिता के संघर्ष और बेटी की मेहनत ने सफलता का ऐसा परिणाम दिया, जिसने परिवार के सपनों को नई उड़ान दे दी। इस सफलता की कहानी में लालबर्रा निवासी शिक्षक डामेंद्र धनेश्वर का मार्गदर्शन भी अहम कड़ी है, जिनसे अध्ययन प्राप्त कर तीन बेटियों ने चयन हासिल किया है। यह उपलब्धि बताती है कि संसाधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन हौसले, सही मार्गदर्शन और मेहनत की ताकत किसी भी परिस्थिति को अवसर में बदल सकती है।



125 पदों की भर्ती में बालाघाट की चार बेटियों का चयन

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में कनिष्ठ न्यायिक सहायक के 125 पदों के लिए हुई भर्ती प्रक्रिया में सामान्य वर्ग की 46 सीटें थीं। इसी वर्ग से आवेदन करने वाली अल्का चंद्रवंशी ने चयन सूची में 25वां स्थान हासिल किया। इस भर्ती की खास बात यह रही कि मध्यप्रदेश से चयनित हुए चारों अभ्यर्थी बालाघाट जिले की बेटियां हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, चयन सूची में गर्रा निवासी रेशमा बनवाने ने प्रथम स्थान, बैहर की साबी धनेश्वर ने तीसरा स्थान, बालाघाट निवासी रीना मदनकर ने सातवां स्थान और लांजी की अल्का चंद्रवंशी ने 25वां स्थान प्राप्त किया। जिले की इन बेटियों की उपलब्धि ने बालाघाट को गौरवान्वित किया है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर उन्होंने साबित किया है कि छोटे शहरों और कस्बों से निकलकर भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया जा सकता है।

पिता की मेहनत, बेटी के सपने और सफलता का सफर

अल्का चंद्रवंशी की सफलता के पीछे उनके माता-पिता का संघर्ष और बेटी को आगे बढ़ाने का अटूट संकल्प रहा है। अल्का के पिता धरमचंद चंद्रवंशी टेलरिंग का काम करते हैं। सिलाई के काम से परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए उन्होंने बेटी की शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए लगातार प्रयास किए। सीमित संसाधनों के बीच बच्चों को पढ़ाना, उनकी जरूरतें पूरी करना और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा देखने का सपना संजोना किसी भी माता-पिता के लिए बड़ी तपस्या से कम नहीं होता। अल्का की उपलब्धि उसी तपस्या का सुखद परिणाम है। माता उमा चंद्रवंशी और पिता धरमचंद चंद्रवंशी के लिए बेटी का इस मुकाम तक पहुंचना केवल सरकारी नौकरी हासिल करने की खुशी नहीं, बल्कि वर्षों के परिश्रम, त्याग और उम्मीदों के साकार होने का क्षण है। जिस बेटी की शिक्षा के लिए परिवार ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार हर संभव प्रयास किया, आज उसी बेटी ने अपनी उपलब्धि से माता-पिता का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। अल्का का चयन उन तमाम परिवारों के लिए भी उम्मीद की किरण है, जो कठिन आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद अपने बच्चों को पढ़ाकर उनका भविष्य संवारने का सपना देखते हैं।

शिक्षक डामेंद्र धनेश्वर के मार्गदर्शन में निखरी प्रतिभा

इस सफलता की कहानी में लालबर्रा निवासी शिक्षक डामेंद्र धनेश्वर का योगदान भी उल्लेखनीय है। रेशमा बनवाली, साबी धनेश्वर और अल्का चंद्रवंशी ने इस परीक्षा की तैयारी के लिए डामेंद्र धनेश्वर से अध्ययन प्राप्त किया। इन तीनों बेटियों का चयन और उनकी बेहतर रैंकिंग शिक्षक के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों की मेहनत तथा तैयारी की दिशा के महत्व को रेखांकित करती है। डामेंद्र धनेश्वर के मार्गदर्शन में अब तक 300 से अधिक विद्यार्थी शासकीय सेवा में चयनित होकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ये विद्यार्थी मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में विभिन्न शासकीय पदों पर कार्य कर रहे हैं। किसी शिक्षक के लिए इससे बड़ी उपलब्धि क्या होगी कि उसके मार्गदर्शन में पढ़ने वाले विद्यार्थी अपने पैरों पर खड़े हों, अपने परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को मजबूत बनाएं तथा समाज में नई पहचान स्थापित करें। विद्यार्थियों की सफलता शिक्षक की मेहनत को सार्थक करती है, वहीं उनके परिवारों के लिए भी नई संभावनाओं के द्वार खोलती है।

संघर्ष से सफलता तक का सफर बनी प्रेरणा

बालाघाट की इन चार बेटियों की सफलता को केवल चयन सूची में प्राप्त रैंक तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। इसके पीछे माता-पिता का त्याग, विद्यार्थियों का अनुशासन, वर्षों की तैयारी और शिक्षक का मार्गदर्शन जुड़ा हुआ है। खासकर अल्का चंद्रवंशी की उपलब्धि यह संदेश देती है कि किसी परिवार की आर्थिक परिस्थितियां उसके बच्चों के सपनों की सीमा तय नहीं करतीं। यदि परिवार शिक्षा को प्राथमिकता दे, विद्यार्थी लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन मिले, तो सफलता की राह बनाई जा सकती है। इन बेटियों ने अपने परिवारों के संघर्ष को सम्मान में और अपनी मेहनत को उपलब्धि में बदलकर यह साबित किया है कि शिक्षा की लौ जब निरंतर जलती है, तो कठिन परिस्थितियों में पले सपने भी एक दिन सफलता के कुंदन बनकर चमक उठते हैं। लांजी की अल्का चंद्रवंशी सहित बालाघाट जिले की चारों बेटियों की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सिंगोला में सिंचाई के पानी का संकट, 15 दिन से नहर में पर्याप्त पानी नहीं मिलने से किसान चिंतित

दो दिन में पानी नहीं मिला तो 24 अक्टूबर को लांजी-आमगांव मार्ग पर चक्काजाम की चेतावनी, सिंचाई विभाग के अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। खेतों में लहलहाती धान की फसल को देखकर जिस किसान के चेहरे पर मेहनत सफल होने की उम्मीद झलक रही थी, आज उसी किसान के माथे पर चिंता की लकीरें गहराने लगी हैं। खरीफ सीजन में कीट-व्याधियों और दूसरी चुनौतियों से जूझते हुए किसानों ने किसी तरह अपनी धान की फसल को इस मुकाम तक पहुंचाया, लेकिन अब अंतिम समय में सिंचाई के पानी की कमी उनकी महीनों की मेहनत पर पानी फेरने की आशंका पैदा कर रही है। ग्राम सिंगोला के किसानों का आरोप है कि पिछले 15 दिनों से नहर में पर्याप्त पानी नहीं छोड़े जाने के कारण उनकी धान की फसल को जरूरी सिंचाई नहीं मिल पा रही है। किसानों के लिए धान महज एक फसल नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, लागत और परिवार की सालभर की आर्थिक उम्मीदों का पीला सोना है। जब फसल पकने की ओर बढ़ रही हो और उसे अंतिम दौर में एक पानी की जरूरत हो, तब सिंचाई के अभाव में उसका सूखने की कगार पर पहुंचना किसानों के लिए किसी बड़े संकट से कम नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब विभागीय स्तर पर सिंचाई व्यवस्था और खेतों तक पानी पहुंचाने के दावे किए जाते हैं, तो फिर सिंगोला के किसानों को अपनी फसल बचाने के लिए अधिकारियों के दरवाजे पर शिकायत लेकर क्यों पहुंचना पड़ रहा है?



15 दिन से नहर में पर्याप्त पानी नहीं, फसल बचाने की चिंता

ग्राम सिंगोला, तहसील लांजी के कृषकों ने अनुविभागीय अधिकारी, सिंचाई विभाग लांजी को सामूहिक आवेदन सौंपकर नहर में तत्काल पानी छोड़े जाने की मांग की है। किसानों के अनुसार, सिंगोला नहर के माध्यम से उनके खेतों में धान की सिंचाई होती है, लेकिन बीते 15 दिनों से पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण खेतों तक आवश्यक मात्रा में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे धान की फसल प्रभावित होने और सूखने का खतरा बढ़ गया है। किसानों का कहना है कि धान की फसल अब ऐसे महत्वपूर्ण दौर में है, जब सिंचाई की जरूरत को नजरअंदाज करना भारी नुकसान का कारण बन सकता है। पूरी फसल तैयार करने के लिए किसान बीज, खाद, दवाइयों, मजदूरी और कृषि कार्यों पर पहले ही काफी खर्च कर चुके हैं। यदि इस समय पानी नहीं मिला, तो उनकी पूरी मेहनत और लागत पर संकट खड़ा हो सकता है। ऐसे में किसानों की मांग है कि विभाग तत्काल स्थिति का जायजा लेकर नहर में पर्याप्त पानी की व्यवस्था करे, ताकि खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंच सके और फसल को बचाया जा सके।

पहले कीट-व्याधियों से जूझे, अब पानी के लिए परेशान किसान

इस खरीफ सीजन में किसानों के सामने चुनौतियां लगातार बनी हुई हैं। कहीं कीट-व्याधियों से फसल को बचाने की चिंता है, तो कहीं बढ़ती लागत और मौसम की अनिश्चितता ने किसानों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। इन तमाम परिस्थितियों के बीच किसान अपनी धान की फसल को अंतिम चरण तक लेकर पहुंचे हैं। अब यदि सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं होता, तो उनकी चिंता और बढ़ना स्वाभाविक है। धान की फसल के लिए पानी की जरूरत खेत की स्थिति, मिट्टी की नमी, फसल की अवस्था और मौसम पर निर्भर करती है। ऐसे में सिंगोला के किसानों की मौजूदा शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति का आकलन करना चाहिए। आखिरकार, किसानों के लिए यह केवल पानी की मांग नहीं, बल्कि उनकी पूरी फसल और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा सवाल है।

फोन पर सूचना और समाचारों के जरिए भी उठाया मुद्दा

आवेदन में किसानों ने उल्लेख किया है कि उनके द्वारा मोबाइल फोन के माध्यम से भी सिंगोला नहर में तत्काल पानी छोड़े जाने की सूचना दी गई थी। इसके अलावा समाचार पत्रों के माध्यम से भी शासन-प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित किया गया। इसके बावजूद किसानों का आरोप है कि समस्या का समाधान नहीं होने से उनकी फसल सूखने के कगार पर पहुंच रही है। यह स्थिति सिंचाई व्यवस्था की जमीनी हकीकत और विभागीय दावों के बीच अंतर को लेकर सवाल खड़े करती है। यदि संबंधित क्षेत्रों में पर्याप्त पानी पहुंचाने की व्यवस्था होने की बात कही जा रही है, तो सिंगोला के किसानों को 15 दिनों से कथित जल संकट का सामना क्यों करना पड़ रहा है? क्या नहर में पानी की उपलब्धता पर्याप्त है? यदि पानी उपलब्ध है, तो खेतों तक उसका वितरण क्यों नहीं हो पा रहा? और यदि किसी तकनीकी या अन्य कारण से आपूर्ति बाधित है, तो किसानों को इसकी स्पष्ट जानकारी क्यों नहीं दी जा रही? इन सवालों पर विभागीय अधिकारियों की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है।

दो दिन में पानी नहीं मिला तो चक्काजाम की चेतावनी

किसानों ने अपने आवेदन में स्पष्ट किया है कि यदि दो दिन के भीतर सिंगोला नहर में पानी नहीं पहुंचा, तो 24 अक्टूबर को ग्राम सिंगोला नहर के समीप लांजी-आमगांव मार्ग पर चक्काजाम कर जन आंदोलन किया जाएगा। किसानों ने अपनी चेतावनी के माध्यम से प्रशासन से समय रहते समस्या का समाधान करने की मांग की है। चक्काजाम करने संबंधित जानकारी किसानों द्वारा प्रतिलिपि के माध्यम से जिला कलेक्टर बालाघाट, जल संसाधन विभाग बालाघाट, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी, तहसीलदार लांजी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी, थाना प्रभारी लांजी, लांजी-किरनापुर विधायक तथा बालाघाट सांसद को भेज दी गई है।

इनकी रही मौजूदगी

ज्ञापन सौंपने के दौरान क्षत्रपाल मचिया, भूमेश्वर सिहोरे, कपूरचंद नगपुरे, डुडेश्वर ढेकवारे, मोती लिल्हारे, जितेंद्र सिहोरे, पूरन बसेना, जीतलाल बनोठे, भागचंद ढेकवारे, रजत कुरहे, टेकेश्वर लिल्हारे, जागेश्वर कुरहे, खेमनलाल ढेकवारे, शेषराम चिखले, महारूदास पगरवारे, मोतीदास लिल्हारे, मनीष पगरवारे, कपूरचंद मचिया, सहदेव ढेकवार, देवानंद बिसेन, बाबूलाल बिसेन, ओंकार बिसेन, रामेश्वर टेंभरे, फूलचंद दमाहे, सुरेष लिल्हारे, जितेंद्र लिल्हारे, फूलचंद दमाहे अमीरदास पगरवारे, युवराज लिल्हारे, संतोष लिल्हारे सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरूष मौजूद रहे।

लांजी थाने से 7 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण पर शॉल-श्रीफल भेंटकर दी विदाई



पद्मेश न्यूज। लांजी। पुलिस की वर्दी केवल एक पहचान नहीं, बल्कि कर्तव्य, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। ड्यूटी के दौरान साथ बिताए पल, कठिन परिस्थितियों में एक-दूसरे का सहयोग और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए गए साझा प्रयास सहकर्मियों के बीच आत्मीय संबंधों को मजबूत बनाते हैं। स्थानांतरण शासकीय सेवा का हिस्सा है, लेकिन अपने साथियों से विदाई का क्षण कई यादों और भावनाओं को समेटे होता है। इसी आत्मीयता, सम्मान और सद्भाव के वातावरण में पुलिस थाना लांजी में स्थानांतरित होकर अन्य स्थानों पर जा रहे पुलिसकर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान उन्हें शॉल, श्रीफल एवं पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया गया तथा नई पदस्थापना पर सफल कार्यकाल और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस थाना लांजी से सात पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण अलग-अलग स्थानों पर हुआ है। इनमें उत्तम दिनकर का शिवपुरी, रागवितरेंद्र टेकाम का पांढुर्णा, कमलेश विश्वकर्मा का सीहोर, रंजीत प्रजापति का शिवपुरी, अभिषेक सिंह का भिंड, राघवेंद्र सिंह ठाकुर का जबलपुर तथा जयसूर्या वर्मा का सीधी स्थानांतरण हुआ है। इन सभी पुलिसकर्मियों को समारोह में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। पुलिस विभाग में स्थानांतरण के साथ नई जिम्मेदारियां और नई चुनौतियां भी जुड़ी होती हैं। प्रत्येक पदस्थापना पुलिसकर्मियों को अपने अनुभवों का उपयोग करते हुए जनसेवा और कानून-व्यवस्था के दायित्वों को और बेहतर ढंग से निभाने का अवसर प्रदान करती है। लांजी थाने में अपने कार्यकाल के दौरान सहकर्मियों के साथ स्थापित समन्वय और कार्यानुभव उनके आगामी दायित्वों में भी उपयोगी साबित होंगे। विदाई समारोह इसी भावना का प्रतीक रहा कि कार्यस्थल बदलने से परिचय और आत्मीयता समाप्त नहीं होती, बल्कि साथ काम करने के दौरान बने संबंध स्मृतियों में हमेशा जीवित रहते हैं। इस अवसर पर थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी, एसआई योगेंद्र सिंह चौहान, एएसआई परमानंद भगत, टीकाराम भोयर, रतिराम गौतम, प्रधान आरक्षक मुकेश ठाकरे, प्रमोद बिसेन, दिनेश कुमरे, दीपक दोहरे, धनलाल लिल्हारे, सुजीत पाल, सुशील सहारे सहित पुलिस थाना लांजी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे नई पदस्थापना पर भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। समारोह ने पुलिसकर्मियों के बीच आपसी सहयोग, विभागीय एकजुटता और सहकर्मियों के प्रति सम्मान की भावना को भी रेखांकित किया। सम्मान और शुभकामनाओं के साथ दी गई यह विदाई स्थानांतरित पुलिसकर्मियों के लिए यादगार रही।

रेलवे अंडरग्राउंड पुल की मरम्मत शुरू

एक सप्ताह तक वन-वे रहेगा यातायात - यादव चौक से रामनगर-रेलटोली मार्ग पर वाहन चालकों को परेशानी

पद्मेश न्यूज गोंदिया। शहर के उत्तर और दक्षिण हिस्सों को जोड़ने वाले यादव चौक से रामनगर-रेलटोली मार्ग पर स्थित रेलवे अंडरग्राउंड पुल की मरम्मत और रखरखाव का काम गुरुवार, 22 अक्टूबर से शुरू कर दिया गया है. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरिष्ठ मंडल अभियंता (कार्य) कार्यालय की ओर से इस संबंध में सूचना जारी की गई है. मरम्मत का काम करीब एक सप्ताह तक चलेगा. इस दौरान संबंधित मार्ग पर यातायात एकतरफा (वन-वे) रहेगा.

रेलवे प्रशासन ने इस मार्ग से आवागमन करने वाले नागरिकों और वाहन चालकों से यातायात व्यवस्था का पालन करने तथा प्रशासन को सहयोग देने की अपील की है. गोंदिया शहर में पुल क्र. 179 ए यानी रेलवे अंडरग्राउंड पुल की मरम्मत की आवश्यकता को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यह काम हाथ में लिया है. पुल की आवश्यक मरम्मत और रखरखाव के जरिए भविष्य में यातायात को



सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है. मरम्मत के दौरान यातायात जाम और संभावित दुर्घटनाओं से बचने के लिए इस मार्ग पर एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू की गई है. इस संबंध में रेलवे प्रशासन ने रामनगर पुलिस थाना, शहर पुलिस थाना और यातायात पुलिस विभाग को पत्र भेजकर व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है।

दुर्गोत्सव के कारण टला था काम

रेलवे अंडरग्राउंड पुल की मरम्मत का काम पहले 20 से 27 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित किया गया था. हालांकि, दुर्गापूजा, विसर्जन और दशहरा उत्सव के दौरान नागरिकों को होने वाली असुविधा से बचाने के लिए काम की शुरुआत दो दिन आगे बढ़ा दी गई. इसके बाद अब 22 अक्टूबर से मरम्मत कार्य शुरू किया गया है।

नागरिक वैकल्पिक मार्गों का करें उपयोग

मरम्मत कार्य के दौरान इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों और नागरिकों को संभव हो तो वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करने की सलाह दी गई है. साथ ही, एकतरफा यातायात के नियमों का पालन करने और यातायात जाम से बचने में सहयोग करने की अपील रेलवे प्रशासन ने की है।

युवक की वैनगंगा नदी में डूबने से मौत

तिरोड़ा के चांदोरी बुज गांव की घटना

पद्मेश न्यूज गोंदिया। तिरोड़ा (त.सं). तहसील अंतर्गत चांदोरी बुज गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है. खेत की रखवाली करने के लिए रात में घर से निकले 22 वर्षीय युवक की वैनगंगा नदी में डूबने से मौत हो गई. युवक के सुबह तक घर नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई. तलाश के दौरान नदी किनारे उसकी चप्पलें मिलीं. इसके बाद ग्रामीणों ने नदी में खोजबीन की, जहां युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिला. मृतक का नाम चांदोरी बुज निवासी प्रेम अशोक काटवले (22) बताया गया है.



जानकारी के अनुसार, प्रेम रोजाना की तरह रात में खेत की रखवाली करने गया था. लेकिन सुबह होने के बाद भी वह घर नहीं लौटा. इससे परिजन परेशान हो गए और उसकी तलाश शुरू की. खेत के पास वैनगंगा नदी के किनारे उसकी चप्पलें दिखाई दीं. इसके बाद ग्रामीणों ने नदी में तलाश की, तो पानी में उसका शव मिला. प्रारंभिक अनुमान है कि पैर फिसलने से वह नदी में गिर गया होगा. हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी. घटना की सूचना मिलते ही तिरोड़ा थाने के हवलदार ब्रिजेश मडावी और सिपाही किसन डहारे मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा किया. शव को उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया।

जिले में 22,176 स्नातक मतदाता करेंगे मताधिकार का इस्तेमाल

आज मतदान, 39 केंद्रों पर होगी वोटिंग; पहचान पत्र साथ रखने की अपील

पद्मेश न्यूज गोंदिया। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए गोंदिया जिले में प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. गुरुवार, 23 अक्टूबर को जिले में मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी. इस चुनाव में जिले के कुल 22,176 स्नातक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे. मतदान का समय सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है.

अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, जिले में कुल 22,176 मतदाता हैं. इनमें 13,965 पुरुष और 8,211 महिला मतदाता शामिल हैं. मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं. जिले में कुल 39 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां मतदान कराने के लिए 180 अधिकारियों व कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है. साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक पुलिस बंदोबस्त भी किया गया है. निर्वाचन विभाग ने सभी पात्र स्नातक मतदाताओं से निर्धारित समय के भीतर अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान करने की अपील की है. मतदान के लिए जाते समय वैध पहचान पत्र साथ रखना आवश्यक है. प्रशासन ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदान के महत्व को ध्यान में रखते हुए सभी पात्र मतदाताओं से उत्साहपूर्वक भाग लेने और जिम्मेदारी के साथ अपने मताधिकार का उपयोग करने का आह्वान किया है।

गालीगलौज कर की मारपीट

पद्मेश न्यूज गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत अरुणनगर निवासी फिर्यादी शुभम शंकर रॉय (28) अपनी मां के साथ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने गया था. इसी बीच उसका भाई उत्तम शंकर रॉय (22) गांव के दुर्गा चौक में कार्यक्रम देख रहा था. इसी दौरान आरोपी प्रभात परम बॉला (35), धुरु परम बॉला (31) व परम प्रफुल बॉला (55) उसके पास आए व तेरा भाई व तेरी मां पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करने गए है, ऐसा कहते हुए गालीगलौज की. साथ ही मारपीट कर उसे घायल कर दिया. फिर्यादी की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार हर्षे कर रहे हैं।

युवक पर हाथ के कड़े से प्रहार

पद्मेश न्यूज गोंदिया। शहर थाने के तहत गौतमनगर निवासी फिर्यादी फरदीन शकील शेख (23) की बहन को उसके पति परेशान कर मारपीट कर रहा था. जिसके कारण उसकी बहन एक वर्ष से फिर्यादी के घर पर रहती थी. फिर्यादी अपने मित्र सोहेल खन व इर्शाद सैयद के साथ कोल्डड्रींग पिकर अपने घर जा रहा था. इसी बीच आरोपी अमन लतीफ शेख (23) ने उसे रोका व गालीगलौज कर मारपीट की. साथ ही आरोपी गुलफाम (20) व अज्ञात 20 वर्षीय युवक ने हाथ के कड़े से सिर पर प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार राजेश पुराम कर रहे हैं।

मंदिर के पास से मोटरसाइकिल चोरी

पद्मेश न्यूज, गोंदिया. शहर थाने के तहत सिविल लाइन निवासी फिर्यादी प्रविण गोविंद वाढई (36) की मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति ने माता मंदिर सिविल लाइन के पास से चुरा लिया. जिसकी कीमत 20 हजार रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार टेंभरे कर रहे हैं।

मारपीट कर दी धमकी

पद्मेश न्यूज गोंदिया। गोरेगांव थाने के तहत भडंगा निवासी फिर्यादी सतिश गणपत वाघ (32) मोटरसाइकि खरी हुई जगह पर अपनी मोटरसाइकिल ले रहा था. इसी बीच आरोपी अतुल मोटघरे (38), कुणाल खोब्रागडे (25), नंदकिशोर कुसराम (34) व रमेश खांडवाये (35) ने साठगांठ कर उसके साथ गालीगलौज की. साथ ही पुलिस वाले मेरा कुछ नहीं कर सकते, मैं गांव का सरपंच हुं, मैं कुछ भी कर सकता हु, तु दिवाली देख नहीं सकता, तेरा मर्डर पक्का है, तु गांव में नहीं दिखने को होना, तु दिखा तो तेरे को मार डालूंगे, ऐसी धमकी देकर मारपीट की. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार देवेंद्र काटेंगे कर रहे हैं।

अगले 8 महीनों के लिए करें जल नियोजन - पालकमंत्री इंद्रनील नाईक

पद्मेश न्यूज गोंदिया। सुपर अल नीनो और संभावित सूखे की स्थिति को देखते हुए जिले में नागरिकों को पीने का पानी तथा रबी सीजन के लिए खेती के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अगले आठ महीनों का सख्त और सुनियोजित जल प्रबंधन किया जाए, यह निर्देश पालकमंत्री इंद्रनील नाईक ने दिए। पानी की किल्लत दूर करने के उपायों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला नियोजन भवन में पालकमंत्री नाईक की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर, सांसद राजेंद्र जैन, विधायक राजकुमार बडोले, विनोद अग्रवाल, विजय रहांगडाले, जिलाधिकारी मंदार पत्की, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनित चंद्रा दोंतुला, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, उपवन संरक्षक पवनकुमार जोंग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। भूजल स्तर को ध्यान में रखते हुए नए बोरवेल खोदने की अनुमति नहीं दी जाए. उपलब्ध जलस्रोतों का विवेकपूर्ण उपयोग करना आवश्यक है. नागरिक भी पानी का किफायत से इस्तेमाल करें, ऐसा आह्वान पालकमंत्री ने किया. जल संकट से निपटने के लिए नालों और तालाबों का गहरीकरण तथा जल संरक्षण के कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए. इन कार्यों को शुरू करने से पहले संबंधित जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर उनका सहयोग लेने पर भी जोर दिया गया. बैठक में ग्रामीण, शहरी और नगर पंचायत क्षेत्रों में पानी की संभावित किल्लत से निपटने के उपायों की विस्तृत समीक्षा की गई. पालकमंत्री ने निर्देश दिए कि अगले आठ महीनों तक पर्याप्त पानी उपलब्ध रहे, इस तरह नियोजन किया जाए और पीने के पानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

तिरोड़ा में सूखे की मार से धान की फसल बर्बाद

पद्मेश न्यूज गोंदिया। गोंदिया जिले में इस वर्ष बारिश की बेरुखी के कारण किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. बारिश समय पर नहीं होने से कई क्षेत्रों में धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है. तिरोड़ा तहसील के पांजरा और विहीरगांव में धान की फसल सूखकर बर्बाद होने की जानकारी मिलने पर जिले के पालकमंत्री व राज्यमंत्री इंद्रनील नाईक ने खेतों में पहुंचकर फसलों का निरीक्षण किया और किसानों की समस्याएं सुनीं.



इस दौरान तिरोड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय रहांगडाले, वरिष्ठ नेता बालू बाव आंधले, जगदीश बावनथडे, रामसागर धावड़े, स्थानीय सरपंच ठाकरे, किसान, तलाठी, कृषि सहायक और राजस्व विभाग के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. निरीक्षण के दौरान पालकमंत्री इंद्रनील नाईक ने खेतों में उतरकर धान की बालियों को हाथ में लेकर फसल की स्थिति देखी. कई जगहों पर धान की बालियों में दाने नहीं भरे होने की स्थिति सामने आई. किसानों ने बताया कि बुवाई के बाद से ही बारिश अनियमित रहने के कारण फसल प्रभावित हुई है. वहीं बीज, खाद और मजदूरी की लागत बढ़ने से उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो गई है. किसानों ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि खेती में लगातार बढ़ते खर्च और फसल बर्बाद होने से वे कर्ज के बोझ तले दब गए हैं. इस दौरान कुछ किसानों ने आर्थिक संकट की गंभीरता बताते हुए जल्द सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की भावुक अपील की.

पालकमंत्री इंद्रनील नाईक ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं खेतों में जाकर फसल की स्थिति देखी है और नुकसान गंभीर है. उन्होंने जिलाधिकारी तथा कृषि विभाग को तत्काल रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश देने की बात कही. उन्होंने पांजरा और विहीरगांव सहित पूरे तिरोड़ा तहसील में फसल नुकसान का जल्द पंचनामा कराने तथा शासन की ओर से मुआवजा और फसल बीमा कंपनी से सहायता दिलाने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रयास करने का भरोसा दिया. उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी पात्र किसान सहायता से वंचित न रहे, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. पालकमंत्री के दौरे से पांजरा और विहीरगांव के प्रभावित किसानों में कुछ उम्मीद जगी है. किसानों को अब फसल नुकसान का आधिकारिक पंचनामा जल्द शुरू होने और राहत राशि मिलने की प्रतीक्षा है. हालांकि, वास्तविक सहायता का लाभ पंचनामा, पात्रता और शासन के निर्णय के बाद ही मिल सकेगा. बारिश की कमी और फसल बर्बादी के बीच किसानों की निगाहें अब प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं.

नम आंखों से दी गई मां दुर्गा को विदाई

जयकारों से गूंजा ग्रामीण अंचल -सुख-समृद्धि की कामना के साथ भक्तों ने मां को किया विदा

पद्मेश न्यूज गोंदिया। ग्रामीण अंचल में शारदीय नवरात्रि पर्व के समापन के साथ ही मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में किया गया. नौ दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से मां दुर्गा की आराधना करने के बाद जब भक्तों ने माता रानी को विदाई दी, तो अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं. पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण के बीच मां दुर्गा के जयकारे गूंजते रहे.

बिरसीफाटा, गुलाबटोला, लाखेगांव, बोपेसर सहित आसपास के गांवों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का श्रद्धापूर्वक विसर्जन किया गया. विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, मां दुर्गा के जयकारों, भक्ति गीतों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच भक्तों ने माता रानी को भावभीनी विदाई दी. गांवों में सुबह से ही विसर्जन की तैयारियां शुरू हो गई थीं. श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा से परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली, आरोग्य और क्षेत्र में शांति बनाए रखने की प्रार्थना की. नवरात्रि के नौ दिनों तक ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक उत्साह का विशेष माहौल रहा. विभिन्न दुर्गा उत्सव मंडलों द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर नियमित पूजा-अर्चना और आरती की गई. श्रद्धालुओं ने पूरे नौ दिनों तक माता रानी के दर्शन कर परिवार और समाज की मंगलकामना की. शाम के समय आरती व अन्य धार्मिक आयोजनों में भी बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता देखने को मिली.



मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान महिलाओं, युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह दिखाई दिया. भक्तों ने एक-दूसरे के साथ मिलकर माता रानी को विदाई दी. जैसे-जैसे विसर्जन का समय नजदीक आया, वैसे-वैसे माहौल भावुक होता गया. नौ दिनों तक मां दुर्गा की सेवा, पूजा और आराधना में लीन रहे श्रद्धालु माता रानी को विदा करते समय भावुक नजर आए, भक्तों के चेहरों पर जहां पर्व के सफल समापन की खुशी थी, वहीं मां के विदा होने का दुख भी साफ दिखाई दे रहा था. विसर्जन के दौरान %जय माता दी% और %मां दुर्गा की जय% के जयकारों से पूरा ग्रामीण अंचल गूंज उठा. श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष मां दुर्गा के पुन: आगमन की कामना करते हुए उनसे सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की. इस प्रकार नौ दिनों तक भक्ति और आस्था से सराबोर रहा नवरात्रि पर्व मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ संपन्न हुआ.मां दुर्गा को भावभीनी विदाई देते हुए श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष फिर से माता रानी के आगमन की प्रतीक्षा के साथ अपने घरों की ओर प्रस्थान किया.

घर में घुसकर जंगली सूअर ने महिला पर किया हमला

वडेगांव की घटना, उपजिला अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज गोंदिया। तिरोड़ा तहसील के वडेगांव में मंगलवार, 21 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे एक जंगली सूअर घर में घुस गया और वहां मौजूद 65 वर्षीय महिला पर हमला कर दिया. इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, घटना के बाद गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, वडेगांव निवासी छायाताई हेमराज बडोले (65) अपने घर में घरेलू काम कर रही थीं. इसी दौरान जंगल की ओर से आया एक जंगली सूअर अचानक उनके घर में घुस गया और उन पर हमला कर दिया. हमले में महिला के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं. महिला की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी और परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे. उन्होंने किसी तरह जंगली सूअर को वहां से भगाया और महिला की जान बचाई. गंभीर रूप से घायल छायाताई को तत्काल तिरोड़ा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है. चिकित्सकों के अनुसार, उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

गांव में दहशत का माहौल

घटना के बाद वडेगांव सहित आसपास के गांवों में भय का वातावरण है. ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से शाम होते ही जंगली सूअर, नीलगाय और अन्य वन्यजीव खेतों से निकलकर गांवों में प्रवेश कर रहे हैं. इससे पहले वन्यजीवों द्वारा खेतों में फसलों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आई थीं, लेकिन घर में घुसकर किसी व्यक्ति पर हमला करने की यह पहली घटना बताई जा रही है।

वन विभाग से त्वरित कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में तत्काल गश्ती दल तैनात करने, जंगली सूअरों की आवाजाही पर नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा घायल महिला के परिवार को शासन के नियमानुसार आर्थिक सहायता और मुआवजा देने की मांग की है।

चौपहिया वाहन की टक्कर से एक की मौत

पद्मेश न्यूज गोंदिया। चिचगढ़ थाने के तहत ग्राम चिचगढ़ पावर हाऊस के आगे चौपहिया वाहन की टक्कर से एक युवकी की मौत हो गई तो एक गंभीर रुप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार, देवरी तहसील के आलेवाड़ा निवासी रमेश भीमराव उईके (30) व शुभम कृष्णा उईके (28) को चिचगढ़ के पावर हाऊस के आगे चौपहिया वाहन चालक देवरी निवासी सुबोध पुरुषोत्तम देशपांडे (31) ने अपना वाहन लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी. जिसमें शुभम उईके की मौत हो गई तो रमेश उईके गंभीर रुप से घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर चिचगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार राऊत कर रहे हैं।

पांच महीने बाद शुरू हुई रामपुरी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना

संघर्ष समिति के आंदोलन की चेतावनी और मीडिया के दबाव के बाद जागा प्रशासन

पद्मेश न्यूज गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के दुर्गम और आदिवासी क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण रामपुरी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना आखिरकार पांच महीने बाद फिर से शुरू हो गई है. रामपुरी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना संघर्ष समिति की आंदोलन की चेतावनी और सोशल मीडिया द्वारा लगातार मामला उठाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया. अग्रवाल ग्लोबल कंस्ट्रक्शन कंपनी के कारण क्षतिग्रस्त हुई पाइपलाइन की मरम्मत कर दी गई है. साथ ही, बकाया बिजली बिल का भी तत्काल भुगतान किया गया है. इससे क्षेत्र के नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। योजना बंद होने के कारण ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा था. इसके बावजूद प्रशासन की ओर से समस्या के समाधान में देरी हो रही थी. आखिरकार संघर्ष समिति ने आक्रामक रुख अपनाते हुए सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की चेतावनी दी. इसके बाद प्रशासनिक तंत्र सक्रिय हुआ और लगभग 15 दिनों के भीतर मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया. योजना के अंतर्गत आने वाले नौ गांवों में से पांच गांवों में कल से नियमित जलापूर्ति शुरू की जाएगी. शेष चार गांवों में पाइपलाइन की मरम्मत का काम अंतिम चरण में है. अगले चार दिनों में सभी नौ गांवों में जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी. यह जानकारी उपअभियंता केतन चेतुले ने दी. पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधा के लिए भी ग्रामीणों को आंदोलन की चेतावनी देनी पड़े, यह प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यक्षमता पर सवालिया निशान लगाता है. अब नागरिकों की अपेक्षा है कि प्रशासन योजना के नियमित संचालन, पाइपलाइन के रखरखाव और समय पर बिजली बिल के भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े।

स्थायी समाधान की मांग

संघर्ष समिति के लगातार प्रयासों और मीडिया द्वारा मामला उठाए जाने के बाद आखिरकार योजना को दोबारा शुरू करने का रास्ता साफ हुआ. देर से ही सही, जलापूर्ति बहाल होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है. हालांकि, नागरिकों की मांग है कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो, इसके लिए प्रशासन स्थायी समाधान सुनिश्चित करे।

लापरवाह प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल

इटियाडोह तालाब का पानी शुद्ध कर दुर्गम क्षेत्र के नागरिकों तक पहुंचाने वाली यह योजना बेहद महत्वपूर्ण है. इसके बावजूद पाइपलाइन की मरम्मत और बकाया बिजली बिल जैसे कारणों से पांच महीने तक जलापूर्ति बंद रहना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

कागजों तक सिमटा आवारा श्वानों का नसबंदी अभियान

पशुओं की समस्या गंभीर, ठेकेदार नहीं ले रहे रुचि; नगर परिषद की कार्रवाई ठप

पद्मेश न्यूज गोंदिया। शहर में आवारा श्वानों की नसबंदी, सूअरों पर नियंत्रण और सड़कों पर घूमने वाले आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए नगर परिषद की ओर से बार-बार निविदाएं निकाली जा रही हैं. लेकिन इन कार्यों के लिए ठेकेदार आगे नहीं आ रहे हैं. ऐसे में नगर परिषद प्रशासन के सामने समस्या खड़ी हो गई है. शहर सूअरमुक्त कब होगा और आवारा श्वानों की समस्या से नागरिकों को राहत कब मिलेगी, यह सवाल अब उठने लगा है. शहर में आवारा श्वानों की संख्या लगातार बढ़ रही है. कई नागरिकों को श्वानों के काटने की घटनाएं भी सामने आई हैं. श्वानों को मारा नहीं जा सकता, इसलिए उनकी नसबंदी के लिए नगर परिषद की विशेष सभा में प्रस्ताव पारित कर निविदा जारी की गई. इसी तरह शहर में बढ़ते सूअरों के उपद्रव पर नियंत्रण पाने के लिए भी विशेष सभा में प्रस्ताव मंजूर किया गया. लेकिन आवारा श्वानों की नसबंदी के लिए तीन बार और सूअरों के बंदोबस्त के लिए दो बार निविदा निकालने के बावजूद एक भी निविदा प्राप्त नहीं हुई. इससे दोनों समस्याओं के समाधान का काम अटका हुआ है. हालांकि, शहर में आवारा श्वानों, सूअरों और मवेशियों की समस्या लगातार बनी हुई है. ऐसे में नागरिकों की मांग है कि केवल निविदाएं निकालने तक सीमित न रहते हुए नगर परिषद ठोस कदम उठाए, ताकि लोगों को इस परेशानी से जल्द राहत मिल सके।

आवारा मवेशियों को पकड़ने की योजना भी अधर में

शहर की सड़कों पर आवारा गायों के जमावड़े से यातायात प्रभावित हो रहा है. इससे पहले नगर परिषद ने आवारा मवेशियों को पकड़ने का अभियान शुरू किया था, लेकिन पशुपालकों के विरोध के कारण इसे रोकना पड़ा. इसके बाद फरवरी महीने में मवेशियों को पकड़ने के लिए निविदा जारी की गई, लेकिन उसमें भी किसी ठेकेदार ने रुचि नहीं दिखाई. बताया जा रहा है कि इसके बाद दोबारा निविदा निकाली गई है. ठेकेदारों के आगे नहीं आने से प्रशासन की परेशानी बढ़ गई है।

कई इलाकों में आवारा श्वानों का आतंक

गणेशनगर, रामनगर, श्रीनगर, सुंदरनगर, वर्सतनगर, बजरंगनगर, विजयनगर, मरारटोला, माताटोली, सिंधी कॉलोनी, सिविल लाईंस, छोटा गोंदिया, सूर्याटोला और बायपास मार्ग के आसपास आवारा श्वानों का काफी जमावड़ा है. विशेषकर रात के समय इन इलाकों से आने-जाने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है. श्वानों के हमलों की घटनाओं के कारण लोगों में भय का माहौल है।

इनका कहना है

आवारा श्वानों के बंदोबस्त के लिए निविदा निकाली गई है. फिलहाल प्रक्रिया जारी है और जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा।

संदीप बोरकर, मुख्याधिकारी, नप गोंदिया

आगामी सप्ताह में शहर के आवारा श्वानों के बंदोबस्त की कार्रवाई की जाएगी. निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है. शहर में आवारा श्वानों की समस्या दूर करने के लिए नगर परिषद प्रशासन प्रतिबद्ध है।

सचिन शेंडे, अध्यक्ष, नप गोंदिया

सैमसन, नमन और श्रेयस की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने पहले टी20 में न्यूजीलैंड को हराया

क्राइस्टचर्च। संजू सैमसन के शानदार अर्धशतक और नमन धीर की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने यहां हुए पहले टी20 में मेजबान न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबानों ने 4 विकेट पर 225 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 226 रनों का लक्ष्य मिला जिसे भारतीय टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर दो गेंद पहले ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत काफी अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने तेजी से रन बनाये। दोनों ने पहले विकेट के लिए केवल 5.5 ओवर में ही 93 रन बना दिये। अभिषेक ने 12 गेंदों में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 29 रन बनाये। वहीं नंबर तीन पर उतारे गये तिलक वर्मा विफल



रहे और केवल 6 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। सैमसन ने 23 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किया। उन्होंने 33 गेंदों की अपनी पारी में 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए। ईशान किशन आज विफल रहे और केवल एक रन ही बना पाये। वहीं अक्षर पटेल ने 14 गेंदों में 24 रन बनाये। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने नमन धीर के साथ मिलकर 22 गेंदों में 43 रन जोड़े और पारी को आगे बढ़ाया। अय्यर ने 28 गेंदों में एक चौके और 2 छक्कों की मदद से 42 रन बनाए।

अंतिम ओवरों में नमन धीर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए केवल 15 गेंदों में 42 रनों की नाबाद पारी खेली। नमन ने 5 चौके और 2 छक्के लगाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं, नीतीश कुमार रेड्डी 2 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में माइकल ब्रेसवेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने दो-दो विकेट लिए।

वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को टिम सीफर्ट और फिन एलन ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। सीफर्ट ने 17 गेंदों में 24 रन बनाए। वहीं, एलन 24 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर पेवलियन लौटे। डेरिल मिचेल ने 28 रन जबकि बेवन जैकब्स ने 16 गेंदों में 31 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 40 गेंदों पर नाबाद 82 रन बनाए। फिलिप्स ने अपनी इस पारी में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से । अर्शदीप सिंह, मयंक यादव और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत दर्ज की

भारतीय बल्लेबाजों ने विस्फोटक प्रदर्शन करते हुए 226 रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। इससे पहले भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में 209 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

चैंपियंस लीग फुटबॉल में रियल मैड्रिड और रियल बेटिस जीते

मैड्रिड । स्पेन में जारी चैंपियंस लीग फुटबॉल में रियल मैड्रिड ने आरबी लीपजिग को 4-1 से हरा दिया। अब रियल का मुकाबला एफ सी बार्सिलोना से होगा। लीपजिग के खिलाफ मुकाबले में रियल शुरुआत से ही हावी रही। 43 वें मिनट में बर्नार्डो सिल्वा ने गोल कर रियल को बढ़त दिला दी जिसे गुलर ने 52वें मिनट में एक गोल कर 2-0 तक पहुंचा दिया। स्टार फुटबॉलर कॉलियन एमबाप्पे ने खेल समाप्त होने के सात मिनट पहले 83वें मिनट में, रियल की ओर से तीसरा गोल दागा।



स्थानापन्न खिलाड़ी यान डियोमांडे ने एमबीप्पे को एक शानदार असिस्ट दिया, जिसकी बदौलत एमबीप्पे ने ये गोल दागा जिससे स्कोर 3-0 हो गया।वहीं लीपजिग की ओर से

टिडियम गोमिस ने 85वें मिनट में एकमात्र गोल किया। 87 वें मिनट में ब्राहिम डियाज़ के सटीक क्रॉस पर डियोमांडे ने जोरदार शॉट लगाकर गोल दागकर स्कोर 4-1 कर दिया।

वहीं मैच समाप्त होने के तीन मिनट पहले रियल ने 87वें मिनट में एक और गोल दाग दिया।

एक अन्य चैंपियंस लीग मुकाबले में रियल बेटिस ने फेयेनूर्द को 1-0 से हराया। इस्को की ने 59वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर बेटिस को जीत दिलायी। इस जीत के साथ बेटिस लीग चरण में हावी हो गयी है। वहीं कप्तान इस्को बेटिस के लिए लगातार चैंपियंस लीग मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

वहीं फेयेनूर्द की ओर से विंगर अनीस हाज मूसा ने लगातार हमले किये पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पाये।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर त्रिकोणीय के फाइनल में प्रवेश किया

अब जिम्बाब्वे से होगा खिताबी मुकाबला

हरारे । अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के फाइनल में प्रवेश किया है। यहां उसका सामना जिम्बाब्वे से होगा। इस मैच में अफगान टीम की जीत में स्पिनर राशिद खान की शानदार गेंदबाजी और कप्तान रहमत शाह की अच्छी बल्लेबाजी की अहम भूमिका रही। इस मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 41.2 ओवर में केवल 160 रन बनाये। अफगानिस्तान की ओर से राशिद ने रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए जबकि उमरजई और यामीन अहमदजई ने 2-2 विकेट और विलाल सामी व मोबम्मद नबी ने 1-1 विकेट लिया।

इसके बाद जीत के लिए मिला लक्ष्य अफगानिस्तान की टीम ने 35.3 ओवर में ही 3 विकेट के नुकसान पर 161 रन बनाकर हासिल कर लिया। अब फाइनल में अफगानिस्तान का मुकाबला जिम्बाब्वे से होगा। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही और टीम ने 50 रनों के अंदर ही अपने 2 विकेट खो दिये। इसके बाद कप्तान रहमत शाह और इब्राहिम जादरान ने मिलकर पारी को संभाला। रहमत शाह ने 67 रन जबकि जादरान ने 34 रन बनाये। इसके अलावा हशमतउल्ला शहीदी ने 36 रन बनाये। बांग्लादेश की ओर से तस्कीन अहमद ने 2 और मुस्तफिजुर रहमान ने 1 विकेट लिया।



सिराज की कसानी में हैदराबाद रणजी में पहले दोनो मैच जीतकर शीर्ष पर पहुंची

नई दिल्ली। मोहम्मद सिराज की कसानी में हैदराबाद क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने दोनो मैच जीत लिए हैं। हैदराबाद ने पहले मैच में त्रिपुरा को पारी और 40 रनों से हराने के बाद दूसरे मैच में आंध्र प्रदेश को 267 रनों के विशाल अंतर से हराया। इन दो शानदार जीत के साथ ही हैदराबाद की टीम एलीट ग्रुप बी अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी है। आंध्र प्रदेश के खिलाफ एसीए स्टेडियम, मुलपाडु में खेले गए मुकाबले में हैदराबाद ने हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया। मैच के अंतिम दिन हैदराबाद की टीम जीत से केवल कुछ कदम दूर थी और मैदान पर उतरने के बाद उसने 27 ओवरों से भी मुकाबला जीत लिया। वहीं आंध्र प्रदेश की टीम मुकाबले में टिक नहीं पायी। उसके कप्तान रिकी भुई शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। दूसरे बल्लेबाज एसवी. राहुल भी टिक नहीं पाये।

डिंक्स ब्रेक के बाद 23वें ओवर में स्पिनर तनय त्यागराजन ने एक ही ओवर में विकेट लेकर आंध्र प्रदेश को करारा झटका दिया। उन्होंने पहले हेमंत रेड्डी को एलबीडब्ल्यू और फिर सौरभ कुमार को आउट कर दिया। इसके बाद रेवंत रेड्डी ने पारी संभालने का प्रयास किया पर असफल रहे। अनिकेत रेड्डी, ने अंतिम सत्र में दो विकेट लेकर आंध्र प्रदेश को दबाव में ला दिया था, आंध्र की पारी के साथ ही मैच भी लंच से पहले ही समाप्त हो गया। । इस शानदार जीत से हैदराबाद को पूरे छह अंक मिले और टीम 13 अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में होप, एकदिवसीय में सेदिकुल्लाह को हुआ लाभ

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 रैंकिंग में . वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप और अफगानिस्तान के सेदिकुल्लाह अटल को फायदा हुआ है। होप को जहां भारतीय टीम के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है और वह शीर्ष दस खिलाड़ियों में पहुंच गये है। होप दो स्थान के लाभ के साथ ही 11 वें से 9 वें स्थान पर आ गये हैं। वहीं त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ सेदिकुल्लाह को मिला है।

सेदिकुल्लाह ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 102 रन की शतकीय पारी खेली थी। इस प्रदर्शन के बाद वह आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 12 स्थान के लाभ के साथ ही 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वहीं वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड भी बल्लेबाजी रैंकिंग में छह स्थान ऊपर आये है। भारत के खिलाफ 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाने के बाद वह 184वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, स्पिनर गुडाकेश मोती को गेंदबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 10 स्थान का फायदा हुआ है और वह 26वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश की टीम के बल्लेबाज तंजीद हसन को भी रैंकिंग में लाभ मिला है। त्रिकोणीय सीरीज में तंजीद ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 46 रन की पारी खेली, जिसके बाद वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर



पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने इस मुकाबले में 44 रन देकर तीन विकेट हासिल किए थे हालांकि, उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन तस्कीन को रैंकिंग में नौ स्थान का फायदा हुआ है। वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 12वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। गौरतलब है कि गेंदबाजों की रैंकिंग में 11वें से 20वें स्थान के बीच सिर्फ 28 रेटिंग अंकों का अंतर है, जिससे इस सूची में खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रही। अफगानिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 रन देकर दो विकेट हासिल किए। इससे वह 12 स्थान के लाभ के साथ ही 46वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं जिम्बाब्वे के ब्रैड इवांस ने भी दो मैचों में सात विकेट लेकर 19 स्थान का लाभ हासिल किया है। इससे वह संयुक्त रूप से 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन के कारण है, इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज टॉम बैंटन ने 53 गेंदों पर 57 रन की पारी खेली, जिसके बाद वह 16 स्थान के लाभ के साथ ही 66वें नंबर पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ 37 रन की जीत में पाकिस्तान के सलमान अली आगा ने 107 रन बनाए थे, इस प्रदर्शन के बाद वह बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के लाभ के साथ ही 12वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड की तेज पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों को रहना होगा सावधान

क्राइस्टचर्च। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले हमेशा ही रोमांचक रहे हैं। इस बार भी ऐसा ही होने की संभावना है। इस सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल पर सभी की नजरें रहेंगी। न्यूजीलैंड की तेजी और उछाल भरी पिचों पर खेलना हालांकि इनके लिए आसान नहीं रहेगा। न्यूजीलैंड की पिचें, अपनी तेज उछाल और हरी घास के लिए जानी जाती हैं, घरेलू तेज गेंदबाजों के लिए स्वर्ग मानी जाती हैं। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को सतर्क रहना होगा। वहीं भारतीय गेंदबाजों को भी इन हालात का पूरा लाभ उठाना सीखना होगा, ताकि विरोधी टीम को घरेलू परिस्थितियों का एकतरफा लाभ न मिल सके। मौजूदा भारतीय टीम अब विदेश में भी आक्रामक रुख अपनाने के लिए जानी जाती है और उसका यही बदला हुआ रवैया इस दौरे पर निर्णायक साबित हो सकता है।



वहीं, न्यूजीलैंड की टीम अपने घरेलू मैदानों और मौसम से अच्छी तरह परिचित है। उनके पास रचिन रवींद्र जैसे तकनीकी रूप से सक्षम और समर्पित बल्लेबाज मौजूद हैं, जो किसी भी समय मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। कप्तान सहित उनके अन्य प्रमुख खिलाड़ी भारत के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं। इसलिए, भारत को अपनी तैयारियों और रणनीतिक अनुशासन पर पूरा ध्यान देना होगा, क्योंकि छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है।

भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकतों में से एक उसकी पेशेवर तैयारी और अलग-अलग माहौल के हिसाब से खुद को ढालने की अद्भुत क्षमता है। भारतीय खिलाड़ियों ने दुनिया भर में भिन्न पिचों, मौसम और गेंदबाजी शैलियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। यह समृद्ध अनुभव न्यूजीलैंड जैसे चुनौतीपूर्ण दौरों पर बहुत काम आता है, जहां हालातों के अनुसार अपने को ढालना ही जीत और हार के बीच का अंतर तय करता है।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय तेज गेंदबाजों को अपनी गति के साथ-साथ स्विंग, सटीक लाइन-लेंथ और समझदारी भरी विविधताओं का इस्तेमाल करना होगा। इसके अलावा, स्पिनरों को पिच और मैच की स्थिति को समझकर यह तय करना होगा कि वे टीम के लिए सबसे बेहतर योगदान कैसे दे सकते हैं। इसके अलावा, भारत को फील्डिंग पर भी ध्यान देना होगा।

वहीं बल्लेबाजी के मोर्चे पर, भारतीय खिलाड़ियों को शुरुआती ओवरों में धैर्य का परिचय देना होगा और कठिन हालातों के अनुसार अपनी पारी की गति को ढालना होगा।

एशियाई पैरा खेलों में छेड़छाड़ के आरोपी भारतीय तैराक को वापस भेजा गया

नागोया । जापान में जारी एशियाई पैरा खेलों में छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों के कारण एक भारतीय पैरा तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख को वापस भेज दिया गया है।

शम्स पर होटल की एक महिला कर्मचारी ने छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये थे जिससे भारतीय दल को भी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है।

यह घटना सोमवार की है शम्स को बुधवार को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक इवेंट में प्रतिस्पर्धा करनी थी पर वह शेरेटन होटल में हुई इस घटना के बाद बाहर कर दिये गये। एक महिला हाउसकीपिंग स्टाफ की कर्मचारी ने अधिकारियों को बताया कि तैराक शम्स ने उन्हें अनुचित तरीके से छूने और जबरदस्ती करने का प्रयास किया। महिला ने इस मामले की शिकायत वरिष्ठ धिकारियों को दी जिसके बाद ये मामला उठा।

इस शिकायत के तुरंत बाद, जापान पुलिस ने शम्स को हिरासत में ले लेकर पूछताछ की। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआईई) को घटना की सूचना मिलते ही, समिति ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शम्स को तुरंत भारत वापस भेजने का फैसला लिया। इस गंभीर मामले को लेकर पीसीआई कड़ा रुख अपनाते हुए शम्स पर आजीवन प्रतिबंध लगा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो 40 वर्षीय इस अनुभवी तैराक का अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो सकता है। पीसीआई ने स्पष्ट किया है कि खेलों के समापन के बाद इस पूरे मामले की विस्तृत समीक्षा की जाएगी और उसके बाद ही कोई औपचारिक निर्णय लिया जाएगा। हालांकि, किसी भी अंतिम फैसले पर पहुंचने से पहले, पैरालंपिक कमेटी शम्स को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर देगी।

अनाहत ने आठ बार की विश्व विजेता एलशेरबिनी को हराकर इतिहास रचा

रेडवुड सिटी । भारत की उभरती हुई स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह ने अमेरिका के रेडवुड सिटी में जारी सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट में 8 बार की विश्व चैंपियन नूर मिस्र की एलशेरबिनी को हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। 18 साल की अनाहत ने एलशेरबिनी को सीधे गेमों में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। अनाहत को यह जीत सिलिकॉन वैली ओपन के दूसरे दौर में मिली, जिसने अनाहत वैश्विक स्क्वैश मानचित्र पर एक मजबूत दावेदार के रूप में सामने आयीं है। विश्व की नंबर 15 खिलाड़ी अनाहत ने विश्व की नंबर 3 खिलाड़ी एलशेरबिनी के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सभी को हैरान कर दिया। महज 30 मिनट तक चले इस इस दूसरे दौर के मुकाबले में अनाहत ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को 11-8, 11-8 और 11-7 से पराजित किया। यह जीत से अनाहत का मनोबल भी बढ़ा है। अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद अनाहत ने खुशी जताते हुए कहा, मैं एलशेरबिनी के हर एक मैच को देखकर बड़ी हुई हूं। मैं वो सब हासिल करना चाहती हूं, जो उन्होंने अपने करियर में किया है। वे सभी स्क्वैश खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणा हैं।

एशियाई पैरा खेलों में भारत के भगत और रामदास की जोड़ी ने युगल में जीता कांस्य

नागोया । जापान के नागोया में जारी पैरा एशियाई खेलों में भारतीय दल ने तीन कांस्य पदक जीते हैं। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और मनीषा रामदास की जोड़ी के साथ ही कृष्णा नागर व नित्या श्री की जोड़ी ने भी कांस्य पदक हासिल किया। सुहास ने इंडोनेशिया के फेडी सेतियावान के खिलाफ रोमांचक एकल सेमीफाइनल में एसएल4 इवेंट का कांस्य पदक हासिल किया।

फ्रैश्त युगल एसएल3-एसयू5 इवेंट में प्रमोद भगत और मनीषा रामदास ने इंडोनेशिया के लानी रात्री ओक्टिला और जिकमत रामदानी के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में कांस्य पदक हासिल किया हालांकि यह जोड़ी फाइनल में जगह नहीं बना पायी। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-16 से जीतकर अच्छी शुरुआत की थी पर इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम 21-13 और 21-17 से जीत लिए। करीबी मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी ने बढ़त हासिल करने के साथ ही मुकाबला जीत लिया। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, भगत और रामदास को एशियाई पैरा खेलों के बैडमिंटन मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 में कांस्य पदक जीतने पर बधाई।

दूसरी ओर पैरालंपिक पदक विजेता सुहास लालिनाकेरे यतिराज ने पुरुष एकल एसएल4 इवेंट में भारत के लिए कांस्य पदक पक्का किया। उन्हें इंडोनेशिया के फेडी सेतियावान के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के शुरुआती गेम में 21-23 के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। दोनो के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। सेतियावान ने ये मैच 21-23, 21-8 और 15-21 से जीता।

एक और पैरालंपिक स्वर्ण विजेता कृष्णा नागर और नित्या श्री को मिश्रित युगल एसएच6 में इंडोनेशिया की रीना मार्लिना और सुभान के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार के बाद कांस्य पदक ही मिल पाया। भारतीय जोड़ी 14-21, 18-21 के स्कोर से सीधे गेम में हार गई, जिसमें इंडोनेशियाई प्रतिद्वंद्वियों ने



एशियाई पैरा खेलों के डिस्कस में सुवर्णा ने जीता स्वर्ण, तीरंदारी में स्वाति को रजत

नागोया । यहां जारी एशियाई पैरा खेलों में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया है। डिस्कस थ्रो में सुवर्णा राज ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं तीरंदाजी में स्वाति चौधरी को रजत पदक मिला है। महिलाओं की डिस्कस थ्रो एफ54 इवेंट में सुवर्णा ने 15.66 मीटर का शानदार थ्रो कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने छह प्रयासों में से पांच में 15 मीटर का निशान पार किया, जिससे उनका स्वर्ण पदक पक्का हो गया। वहीं इस स्पर्धा में ईरान की शाहला हदीदी ने 15.45 मीटर थ्रो कर रजत पदक हासिल किया जबकि वियतनाम की थी न्गोक थ्यू गुयेन ने 14.65 मीटर के साथ ही तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता।

स्वर्ण विजेता सुवर्णा ने अब तक तीन एशियाई पेरा खेलों के साथ ही कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत की ओर से खेला है। वह अभी एफ54 डिस्कस थ्रो श्रेणी में एशिया में दूसरे नंबर पर हैं। गौरतलब है कि एफ54 क्लासिफिकेशन उन प्रतिस्पर्धियों के लिए है जिन्हें धड़ और निचले अंगों के काम करने में मुश्किलें आती है। इसलिए ये व्हीलचेयर पर बैठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

दूसरी ओर रजत विजेता स्वाति चौधरी ने महिलाओं की डब्ल्यू1 इंडिविजुअल तीरंदाजी में रजत पदक जीतकर अहम उपलब्धि हासिल की है। यह इस श्रेणी में भारत का पहला पदक है, जो स्वाति की असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प को दिखाता है। फाइनल मुकाबले में स्वाति ने चीनी प्रतिद्वंद्वी मेंगकान सेन को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंततः 4-6 से हारकर उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

डब्ल्यू1 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जिन्हें चारों अंगों में गंभीर विकार होते हैं। सीमित वित्तीय संसाधनों और बड़े अंतरराष्ट्रीय ट्रायल्स के लिए कम समर्थन के बावजूद, स्वाति ने लगातार विश्व स्तरीय प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है।

मां दुर्गा को नम आंखों से दी विदाई, 'अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारों से गूंजा लामता

डीजे की धुन पर थिरके भक्त, शोभायात्रा के साथ निकलीं मां भगवती की प्रतिमाएं

पद्मेश न्यूज। लामता। नौ दिनों तक मां दुर्गा की भक्ति में सराबोर रहे लामता में नवरात्र के बाद विदाई का भावुक नजारा देखने को मिला। एक ओर मां भगवती को विदाई देते समय भक्तों की आंखें नम थीं, तो दूसरी ओर ढोल-डीजे की धुन पर थिरकते श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। नवरात्र की एकादशी तिथि पर लामता नगर की सार्वजनिक दुर्गा समितियों ने धूमधाम से मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में विराजित मां की प्रतिमाओं को भी ग्रामीणों ने नम आंखों से विदाई दी।



बगीचाटोला से शुरू हुआ विसर्जन का सिलसिला

लामता में प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला बगीचाटोला से शुरू हुआ। यहां विराजित मां भगवती की प्रतिमा को भक्तों ने सुसज्जित शोभायात्रा के साथ नगर भ्रमण कराया। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और मां के जयकारे लगाते नजर आए। नगर भ्रमण के बाद शोभायात्रा बगीचाटोला तालाब पहुंची, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती के बाद मां की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

मरारी मोहल्ले की प्रतिमा पहुंची रानी तालाब

इसके बाद मरारी मोहल्ले में विराजित मां भगवती की प्रतिमा को भी भक्तों ने शोभायात्रा के साथ विदाई दी। नगर भ्रमण करते हुए श्रद्धालु रानी तालाब पहुंचे, जहां धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ मां की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे।

गांधी चौक को प्रतिमा के विसर्जन में उमड़ा उत्साह

लामता के गांधी चौक में विराजित मां भगवती की प्रतिमा को शाम के समय विसर्जन के लिए निकाला गया। डीजे और चलित आर्केस्ट्रा के साथ निकली शोभायात्रा में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालु नाचते-गाते मां को अंतिम विदाई देने पहुंचे। शाम से शुरू हुई शोभायात्रा रात करीब 9 बजे रानी तालाब पहुंची, जहां क्रेन की सहायता से मां भगवती की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

नम आंखें, जुबां पर जयकारे और अगले बरस आने की प्रार्थना

मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान श्रद्धा और भावुकता का अनूठा संगम देखने को मिला। नौ दिनों तक पूजा-अर्चना, आरती और भक्ति में लीन रहे श्रद्धालुओं ने मां को विदाई देते हुए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। विदाई की इस बेला में भक्तों के मन में एक ही भावना थी—मां अगले वर्ष फिर आएं और सभी पर अपनी कृपा बरसाएं।

विसर्जन के दौरान पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था

प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए लामता पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। शोभायात्राओं और विसर्जन स्थलों पर पुलिस की मुस्तैदी के बीच प्रतिमाओं का विसर्जन संपन्न हुआ। धार्मिक उत्साह और आपसी सौहार्द के बीच लामता में मां भगवती को भावपूर्ण विदाई दी गई।

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के 7वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन बोलीं

प्रेम करो... लड़की को मां बनाकर मत छोड़ो

लखनऊ। यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि 13-14 साल की उम्र में किसी लड़की को मां बनाकर छोड़ना गलत है। गर्लफ्रेंड बनाने में बुराई नहीं है। लेकिन शादी का वादा किया है तो उसे निभाना जरूरी है। युवाओं को पहले आत्मनिर्भर बनना चाहिए, ताकि वे परिवार की जिम्मेदारी उठा सकें। राज्यपाल गुरुवार को लखनऊ में महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के 7वें दीक्षांत समारोह में बोल रही थीं। इस दौरान प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय भी मौजूद थे। समारोह में 2,279 स्टूडेंट्स को डिग्री और डिप्लोमा दिए गए। यूनिवर्सिटी कैंपस में मिनी एक्सपो भी लगाया गया था। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने तीन महीने पहले कहा था कि लड़कियां पढ़ाई के दौरान प्रेग्नेंट हो जाती हैं। कइयों को बच्चा भी हो जाता है। उस बच्चे की जिम्मेदारी जानते हैं किस पर जाती है? सरकार पर जाती है। ऐसा पराक्रम आप लोग मत करिए। दूर रहिए इन पराक्रमों से। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे गलत कामों में कभी हिस्सा न लें और न ही किसी को ऐसा करने दें। उन्होंने कहा कि समाज में धोखाधड़ी और दूसरी गलत गतिविधियों को रोकना जरूरी है। इसके लिए अच्छे लोगों की संख्या बढ़ानी होगी और विद्यार्थियों को भी इस मुहिम से जोड़ना होगा। राज्यपाल ने तालाब का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर लोग उसमें लगातार गंदगी डालते रहेंगे, तो पानी दूषित हो जाएगा। वहीं, उसे साफ रखने का प्रयास किया जाए, तो पानी शुद्ध बना रह सकता है। इसी तरह ज्ञान और अच्छे विचारों को लगातार बढ़ावा देना चाहिए। सही ज्ञान बढ़ेगा, तभी समाज आगे बढ़ेगा।

डेटा और एआई का इस्तेमाल करें युवा

राज्यपाल ने युवाओं से डेटा जुटाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज एआई के जरिए बहुत से काम किए जा सकते हैं। युवाओं को इन तकनीकों का उपयोग कर नए अवसर तलाशने चाहिए और देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देना चाहिए। इसी तरह एक फोटो को दूसरे फोटो पर जोड़ देना, रिसर्च में किसी दूसरे के काम को अपने नाम से दिखाना या किसी दूसरे के नाम से अपना काम प्रस्तुत करना, यह गलत काम है।

पशीने पॉली क्लीनिक में आज महिलाओं के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर

पद्मेश न्यूज। लांजी। महिलाओं के स्वास्थ्य की अनदेखी कई बार गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। विशेषकर स्त्री रोग, अनियमित मासिक धर्म, गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं और संतान प्राप्ति में कठिनाई जैसी समस्याओं के लिए समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श लेना बेहद महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से लांजी क्षेत्र की महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 23 अक्टूबर 2026, शुक्रवार को लांजी-खैरागढ़ रोड स्थित डॉ. पशीने पॉली क्लीनिक एवं मल्टी फैसिलिटी हॉस्पिटल में महिला रोग एवं बांझपन निवारण संबंधी निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज पहलाजानी एवं उनकी विशेषज्ञ टीम महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान करेगी। पहलाजानी विमेंस हॉस्पिटल एवं टेस्ट ट्यूब बेबी (आईवीएफ) सेंटर, रायपुर के सहयोग से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य महिलाओं को स्त्री रोगों की पहचान, आधुनिक उपचार सुविधाओं तथा मातृत्व एवं संतान प्राप्ति से जुड़ी समस्याओं के संबंध में सही जानकारी उपलब्ध कराना है।



स्त्री रोगों से लेकर आईवीएफ तक मिलेगी विशेषज्ञ सलाह

शिविर में आईवीएफ, आईयूआई, आईसीएसआई एवं टेस्ट ट्यूब बेबी प्रक्रिया, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, बांझपन अथवा संतान प्राप्ति में कठिनाई, अत्यधिक या अनियमित मासिक धर्म, डायग्नोस्टिक हिस्टेरोस्कोपी एवं लैप्रोस्कोपी, एंडोमेट्रियोसिस, पीसीओडी/पीसीओएस, बच्चेदानी संबंधी समस्याओं तथा सफेद पानी एवं व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे विषयों पर परामर्श दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त बच्चेदानी में संक्रमण एवं कैंसर, दूरबीन से बच्चेदानी निकालने की शल्य प्रक्रिया, अधूरे अथवा रुके हुए गर्भ से संबंधित उपचार, बार्थोलिन सिस्ट तथा सिस्टेक्टॉमी एवं मायोमेक्टॉमी जैसी प्रक्रियाओं के बारे में भी विशेषज्ञ जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। महिलाओं को उनकी समस्याओं के अनुरूप उपलब्ध जांच और उपचार विकल्पों को समझने का अवसर मिलेगा।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम करेगी मार्गदर्शन

शिविर में डॉ. नीरज पहलाजानी के साथ डॉ. मेघना, डॉ. नम्रता पशीने एवं डॉ. दिनेश राम सहित संबंधित चिकित्सा टीम की सहभागिता रहेगी। शिविर का आयोजन डॉ. पशीने पॉली क्लीनिक एवं मल्टी फैसिलिटी हॉस्पिटल में किया जाएगा, जहां महिलाओं को विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा उपलब्ध होगी। आयोजकों के अनुसार, शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच उपलब्ध कराना और उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं को सलाह दी गई है कि वे लंबे समय से बनी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज न करें और आवश्यकता होने पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लें। निःशुल्क चिकित्सा शिविर 23 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। शिविर का स्थान डॉ. पशीने पॉली क्लीनिक एवं मल्टी फैसिलिटी हॉस्पिटल, लांजी-खैरागढ़ रोड, जिला बालाघाट रहेगा।

बेलगांव में कृषक खेत पाठशाला का आयोजन, किसानों को उन्नत खेती की तकनीक बताई

पद्मेश न्यूज। लांजी। किरनापुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम बेलगांव में बुधवार, 21 अक्टूबर को कृषक खेत पाठशाला का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को रबी फसलों की उन्नत खेती, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, फसल चक्र, सिंचाई की आधुनिक तकनीक और प्राकृतिक एवं जैविक खेती के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर खेती की लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। कृषक खेत पाठशाला का संचालन करते हुए विकासखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ. जगदीश कुमार कुटारिये ने पाठशाला के उद्देश्य और किसानों को इसका लाभ मिलने की जानकारी दी। इसके बाद आत्मा परियोजना, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, बालाघाट के परियोजना संचालक डॉ. रामनाथ पटेल ने किसानों को रबी मौसम में चना, गेहूं और सरसों की उन्नत खेती की तकनीक समझाई। उन्होंने चना और सरसों की 4-2 तथा गेहूं और सरसों की 9-3 के अनुपात में अंतरवर्तीय खेती करने की जानकारी देते हुए बताया कि उचित फसल प्रबंधन और वैज्ञानिक पद्धतियों से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिल सकती है।



मिट्टी की जांच के आधार पर करें उर्वरकों का उपयोग

किसानों को मृदा स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए बताया गया कि मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की स्थिति के अनुसार ही संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। एनपीके उर्वरकों की उपयोग विधि और उनके सही प्रबंधन की जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने खरीफ में धान की कटाई के बाद फसल चक्र अपनाने, सिंचाई के लिए स्प्रिंकलर तकनीक का उपयोग करने और इसके लाभों के बारे में बताया।

धान कटाई से पहले उतेरा फसल लेने की सलाह

पाठशाला में बताया गया कि वर्षा आधारित धान की खेती करने वाले कई किसानों के पास सिंचाई के पर्याप्त साधन नहीं होने के कारण धान की कटाई के बाद खेत खाली रह जाते हैं। ऐसी स्थिति में किसान धान की खड़ी फसल में मौजूद नमी का उपयोग कर सकते हैं। धान की कटाई से 15 से 20 दिन पहले अलसी और उड़द के बीजों का छिड़काव कर उतेरा फसल के रूप में उत्पादन लिया जा सकता है। इससे खेतों की नमी का सदुपयोग होगा और अतिरिक्त फसल प्राप्त करने की संभावना बढ़ेगी।

डीएसआर पद्धति से रबी फसलों की समय पर बोनी में मिलेगी मदद

कृषि विशेषज्ञों ने धान की सीधी बुवाई यानी डीएसआर पद्धति को आगामी रबी फसलों की समय पर बोनी के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि स्टेप सीडर और सुपर सीडर मशीनों के माध्यम से धान की सीधी बुवाई के साथ ही चना, गेहूं और सरसों जैसी रबी फसलों की कतार में बोनी की जा सकती है। इन मशीनों के उपयोग से समय पर बुवाई और कृषि कार्यों के बेहतर प्रबंधन में मदद मिलेगी, जिससे फसल उत्पादन बढ़ाने की संभावना रहेगी।

प्राकृतिक खेती से कम कर सकते हैं लागत

खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि जीवामृत, घनजीवामृत, पीएसबी कल्चर, राइजोबियम कल्चर और अन्य जैविक खादों के माध्यम से फसलों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने में सहायता मिल सकती है। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और खेती को अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में प्रयास किए जा सकते हैं।

जैविक संसाधन केंद्र का किया निरीक्षण

कार्यक्रम के दौरान बेलगांव स्थित धान की डीएसआर पद्धति के प्रदर्शन और बेलगांव-जानवा के जैविक संसाधन केंद्र का निरीक्षण भी किया गया। किसानों को फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के नियंत्रण के लिए नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्निअस्त्र और दशपर्णी अर्क जैसे जैविक उपायों की जानकारी दी गई। उन्हें सलाह दी गई कि वे जैविक संसाधन केंद्र से इन उत्पादों को प्राप्त कर सकते हैं अथवा आवश्यक जानकारी लेकर प्राकृतिक तरीके से तैयार किए गए इन उपायों का उपयोग कर सकते हैं। कृषक खेत पाठशाला में कृषि सखियों सरिता खरखाटे, दुर्गा बोपचे, उषा चौहान, अनिता सुलाखे, सुनीता सिहोरे, सुरेखा कोड़ापे और ललिता नगपुरे सहित किसान शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को खेती को उन्नत तकनीकों से जोड़कर उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा।

मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा, हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो की मौत

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान भीषण हादसा हो गया। मझौली थाना क्षेत्र में एक बिजली का तार टूटकर ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे ट्रैक्टर-ट्रॉली में भीषण करंट फैल गया। इस हादसे की चपेट में आने से दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान 22 वर्षीय विकास राजपूत और 23 वर्षीय प्रिंस चौहान के रूप में हुई है, जो हादसे के वक्त ट्रैक्टर पर सवार थे।

यह दुखद घटना तब घटी जब 50 से अधिक श्रद्धालुओं का समूह सिविल लाइंस पथ से नरिली तालाब की ओर प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रहा था। रास्ते में नीचे लटक रहे 440 वोल्ट के तार को ऊपर उठाने के प्रयास में वह हाई-टेंशन लाइन से छू गया। तार टूटकर सीधे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर गिरा, जिससे पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँचीं और घायलों को अस्पताल पहुँचाया। मयंक राजपूत, विक्की रायकवार, मनीष और आयुष सहित गंभीर रूप से घायलों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

इस हादसे के बाद लोगों में प्रशासन और बिजली विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मझौली स्वास्थ्य केंद्र ले जाने पर आधे घंटे तक कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था, जिससे घायलों के इलाज में लापरवाही हुई। इसके अलावा, ग्रामीणों का दावा है कि जुलूस से पहले पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई बैठक में लटकते बिजली के तारों का मुद्दा उठाया गया था, लेकिन बिजली विभाग ने समय रहते कोई कदम नहीं उठाया। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जाँच कर रही है।

नगर पालिका बालाघाट ने विसर्जन कुण्ड एवं नदीघाट पर किए व्यापक प्रबंध; हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया भंडारा-प्रसाद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सनातन परंपरा के प्रमुख महापर्वों में शामिल शारदीय नवरात्र में श्रद्धालु नौ दिनों तक पूरी श्रद्धा और भक्तिभाव से मां दुर्गा की आराधना करते हैं। पर्व के समापन पर नम आंखों से मां भगवती को विदाई देते हुए प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है। इस पावन अवसर को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और भव्य बनाने के लिए नगर पालिका परिषद बालाघाट ने विसर्जन कुण्ड एवं नदीघाट पर व्यापक व्यवस्थाएं कीं। छोटे पुल स्थित वैनगंगा नदी के छोटे पुल के नीचे छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए कुण्ड बनाया गया था। बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए दो क्रेनों की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए नगर पालिका कर्मचारियों की तैनाती तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की गई। विसर्जन स्थल पर नगर में विराजित दुर्गा प्रतिमाओं के छायाचित्र भी प्रदर्शित किए गए, ताकि श्रद्धालु नगर में स्थापित मां भगवती के विभिन्न स्वरूपों को देख सकें। विसर्जन स्थल पर नगर पालिका की ओर से संगीत की व्यवस्था भी की गई। श्रद्धालुओं ने संगीत के साथ मां की आरती की और माता की विदाई पर भक्तिभाव से नृत्य किया। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और भंडारा-प्रसाद की व्यवस्था रही। हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और नगर पालिका की व्यवस्थाओं की सराहना की। पूजा सामग्री एवं निर्माल्य एकत्र करने की अलग व्यवस्था की गई, ताकि फूल-माला और पूजन सामग्री जलस्रोतों में न जाए और स्वच्छता बनी रहे।साथ ही इस निर्माल्य से पेड़ों में डालने वाली खाद बनाई जावेगी। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर विसर्जन स्थल पर अपने पार्षदों एवं सभापतियों के साथ पूरे समय उपस्थित रहीं और व्यवस्थाओं पर नजर रखी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके भी पूरे समय स्थल पर मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं और आमजन की सुरक्षा के लिए व्यापक एवं चाक-चौबंद बंदोबस्त किया।





पुलिसकर्मियों ने भीड़ और आवागमन को व्यवस्थित रखते हुए सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा। अध्यक्ष भारती ठाकुर ने कहा कि मां भगवती का यह पर्व श्रद्धा और सम्मान का पर्व है। भक्तिभाव से पूजन करने के साथ विसर्जन के समय सुरक्षा और स्वच्छता का ध्यान रखना भी हम सभी की जिम्मेदारी है। नगर पालिका ने श्रद्धालुओं की सुविधा, प्रतिमाओं के सम्मानजनक विसर्जन और निर्माल्य एकत्रीकरण के लिए यथासंभव बेहतर प्रबंध किए। उन्होंने नवरात्र और विसर्जन पर्व को श्रद्धा एवं सद्भाव से मनाने के लिए नगरवासियों और सभी दुर्गा उत्सव समितियों का आभार व्यक्त किया।

दुर्गा उत्सव समितियों का होगा सम्मान

दुर्गा उत्सव समितियों के आयोजनों का विभिन्न विधाओं—प्रतिमा, साज-सज्जा, स्वच्छता, अनुशासन एवं अन्य व्यवस्थाओं—के आधार पर निरीक्षण किया गया है। इसके परिणाम शीघ्र घोषित किए जाएंगे। आगामी समय में विशेष आयोजन कर सभी समितियों को आमंत्रित किया जाएगा और उत्कृष्ट कार्य करने वाली समितियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर समितियों से सुझाव लेकर विचार किया जाएगा कि आने वाले वर्षों में नवरात्र पर्व को और अधिक भव्य, व्यवस्थित और अच्छा कैसे बनाया जा सकता है।

बालाघाट
शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

मारपीट के मामले में आरोपी रामेश्वर को 3 माह का कारावास- एक हजार रुपये का अर्थदंड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। न्यायालयीन प्रकरण में मारपीट के दोषी पाए जाने पर आरोपी रामेश्वर पांचे को तीन माह के साधारण कारावास एवं एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। यह फैसला माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री ईशान ढेंगुला के द्वारा प्रकरण क्रमांक 123/2023 में सुनाया गया। आरोपी रामेश्वर पिता टेकचंद पांचे 32 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 6 ग्राम बम्हनी थाना ग्रामीण नवेगांव को निवासी को भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के तहत दोषसिद्ध किया गया।

ऋण की किस्त मांगने पर हुआ था विवाद

अभियोजन के अनुसार फरियादी इरफान अली वार्ड क्रमांक 6 चांगोटोला निवासी हैं तथा महिंद्रा होम फाइनेंस कंपनी में कस्टमर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। 26 जून 2023 को वे अपने साथी अजय लिल्हारे कोसमी निवासी के साथ ग्राम बम्हनी में टेकचंद पांचे के घर ऋण की किस्त की वसूली के लिए गए थे इरफान अली द्वारा रामेश्वर से ऋण की किस्त जमा करने के लिए कहने पर उसने पैसे नहीं होने की बात कही। इस दौरान पिछली किस्त समय पर जमा नहीं करने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। अभियोजन के अनुसार विवाद बढ़ने पर रामेश्वर ने इरफान अली को अश्लील गालियां दीं और गाली देने से मना करने पर लकड़ी से उनके सिर और हाथ पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद अजय लिल्हारे ने बीच-बचाव किया। आरोप है कि इसके बाद रामेश्वर ने दोबारा किस्त मांगने आने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी।

न्यायालय में पेश किया गया था आरोप पत्र

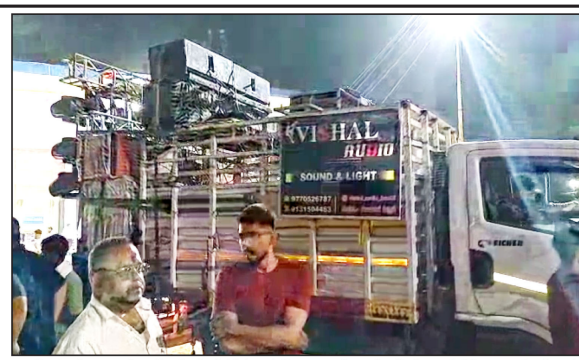
घटना की सूचना के आधार पर आरोपी के विरुद्ध तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की धारा 294, 323 एवं 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। पुलिस ने विवेचना पूरी कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। प्रकरण में विचारण के बाद न्यायालय ने आरोपी को धारा 323 के तहत दोषी ठहराते हुए तीन माह के साधारण कारावास और एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सुरेंद्र कुमार उइके ने की। संपूर्ण कार्रवाई सहायक संचालक अभियोजन कपिल कुमार डहेरिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

कानफोड़ू डीजे की मनमानी पर कब लगेगा पूर्ण विराम ?

लंबे समय से तेज आवाज से परेशान शहरवासियों को स्थायी राहत का इंतजार, कार्रवाई के बाद प्रशासन की निरंतरता पर टिकी निगाहें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में कानफोड़ू डीजे का शोर अब केवल मनोरंजन और आयोजनों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आम नागरिकों की दिनचर्या, शांति और सुकून को प्रभावित करने वाली समस्या बन चुका है। शादी-ब्याह हों, धार्मिक आयोजन हों या फिर दुर्गोत्सव और विसर्जन यात्राएं, तेज आवाज में डीजे बजाना मानो फैशन बन गया है। बीते कई महीनों से शहर के अलग-अलग हिस्सों में तेज ध्वनि के साथ डीजे बजने की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन अब तक इस पर लगातार और प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आई। बुधवार, 21 अक्टूबर की रात काली पुतली चौक पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान प्रशासन और पुलिस ने तेज आवाज में बज रहे डीजे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की तो मौके पर विरोध की स्थिति बन गई। डीजे जब्त करने की कार्रवाई के दौरान कुछ युवा वाहनों के सामने खड़े हो गए और अधिकारियों से बहस भी हुई। स्थिति यहां तक पहुंच गई कि नाराज लोगों ने कुछ समय के लिए दुर्गा प्रतिमा को विसर्जन के लिए आगे ले जाने से इनकार कर दिया। बाद में विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष यज्ञेश लालु चावड़ा के पहुंचने और समझाइश देने के बाद समिति के सदस्य प्रतिमा लेकर विसर्जन के लिए रवाना हुए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब ध्वनि प्रदूषण के नियम पहले से लागू हैं, तो उन पर नियमित कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन को त्योहार के बीच सख्ती क्यों दिखानी पड़ रही है?

दरअसल, शहर में तेज आवाज में डीजे बजने की समस्या किसी एक रात या एक आयोजन तक सीमित नहीं रही है। नवरात्र के पूरे नौ दिनों के दौरान विभिन्न दुर्गोत्सव समितियों के कार्यक्रमों और गरबा आयोजनों में लाउडस्पीकर और डीजे बजते रहे। कई स्थानों पर देर तक गूंजती तेज ध्वनि से बच्चों, बुजुर्गों, बीमार लोगों और अपनी सामान्य दिनचर्या में व्यस्त नागरिकों को परेशानी होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसके बावजूद लगातार निगरानी और कार्रवाई का अभाव लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। विसर्जन के दौरान सामने आई जानकारी के अनुसार, मेन रोड पर दो से तीन दुर्गोत्सव समितियों की शोभायात्राएं एक साथ निकल रही थीं। इस दौरान डीजे की आवाज कम करने के लिए पुलिस अधिकारी ने निर्देश दिया था। आरोप है कि कुछ समय के लिए आवाज कम करने के बाद फिर बढ़ा दी गई, जिसके बाद शिकायत मिलने पर कार्रवाई की गई। यातायात थाना प्रभारी योगेंद्र मरावी के अनुसार, 21 अक्टूबर को पांच डीजे वाहनों पर कार्रवाई की गई। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ संचालकों द्वारा वाहनों में बदलाव कर उन्हें डीजे वाहन के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिस पर भी आगे कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर ने बताया कि बीती रात तेज आवाज में बज रहे लगभग चार डीजे वाहनों को जब्त किया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई को ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण की दिशा में कदम माना जा सकता है, लेकिन लोगों का सवाल है कि यदि तेज आवाज में डीजे बजाना नियमों का उल्लंघन था, तो पूरे नवरात्र के दौरान ऐसी शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई?, इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल प्रशासन की कार्रवाई के समय और उसकी निरंतरता को लेकर उठ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमों का पालन सभी के लिए समान रूप से होना चाहिए। यदि तेज आवाज में डीजे बजाने से आम नागरिकों को परेशानी हो रही है, तो कार्रवाई किसी विशेष आयोजन, समिति या समय तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि दिन में निकली कुछ विसर्जन यात्राओं में भी तेज आवाज में डीजे बजाए गए, लेकिन वहां कार्रवाई नहीं दिखी। ऐसे में रात में अचानक सख्ती किए जाने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है।



हालांकि, किसी अन्य आयोजन में कार्रवाई नहीं होने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है, लेकिन प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि नियमों को लागू करने में पारदर्शिता और समानता दिखाई दे। एसडीएम गोपाल सोनी ने स्पष्ट किया कि डीजे को निर्धारित ध्वनि सीमा और तय समय के भीतर ही बजाने की अनुमति दी जाती है। उनके मुताबिक, संबंधित डीजे तेज आवाज में और निर्धारित समयावधि का उल्लंघन करते हुए बजाए जा रहे थे, इसलिए कार्रवाई की गई। उन्होंने यह भी बताया कि आयोजनों की अनुमति देते समय ध्वनि सीमा और समय का पालन करने के निर्देश दिए जाते हैं। वहीं, इस बार डीजे की अनुमति को लेकर भी सख्ती किए जाने की जानकारी सामने आई है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन भविष्य में भी इसी तरह निगरानी रखेगा या यह कार्रवाई कुछ दिनों बाद ठंडे बस्ते में चली जाएगी?

डीजे वाहनों में मॉडिफिकेशन पर भी उठे सवाल

तेज आवाज में डीजे बजाने पर कार्रवाई के साथ ही वाहनों को मॉडिफाई कर डीजे वाहन बनाने का मुद्दा भी सामने आया है। यदि वाहनों के मूल स्वरूप में बदलाव किया जा रहा है, तो यह जांच का विषय है कि ऐसा नियमानुसार किया गया है या नहीं। वाहन में किए गए परिवर्तन की वैधता, संबंधित अनुमति और सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की जांच की जिम्मेदारी भी संबंधित विभागों की है। ऐसे में यातायात विभाग को केवल तेज आवाज में डीजे बजाने तक सीमित रहने के बजाय वाहनों में किए गए बदलावों की भी नियमानुसार जांच करनी चाहिए। सवाल यह भी है कि यदि ऐसे वाहन लंबे समय से सड़कों पर चल रहे हैं, तो उनकी जांच पहले क्यों नहीं हुई? प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि आगे किस तरह की कार्रवाई की जाएगी और क्या मॉडिफाइड वाहनों के विरुद्ध भी नियमों के अनुसार कदम उठाए जाएंगे।

आखिर आमजन को शोर से राहत कब मिलेगी?

तेज आवाज में बजने वाले डीजे का प्रभाव केवल आयोजनों में शामिल लोगों तक सीमित नहीं रहता। इसकी ध्वनि आसपास के घरों, अस्पतालों, बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों तक पहुंचती है। हर प्रभावित व्यक्ति शिकायत दर्ज कराने थाने या प्रशासनिक कार्यालय नहीं पहुंचता, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उसे परेशानी नहीं हो रही। ध्वनि प्रदूषण को लेकर न्यायालयों और निर्धारित नियमों में भी स्पष्ट सीमाएं तय हैं। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह ध्वनि सीमा, समयावधि और अन्य लागू नियमों का पालन सुनिश्चित करे। इसके लिए केवल त्योहारों के दौरान कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि नियमित निगरानी, शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया और नियम तोड़ने वालों पर निष्पक्ष कार्रवाई जरूरी है। काली पुतली चौक की घटना ने यह अवसर दिया है कि प्रशासन शहर में डीजे संचालन को लेकर स्पष्ट नीति और प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करे। अब देखने वाली बात यह होगी कि यह कार्रवाई कानफोड़ू डीजे के शोर पर स्थायी लगाम लगाने की शुरुआत बनती है या फिर कुछ दिनों की सख्ती के बाद शहर में वही पुराना शोर दोबारा गूंजने लगेगा।







स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट